गुरुवार
23 मई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



बोले पवन सिंह....महाभारत में अभिमन्यु अकेला था

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

कांस फिल्म फेस्टिवल में रेड कारपेट पर दिखा सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू का अलग अंदाज

- चिंटू कांस में भोजपुरी भाषा का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले ऐसे स्टार हो गये हैं
- भोजपुरी भाषा की फिल्मों का ग्राप बढ़ा है और इसे वैश्विक मंच से सराहना भी मिल रही

एजेंसी/ मुंबई

सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू पहले ऐसे भोजपुरी कलाकार बन गये हैं। जिन्हें विश्व प्रसिद्ध कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट चलने के मौका मिला है। कांस के रेड कारपेट पर प्रदीप पांडेय चिंटू अलग अंदाज में नजर आये। जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया में उनके फेसबुक से पोस्ट की गयी है। इस पोस्ट में चिंटू ने अपनी खुशी का इजहार किया है। चिंटू ने लिखा है कि, रेड कार्पेट पर 77वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव कान्स। ये सिर्फ मैं नहीं बल्कि मेरे साथ पूरा भोजपुरी समाज, भोजपुरी भाषा, पूरा भोजपुरी सिनेमा परिवार, भोजपुरी का सम्मान कांस के रेड कारपेट कर खड़ा है । जहां खड़ा होना विश्व के सभी कलाकारों का सपना होता है। उस रेड कारपेट पर आज आपके आशीर्वाद और दुआओं से मुझे



चलने का मौका मिला। चिंटू ने आगे लिखा कि, आप सबने हमेशा अपने चिंटू को आगे बढ़ने में साथ दिया है। ये साथ जीवन भर बना रहे। इस ऐतिहासिक पल को में ज़िंदगी भर नहीं भूल सकता । मुझे यह महान अवसर देने के लिए फेस्टिवल महान कान्स को धन्यवाद । आप सभी को दिल से प्यार आपको बता दें कि चिंटू कांस में भोजपुरी भाषा का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले ऐसे स्टार हो गये हैं । हर साल फ्रांस के कैन शहर में आयोजित होने वाले इस फिल्म फेस्ट में शामिल होकर भोजपुरी भाषा को गौरवान्वित करने का सौभाग्य भोजपुरी के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं । उनकी फिल्म अग्नि साक्षी के पोस्टर और ट्रेलर की लौन्चिंग की गयी है। फिल्म के निर्माता राज कुमार आर पांडेय हैं । आपको बता दें कि हाल के दिनों में भोजपुरी भाषा की फिल्मों का ग्राप बढ़ा है और इसे वैश्विक मंच से सराहना भी मिल रही है । इसमें सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू की फिल्मों का भी अहम योगदान रहा है और चिंटू ने हमेशा एक कदम आगे बढ़ा कर भोजपुरी भाषा की फिल्मों को आगे बढाया है । इसलिए उन्हें विगत वर्ष लगातार 5 फिल्म महोत्सव में बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिल चुका है । अब उन्हें ये मौका मिला है कि वे भोजपुरी का प्रतिनिधित्व विश्व प्रसिद्ध कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के मंच से करें । विदित हो कि पिछले कुछ सालों से भोजपुरी भाषा विशेषकर फिल्म में प्रसिद्धी मिली है। यदि कुछ स्थानीय कलाकारों के फुहड़पन को छोड़ दिया जाए। भोजपुरी गीत संगीत में भी एक समृद्धि देखने को मिल रही है। यहीं कारण है कि लगातार भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं सूची में शामिल की मांग उठ रही है।

स्टारर फिल्म दुल्हन वही जो धन लाएं का शूटिंग शुरू

लखनऊ। भोजपुरी टेलीविजन इंडस्ट्री में सबसे अधिक टीआरपी गेन करने वाले सुपर स्टार विक्रांत सिंह राजपूत की नयी फिल्म दुल्हन वहीं जो धन लाएं की शूटिंग भव्य मुहूर्त के साथ शुरू हो गया। इस फिल्म का मुहूर्त यूपी के जौनपुर जिले में हुआ, जहां फिल्म की शूटिंग की शुरुआत शीतला माता के मंदिर भव्य पूजा से की गई। इस फिल्म के निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी हैं, जो अपने निर्देशन में कई बेहतरीन फिल्में बना चुके हैं। लेकिन, बतौर निर्माता यह उनकी तीसरी फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्माण 3 फिल्म्स एंड प्रोडक्शन के बैनर से हो रहा है। इश्तियाक शेख बंटी इससे पहले रवि किशन और रिंकू घोष स्टारर फिल्म विदाई और दिनेश लाल यादव निरहुआ स्टारर फिल्म रखवाला का निर्माण चुके हैं। 3 फिल्म्स एंड प्रोडक्शन उनका होम प्रोडक्शन है, जिसका नाम उन्होंने अपनी बेटियों का नाम से रखा है, जो फ से शुरू होता हैं। उन्होंने कहा कि यह फिल्म का निर्माण वो इस फिल्म की कहानी को देखकर कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि यह कहानी दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिल्म के कलाकार की बात करें तो इसमें विक्रांत सिंह, मणि भट्टाचार्य, ज्योति मिश्रा, अमित शुक्ला, जेनीलम, अयाज खान, गोपाल चौहान, दीपिका सिंह व अन्य कलाकार है।

राममंदिर पर बाबरी ताला लगाना चाहते हैं कांग्रेस के शहजादे : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- बस्ती, डुमरियागंज व संत कबीर नगर लोक सभा सीटों के लिए पीएम मोदी ने की जनसभा
- राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित संयुक्त जनसभा में सीएम योगी भी रहे मौजूद
- मोदी का सोनिया पर हमला, कहा- इनकी टोली ने अति पिछड़े सीताराम केसरी का किया था अपमान

केटी न्यूज/बस्ती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस के शहजादे राममंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटना चाहते हैं और राममंदिर पर बाबरी ताला लटकाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश 500 साल से राममंदिर की प्रतीक्षा कर रहा था, मगर इंडी गठबंधन वालों को राममंदिर और श्रीराम से परेशानी है। सपा के बड़े नेता कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है और रामभक्त पाखंडी हैं। उन्होने कहा कि ये वो लोग हैं जो सनातन धर्म के विनाश की बात करते हैं और इनकी आका है कांग्रेस पार्टी। कांग्रेस के शहजादे तो फिर से रामलला को टेंट में भेजना चाहते हैं। इनपर वोट से करारी चोट होनी चाहिए। पीएम मोदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने यूपी को गर्त से बाहर निकालने में अपनी सरकार के साथ बहुत मेहनत की है। पीएम मोदी बुधवार को यहां राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित बस्ती, डुमरियागंज और संत कबीर नगर लोकसभा सीटों के लिए आयोजित संयुक्त जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने बस्ती से लोकसभा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, डुमरियागंज से पार्टी प्रत्याशी जगदम्बिका पाल और संत कबीर नगर से प्रत्याशी प्रवीण निषाद के पक्ष में जनता से अधिक से अधिक संख्या में



वोट देने की अपील की।

इंडी अलायंस निराशा के गर्त में डूबा चुका है: प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता ने हमारे काम, हमारी बात, हमारे वादों और इरादों पर भरोसा किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह भी इस विश्वास पर खरा उतरने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। पीएम ने कहा कि पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं, इन पांच चरण ने ही तीसरी बार मोदी सरकार पक्की कर दी है। पूरा इंडी अलायंस निराशा के गर्त में डूब चुका है। उन्होंने जनता से कहा कि सपा और कांग्रेस को मिलने वाला एक भी वोट किसी काम का नहीं है। वोट बर्बाद हो जाए ये कोई भी समझदार मतदाता नहीं चाहेगा। उन्होंने अपील की कि आपका वोट उसको पड़ना चाहिए जिसकी सरकार बनने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत अच्छे काम करने वाला हूं और हर काम से वोट देने वाले को पुण्य मिलने वाला है। कहा कि हम राम से राष्ट्र, विरासत से विकास और अध्यात्म से आधुनिकता के मंत्र से देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

इन्हें मालूम नहीं कि 56 इंच क्या होता है: प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर जब बोलता है तो पूरी दुनिया बड़े ध्यान से सुनती है। भारत फैसले लेता है तो दुनिया उसके साथ अपने कदम मिलाने की कोशिश करती है। आतंक का सरपरस्त देश जो कभी हमें आखें दिखाता था, धमकियां देता था आज उनकी हैसियत ऐसी हो गई है कि वह न घर का है न घाट का। उसे अनाज भी नसीब नहीं हो रहा है। मगर, उसके हमदर्द सपा कांग्रेस वाले अब भारत को डराने में जुटे हैं। इन्हें मालूम नहीं कि 56 इंच क्या होता है। ये कहते हैं पाकिस्तान से डरो, क्योंकि उसके पास एटम बम है। पीएम ने कहा कि आज भारत में कांग्रेस की कमजोर सरकार नहीं मोदी की मजबूत सरकार है। अगर डरना है तो वो लोग डरें जो मानवता में विश्वास नहीं करते, आए दिन खून की नदियां बहाते हैं। भारत किसी को डराना नहीं चाहता, मगर भारत डराने वालों को बख्शेगा भी नहीं, इसलिए आज हम घर में घुसकर मारते हैं।

तब ये ठीकरा ईवीएम पर फोड़ेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि सपा-कांग्रेस के दोनों शहजादों की फ्लॉप फिल्म की बार बार रिलीज से वह हैरान हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग यूपी की 79 सीट पर जीत का दावा कर रहे हैं। पीएम ने तंज कसते हुए कहा कि ये दिन में सपने देख रहे हैं और 4 जून को यूपी की जनता इनको नींद से जगाने वाली है। तब ये ठीकरा ईवीएम पर फोड़ेंगे।

सीताराम केशरी को उठाकर फुटपॉथ पर फेंक दिया: प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन को अचानक संविधान की याद आ गई है। इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर संविधान को खत्म करने की भरपूर कोशिश की थी। यही कांग्रेस है जो खुद के पार्टी का संविधान भी नहीं मानती है। इन्होंने बिहार के अति पिछड़े समाज के व्यक्ति सीताराम केशरी, जोकि कांग्रेस के अध्यक्ष थे, उन्हें एक शाम को मैडम सोनिया जी की टोली कांग्रेस दफ्तर में घुसकर बाथरूम में बंद कर दिया और फिर उठाकर उन्हें फुटपाथ पर फेंक दिया और रातों रात सोनिया जी को अध्यक्ष पद पर बिठा दिया। जिन्होंने कांग्रेस के संविधान की धज्जियां उड़ा दी वो संविधान की बात कर रहे हैं।

गुरुवार को ओडिशा और बिहार के दौरे पर रहेंगे सीएम योगी



- दोनों राज्यों की दो-दो सीटों पर करेंगे चुनाव प्रचार
- पुरी से संबित पात्रा और केंद्रपाड़ा से बैजयंत जय पांडा के पक्ष में करेंगे जनसभा
- पूर्वी चंपारण से राधा मोहन सिंह व पश्चिमी चंपारण से संजय जायसवाल के पक्ष में मांगेंगे वोट

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ गुरुवार को ओड़िशा व बिहार के चुनावी दौरे पर रहेंगे। सीएम योगी दोनों राज्यों की दो-दो सीटों समेत कुल चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे। गुरुवार को सीएम योगी की पहली रैली पुरी लोकसभा सीट के लिए होगी। यहां से भाजपा उम्मीदवार संबित पात्रा के पक्ष में सीएम आमजन से कमल खिलाने का आग्रह करेंगे। उनकी दूसरी जनसभा केंद्रपाड़ा सीट के लिए होगी। यहां से भारतीय जनता पार्टी ने बैजयंत जय पांडा को चुनाव मैदान में उतारा है। पांडा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार दौरे पर पहुंचेंगे। यहां वे वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्वी चंपारण से उम्मीदवार राधा मोहन सिंह के पक्ष में जनसभा करेंगे। गुरुवार को सीएम की चौथी जनसभा पश्चिमी चंपारण से भाजपा प्रत्याशी डॉ. संजय जायसवाल के लिए होगी। विदित हो कि उत्तर प्रदेश सहित पूरे बिहार में योगी आदित्य नाथ का भाषण सुनना आम जनता पंसद करती है। फायरब्रांड की नेता की लगातार मांग बढ़ते रहती है। हालांकि समय अभाव के कारण कई जगहों पर वह नहीं जा पाते है।

पटना में ट्रक ने टेंपो में मारी जोरदार टक्कर, 3 की मौत 6 गम्भीर रूप से घायल

केटी न्यूज/ पटना

सीतामढ़ी-बरियारपुर मार्ग पर स्थित मोहनपुर में मंगलवार देर रात यह हादसा हुआ। टेंपो सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन से बथनाहा थाना के रमनगरा गांव जा रहा था। ट्रक ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे टेंपो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में 3 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रेन से उतरे 9 यात्री भी इसी टैंपो में सवार थे। हादसे के बाद ड्राइवर अपना ट्रक लेकर घटनास्थल से फरार गया। जल्द ही ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना की सूचना पर 112 और स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया।इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई।जिनकी पहचान नेपाल निवासी मो. समसूल, रीगा थाना क्षेत्र के फतहपुर निवासी नशो खान, रमनगरा निवासी रोजा अंसारी की पुत्री खजीदा खातून के रूप में हुई है।शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।हालत नाजुक होने पर कई घायलों को दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ट्रक का पता लगा रही है।

कोलकाता के न्यू टाउन फ्लैट में मिला बांग्लादेश के लापता सांसद अनवारुल अजीम का शव

केटी न्यूज/ कोलकाता

पिछले 18 मई से लापता बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद अनवारुल अजीम की आखिर बेहद दुःखद खबर आई है। बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम इलाज के लिए भारत आने के बाद लापता हो गए थे। पिछले 5 दिनों से उनका कोई पता नहीं चल रहा था। कोलकाता में आज उनका शव मिला। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने ढाका में कहा कि सांसद की कोलकाता में हत्या कर दी गई। बांग्लादेश पुलिस ने इस सिलसिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। अजीम 12 मई को कोलकाता आए थे। वह एक फ्लैट पर गए।उनके साथ तीन अन्य लोग भी थे। इसके बाद 14 मई से उनका मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा था। जिसके बाद परिवार को चिंता सताने लग गई। मामले की शिकायत सांसद की बेटी ने बांग्लादेश पुलिस को दी और पुलिस ने शिकायत दर्ज कर आगे के लिए जांच शुरू कर दी। सांसद की बेटी फिलहाल कोलकाता में है। कोलकाता में सांसद के दोस्त गोपाल विश्वास ने 18 मई को पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद कोलकाता पुलिस एक्टिव हुई।अजीम बांग्लादेश के ट्रांसपोर्ट यूनियन से जुड़े हुई थे। उनका खुद ट्रांसपोर्ट का बिजनेस है। बताया गया है कि अजीम के मैनेजर के पास फिरौती के लिए फोन आया था और बड़ी रकम की मांग की गई थी। पुलिस के मुताबिक, हत्यारे ने फिरौती की मांग की थी। अपने दोस्त के घर बिधान नगर आए सांसद सोने के आयात और निर्यात के कारोबार से भी जुड़े हैं पुलिस का मानना है कि इस हत्या में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह का हाथ है। स्मामले को लेकर भारत से भी संपर्क किया गया।इसके बाद बांग्लादेश खुफिया विभाग ने जांच शुरू की। बुधवार सुबह उनका शव कोलकाता के न्यू टाउन फ्लैट में मिला है। जिसके बाद हड़कंप मच गया।



गांगेय डॉल्फिन की संख्या को विशेषज्ञों ने बताया पर्यावरण के लिए शुभ संकेत

विभिन्न प्रयासों से पवित्र गंगा में बढ़ रहा डॉल्फिन का कुनबा

केटी न्यूज/लखनऊ

गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए डबल इंजन सरकार के साथ ही नमामि गंगे मिशन द्वारा किए जा रहे अभूतपूर्व प्रयासों के फलस्वरूप गंगा नदी में डॉल्फिन का कुनबा बढ़ रहा है। विशेषज्ञ इसे पर्यावरण के लिए अच्छा संकेत बता रहे हैं। इससे पता चलता है कि गंगा में डॉल्फिन को अनुकूल वातावरण मिल रहा है और गंगा का पानी भी साफ है। आने वाले समय में डॉल्फिन की संख्या और बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के मुताबिक, इस समय गंगा और उसकी सहायक नदियों में लगभग 4000



डॉल्फिन मौजूद हैं। अकेले गांगेय डॉल्फिन की संख्या 2000 तक पहुंची। एक अनुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में गांगेय डॉल्फिन की संख्या 2000 तक होने की उम्मीद है, जोकि भारत में पाई जाने वाली कुल गांगेय डॉल्फिन की संख्या का आधे से अधिक है। ऐसे में इनके संरक्षण और संवर्धन की सर्वाधिक जिम्मेदारी भी उत्तर प्रदेश की ही बनती है। इसके मद्देनजर उत्तर प्रदेश ने राज्य के लिए नई पर्यटन नीति लागू कर चंबल सेंचुरी में डॉल्फिन सेंचुरी क्षेत्र की घोषणा की थी। आज चंबल क्षेत्र में लगभग 111 डॉल्फिन की मौजूदगी दर्ज की गई है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा किए जाने के बाद आम लोगों में इस अनोखे और दुर्लभ स्तनपायी जीव के प्रति उत्सुकता बढ़ी है। दूसरा पहलू यह भी है कि एक बड़ी आबादी अभी इस करिश्माई मेगा-फौना से अपरिचित है। इसलिए गांगेय डॉल्फिनों के संरक्षण से न केवल इस प्रजाति के संरक्षण को लेकर जागरूकता आएगी बल्कि गंगा की निर्मलता और अविरलता के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नमामि गंगे की योजनाओं में जागरूकता और जनभागीदारी मुख्य बिंदु हैं। इस आधार पर वर्ष 2030 तक गांगेय डॉल्फिन की आबादी में स्थिरता लाने और अधिक खतरे वाली प्रजातियों की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कवायद में स्वच्छ गंगा मिशन ने राज्य सरकारों, विशेषज्ञों, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय लोगों से बेहतर तालमेल बनाने में सफलता पाई है।

राजद प्रत्याशी रोहिणी समर्थक और स्थानीय लोगों में झड़प के बाद उपजा तनाव

छपरा का भिखारी ठाकुर चौक से पांच किलोमीटर तक पुलिस छावनी में तब्दील

- छपरा गोलीकांड में घायल लोगों से पूर्व सांसद पप्पू यादव ने पीएमसीएच में मुलाकात की
- 23 मई की रात 9बजे तक इंटरनेट सेवा पर पूरी तरह से रोक लगी हुई है।

केटी न्यूज/छपरा



भिखारी ठाकुर चौक पर छपरा में गोलीकांड के दुसरे दिन भी पुलिस की भारी तैनाती है। 20 मई को पांचवें चरण के मतदान के दौरान छपरा के मुफस्सिल थाने में दो गुटों के बीच जमकर पत्थरबाजी और मारपीट का मामला सामने आया। छपरा में आरजेडी और बीजेपी समर्थकों के बीच झड़प में एक युवक की मौत हो गई है। जबकि, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटनास्थल से 5 किलोमीटर एरिया पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है। पैरा मिलिट्री बल को भी सुरक्षा में लगाया गया है। शहर में सभी आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है। बताया जा रहा है कि मतदान के अंतिम समय में राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य तेलपा के बूथ पहुंची थीं। किसी बात को लेकर रोहिणी समर्थक और स्थानीय लोगों में झड़प हो गई। इसके बाद दोनों एक-दूसरे पर टूट पड़े। दोनों गुट बीजेपी और राजद समर्थक बताया जा रहे हैं। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेलपा की है। घटनास्थल और पीड़ित परिवार के गांव की ओर जानेवाले रास्ते पर लोगों की सघन जांच कर-के जाने दिया जा रहा है।आम जनजीवन सामान्य हो रहा है।पीड़ित परिवार के लोग दोषियों की गिरफ्तारी को लेकर मांग कर रहे हैं। हालांकि बुधवार भी शहर में इंटरनेट सेवा बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। छपरा गोलीकांड में घायल लोगों से पूर्व सांसद पप्पू यादव ने पीएमसीएच में मुलाकात की। इसके बाद घायलों की स्थिति के संबंध में डॉक्टरों से भी बात की। पप्पू यादव ने कहा कि चुनाव के दौरान हिंसा होना बहुत गलत है। प्रशासन को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। जल्द से जल्द उपद्रवियों की गिरफ्तारी होनी चाहिए।छपरा एसपी गौरव मंगला ने बताया कि मामले में 3 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पहला मृतक चंदन कुमार के परिवार के बयान पर दर्ज किया गया है। दूसरा एफआईआर रोड़ेबाजी और मारपीट को लेकर हुआ है। तीसरा एफआईआर सोशल मीडिया में भड़काऊ पोस्ट को लेकर किया गया है। हत्या के मामले में 12 लोगों को नामजद करते हुए 50 अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। इनमें से पुलिस ने 2 लोगों रामाकांत सिंह और रविकांत सिंह को अरेस्ट किया है। दोनों ही तेलपा इलाके के रहनेवाले हैं। उनके पास से लाइसेंसी राइफल और जिंदा गोली भी जब्त हुई है। पीड़ित परिवार के लोग दोषियों की गिरफ्तारी को लेकर मांग कर रहे हैं। घटनास्थल से खोखे भी जब्त हुए हैं। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल की जांच की है। पुलिस की टीम शहर के चप्पे-चप्पे में पेट्रोलिंग कर रही है। सारण जिले की मुस्तैदी बढ़ा दी गई है। पुलिस मुख्यालय से आदेश मिलने के बाद पूरे जिले में 23 मई की रात 9बजे तक इंटरनेट सेवा पर पूरी तरह से रोक लगी हुई है। इंटरनेट से अफवाह ना फैले इसलिए इसे बैन किया गया है। छपरा कांड पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि रोहिणी आचार्य के साथ घूमने वाले पुलिस बल की जांच होगी। जांच के बाद पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। लालू और राबड़ी के अंगरक्षक रोहिणी के साथ कैसे घूम रहे थे। पूरे मामले की जांच की जाएगी और कार्रवाई होगी। सम्राट ने कहा कि रोहिणी ने बूथ पर लोगों को भड़काने का काम किया है। वहीं, मीसा भारती पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वो पाटलिपुत्र में पुलिस बल लेकर घूम रही हैं। किस हैसियत से पुलिस बल लेकर घूम रही हैं। पूरे मामले की जांच की जाएगी।

बोले पवन सिंह....महाभारत में अभिमन्यु अकेला था और आज भी अकेला है, चल रही हराने की साजिश

केटी न्यूज/पटना



भोजपुरी स्टार पवन सिंह को बीजेपी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। प्रदेश मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा ने एक चिट्ठी जारी की है। बुधवार 22 मई को पार्टी की ओर से कार्रवाई का पत्र जारी हुआ है। चिट्ठी में उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव में आप एनडीए के अधिकृत प्रत्याशी के विरूद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। आपका यह कार्य दल विरोधी है।जारी किए गए पत्र में साफ कहा गया है कि पवन सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव लड़कर पार्टी अनुशासन के विरूद्ध आपने यह कार्य किया है। अतः आपको दल विरोधी इस कार्य के लिए माननीय प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार पार्टी से निष्कासित किया जाता है। कुछ दिनों पहले ही बीजेपी के नेता प्रेम कुमार ने चेतावनी दी थी कि पवन सिंह के खिलाफ पार्टी कार्रवाई कर सकती है। अब बीजेपी ने पवन सिंह के खिलाफ एक्शन ले लिया है। बिहार की काराकाट लोकसभा सीट से पवन सिंह निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कई बार पीएम मोदी के खिलाफ भी बयान दिया है। काराकाट लोकसभा सीट पर सातवें चरण में एक जून को वोटिंग होनी है। यहां से एनडीए से उपेंद्र कुशवाहा प्रत्याशी हैं। महागठबंधन से राजा राम कुशवाहा मैदान में हैं तो वहीं पवन सिंह ने निर्दलीय एंट्री मारकर एनडीए की टेंशन बढ़ा दी है। इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला हो रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में पवन सिंह को बीजेपी ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल से प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के अगले ही दिन पवन ने खुद से बीजेपी का टिकट लौटा दिया था। इसके बाद पवन सिंह ने बिहार के काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरने का फैसला कर लिया। पवन सिंह लगातार काराकाट में प्रचार में जुटे हैं। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पवन सिंह का नॉमिनेशन रद्द ना हो इसलिए उन्होंने खुद के साथ अपनी मां प्रतिमा देवी का भी नॉमिनेशन काराकाट सीट से कराया था। वहीं पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपनी बात रखी है। पवन सिंह ने अपने पोस्ट में लिखा है कि कल भी महाभारत में अभिमन्यु अकेला था और आज भी अकेला है। भगवान कृष्ण और पांडवों के होते हुए, चक्रव्यूह में घेरकर राक्षसों ने उसे मारा था। आज भी रण में अभिमन्यु अकेला है। लेकिन जनता उसके साथ है। इसके साथ एक अन्य पोस्ट में पवन सिंह ने लिखा है कि अपना कर्तव्य हम निभायेंगे, काराकाट को नया बनायेंगे। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार के नाम से प्रसिद्ध अभिनेता व सिंगर पवन सिंह ताराकाट से निर्दलीय लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। पवन सिंह को लोकसभा चुनाव के बीच बीजेपी

चर्चित आईपीएस राकेश दुबे का सरकार ने लिया निलंबन वापस

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है, जिसके तहत एक आईपीएस अधिकारी राकेश कुमार दुबे को निलंबन से मुक्त कर दिया है। अब गृह विभाग से पत्र जारी किया है। आईपीएस अधिकारी राकेश कुमार दुबे उस समय भोजपुर के एसपी थे, जब उनपर उनपर बालू के अवैध खनन और बालू माफियाओ से साठगांठ रखने के आरोप लगे थे। इसी आरोप की वजह से बिहार सरकार ने राकेश कुमार दुबे लगभग पौने तीन वर्षो से निलंबित रखा। राकेश कुमार दुबे के निलंबन अवधि की पुनः 180 दिन बढ़ाने का निर्णय लिया था जो 10 जुलाई 2024 को समाप्त हो रहा था, जिसे कैट ने अपने आदेश में रद कर दिया था।

चुनाव ड्यूटी के बीच हथियार समेत गायब हुई महिला सिपाही : एसपी ने भेजी रिपोर्ट

केटी न्यूज/सीतामढ़ी

सीतामढ़ी से एक आश्चर्यचकित कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां लोकसभा चुनाव की ड्यूटी पर सीतामढी के लिए निकली समस्तीपुर की महिला सिपाही सुभांती कुमारी हथियार समेत लापता हो गई है। इस बात की जानकारी सीतामढ़ी के एसपी ने समस्तीपुर के एसपी को दी है। जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सीतामढी एसपी की यह रिपोर्ट जिला पुलिस को मिलने के साथ ही समस्तीपुर पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया है। विभाग की जानकारी के अनुसार सिपाही नंबर 443 सुभांती कुमारी घटहो थाने में डायल-112 में तैनात थी। वह पांचवें चरण के मतदान में 16 मई को समस्तीपुर से सीतामढ़ी ड्यूटी के लिए अपने सामान और हथियार के साथ रवाना हुई थी। लेकिन उसने बिना किसी सूचना के अबतक वहां अपना योगदान नहीं दिया है। सीतामढी के एसपी ने



बोले मुकेश सहनी..महंगाई-बेरोजगारी-गरीबी जैसे मुख्य मुद्दे छोड़ हिंदू-मुस्लिम-भारत-पाकिस्तान पर बोल रहे प्रधानमंत्री

केटी न्यूज/पटना



विकासशील इंसान पार्टी और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने आज चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश मोदीजनित समस्याओं से पीड़ित है। सही अर्थों में देश आज उन्हीं समस्याओं से जूझ रहा है जो 10 साल में उत्पन्न किए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री महंगाई-बेरोजगारी-गरीबी जैसे मुख्य मुद्दे को छोड़ हिंदू-मुस्लिम-भारत-पाकिस्तान पर बोल रहे हैं। मुकेश सहनी आज मोतिहारी, सीवान, बेतिया, गोपालगंज एवं मुजफ्फरपुर में चुनावी प्रचार करने के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी अपने चरम पर पहुंच चुकी है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेहद गैर जिम्मेदाराना रूप से असल मुद्दों से इतर हिन्दू मुसलमान और भारत पाकिस्तान के मुद्दों पर इस चुनाव में प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे हर साल दो करोड़ रोजगार, किसानों की आय दुगुनी और महंगाई नियंत्रण के वादे किए थे आज चुनाव प्रचार में जनता उनके प्रयासों को जानना चाहती है। उन्होंने अग्निवीर योजना की चर्चा करते हुए कहा कि यह योजना युवाओं की बेरोजगारी पर नीम पर करैला साबित हो रहा है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि अग्निवीर योजना को भी कांग्रेस के शासन में आते ही खत्म किया जाएगा और सामान्य बहाली प्रक्रिया के तहत भर्ती नियम को बनाया जाएगा। सन ऑफ मल्लाह के नाम से चर्चित मुकेश सहनी ने लोगों से महागठबंधन के प्रत्याशियों को विजई बनाने की अपील करते हुए कहा कि जब तक गरीबों की सरकार नहीं बनेगी तब तक गरीबों, पिछड़ों का कल्याण नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि

बक्सर में जाप नेताओं ने दिया बसपा प्रत्याशी अनिल को दिया समर्थन

♦ कहा -बक्सर की जनता बदलाव के लिए अनिल कुमार को करेगी वोट

केटी न्यूज/बक्सर

बहुजन समाज पार्टी के बक्सर प्रत्याशी अनिल कुमार को समर्थन देते हुए बुधवार को जाप कार्यकताओं ने शहर के गोयल धर्मशाला में एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर जाप के बक्सर जिला इकाई के सैकड़ों समर्थक एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। मिलन समारोह में सभी ने समर्थन देते हुए बसपा के प्रत्याशी अनिल कुमार को जीताने की अपील की। वही, बसपा प्रत्याशी को रामचंद्र सिंह यादव के द्वारा चांदी का मुकुट एवं जाप की जिला कमिटी के द्वारा माला पहना कर जीत सुनिश्चित करने के लिए कदम से कदम मिलाकर चुनाव जीताने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील यादव ने किया। पूर्व विधायक रामचंद्र सिंह यादव ने कहा



भाजपा प्रत्याशी सापनाथ है तो राजद प्रत्याशी नागनाथ है और कुछ निर्दलीय प्रत्याशी गिरगिट है। इसलिए असली संविधान के रक्षक बाबा साहब के विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने वाली बहन मायावती और बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करते हुए भारी से भारी मतों से बक्सर से अनिल कुमार को जीताकर संसद भवन पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा की इस बार बक्सर में बाहरियों का किला ढहेगा और बहुजन समाज पार्टी विकसित बक्सर बनाने को आगे बढ़ेगी। मौके पर अनिल कुमार ने कहा कि पप्पू यादव का बहुत बड़ा सपोर्ट है और निश्चित रूप से बक्सर बहुजनों का होगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है की यह सामंतवाद और मनुवाद की जो लड़ाई है इस लड़ाई को कुचलने की जरूरत है। और यह तभी कुचला जा सकता है जब बहुजन समाज पार्टी यहां से जीतेगी। उन्होंने कहा की जो महागठबंधन के जो उम्मीदवार है वो विधायक भी रहे है। यह इतने लूटने के आदि हो गए है की वो हर परियोजना को लूटने का काम किया है। मौके पर बसपा प्रदेश महासचिव अभिमन्यु कुशवाहा, जिलाध्यक्ष सुभाष गौतम, जाप जिलाध्यक्ष सुनील यादव, कोचस प्रमुख लाल साहब यादव, उपेंद्र यादव, पिंटू

खबरें फटाफट

डीजे गाड़ी के नीचे दबने से एक की मौत

नावानगर। सोनवर्षा ओपी के कड़सर गांव में खुशी का माहौल एक पल में मातम में बदल गया। मंगलवार की रात आई बारात में डीजे की गाड़ी के नीचे दबने से वर पक्ष के एक रिश्तेदार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिनकी मौत इलाज के दौरान बुधवार को हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मणिया पंचायत अंतर्गत डिहरी गांव के स्व. ध्रुप महतो के बेटे की बारात कड़सर गांव निवासी बिहारी महतो के घर आई थी। बारात आने के बाद बैण्ड बाजा के साथ पिकअप वाहन पर लदे डीजे के पीछे-पीछे बाराती द्वार पूजा के लिए जा रही थी। जिसके नीचे दबने से वर पक्ष के एक रिश्तेदार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस संबंध ने सोनवर्षा ओपीध्यक्ष निशा रानी ने बताया की घटना के संबंध में चौकीदार द्वारा बताया गया था। साथ ही जख्मी के मौत होने के भी सूचना मिली है, पर किसी के द्वारा अभी तक कोई आवेदन नहीं दिया गया है।

रैली निकाल, चलाया गया जागरूक

बक्सर। आगामी एक जून को बक्सर लोकसभा संसदीय क्षेत्र का चुनाव कराया जाना है। इसी कार्यक्रम के तहत चौसा नपं द्वारा स्वच्छता पदाधिकारी मो. अरसद अख्तर व चेयरमैन किरण देवी के नेतृत्व में नपं कर्मियों व वार्ड पार्षदों ने नगर पंचायत में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। जागरूकता रैली निकाल

सभी प्रत्याशियों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए ईवीएम चेक करने के समय

रेंडमाइजेशन से सुनिश्चित होती है ईवीएम की पारदर्शिता: डीएम अंशुल अग्रवाल

♦ प्रेक्षक व निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में किया गया ईवीएम का द्वितीय रेंडमाइजेशन

केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को बक्सर संसदीय क्षेत्र की चुनाव प्रेक्षक व भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी एके जॉय की अध्यक्षता में एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवा की उपस्थिति में ईवीएम का द्वितीय रेंडमाइजेशन समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। जिसमें बक्सर लोक सभा क्षेत्र के सभी प्रत्याशियों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि किसी भी समस्या से निवार्ची पदाधिकारी को अवगत कराएंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा रेंडमाइजेशन की पूरी प्रक्रिया के बारे में सभी को विस्तार से समझाते हुए बताया गया कि इस प्रक्रिया के तहत ईवीएम के मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। प्रथम रेंडमाइजेशन में ईवीएम को विधान सभावार एलॉट किया गया था। वहीं दूसरे रेंडमाईजेशन से मशीनों को बूथवार चिन्हित किया गया है। प्रथम रेंडमाइजेशन के बाद मशीनों को पृथक एवं स्कैन कर संबंधित विधानसभा के डिस्पैच सेंटर पर भेज दिया गया है एवं उनका बूथवार चिन्हित कर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के पर्यवेक्षण में कमिश्निंग का कार्य किया जाएगा। इस दौरान लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सभी राजनैतिक दलों व निर्दलीय प्रत्याशियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।इपीक के अभाव में उपयोग किए जाने वाले वैकल्पिक फोटो दस्तावेत भारतीय पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राज्य व केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों व पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये



डुमरांव विधानसभा के 50 फीसदी मतदान केंद्रों पर होगी वेबकास्टिंग



डुमरांव। बक्सर लोकसभा क्षेत्र में एक जून को मतदान होंगे, लेकिन इसकी तैयारियां डुमरांव अनुमंडल प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर चल रही है। अनुमंडल प्रशासन ने 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों का लाइव वेबकास्ट कराने की तैयारियों में है। इसके लिए कैमरे लगाए जाएंगे। मतदान केंद्रों की निगरानी तीसरी आंख से होगी। मतदान से मतगणना प्रक्रिया की निगरानी कैमरों के जरिये की जाएगी। इसके जरिये मतदान की लाइव वेबकास्ट होगी। दरअसल, बीते दिनों चुनाव आयोग ने 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों की लाइव वेबकास्ट करने का निर्देश दिया था। इसके मद्देनजर तैयारियां की जा रही है। लोकसभा अंतर्गत जिन मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग की जाएगी, उनमें सभी संवेदनशील मतदान केंद्र शामिल किए गए हैं। इसके अलावे विधानसभा की 50 फीसदी मतदान केंद्र वेबकास्टिंग में शामिल किए गए हैं। पुलिस-प्रशासन द्वारा मतदान केंद्र का पिछला रिकॉर्ड देखते हुए भौतिक सत्यापन किया गया है। सीसीटीवी कैमरे लगाकर



पलिया में संध्या चौपाल लगा प्रशासन ने मतदाताओं को किया जागरूक

चौसा। बक्सर संसदीय क्षेत्र में मतदान प्रतिशतता बढ़ाने के लिए मंगलवार की शाम उपविकास आयुक्त डा. महेंद्र पाल द्वारा चौसा प्रखंड के पलिया पंचायत में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान रंगोली के माध्यम से मतदाताओं को जागरूकता का संदेश दिया गया। वही कैंडल जलाई गई साथ ही शत-प्रतिशत वोट देने की शपथ दिलाई गई। उपविकास आयुक्त द्वारा उपस्थित लोगों खासकर महिलाओं से लोकतंत्र के महापर्व में बढ़ चढ़कर मतदान करने का अपील की। कहा कि घर के बहु भी ए बार घर के चौखट लांघ करके वोट देबे जाए के बा वही, उन्होंने मतदान के दिन मतदान केंद्र पर मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि वैसे मतदाता जो 85 वर्ष से अधिक हैं, अथवा दिव्यांग है और मतदान केंद्र पर जाने में असक्षम है तो ऐसे मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट की सुविधा प्रदान की गई है,

गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, अधिकारिक पहचान पत्र (सांसदों, विधायकों या विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र), बैंकों या डाकघरों द्वारा जारी किये गये फोटोयुक्त पासबुक, पैन कार्ड (आयकर पहचान पत्र), आरजीआई एवं एनपीआर द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र यूडीआईडी कार्ड), फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज एवं आधार कार्ड है। निर्वाचक फोटो पहचान पत्र में लेखन, अशुद्धि, वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजर अंदाज कर देना चाहिए। बशर्ते मतदाता की पहचान सुनिश्चित की जा सकें। प्रवासी निर्वाचकों को दिखाना होगा मूल

एक नजर

फांसी लगाने वाले युवक की शिनाख्त

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव से पश्चिम स्थित बागीचे में शनिवार की शाम मिले युवक के शव की शिनाख्त हो गई है। वह, उत्तर प्रदेश के कोरंटाडीह थाना के कोटवा नारायणपुर गांव के वीरागन राईन के रूप में हुई है। मृतक के भाई चिरागन राईन ने उसकी शिनाख्त की। शव की शिनाख्त करने के बाद मृतक के भाई ने बताया कि वह अंडा बेच आजीविका चलता था तथा पिछले कुछ महीनों से आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। हालांकि, वह अपने गांव से पुराना भोजपुर कैसे आया तथा क्यों फांसी लगा लिया, इस संबंध में भाई कुछ नहीं बता सका। बताया जाता है कि मृतक एक पुत्र व एक पुत्री है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। पत्नी तथा बच्चों का रो रोकर बुरा हाल है। गौरतलब है कि शनिवार की शाम उसका शव उक्त बागीचे में पेड़ से लटकता मिला था। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम करा पहचान के लिए सुरक्षित रख लिया था। पहचान होने के बाद पुलिस ने शव उसके भाई को सुपुर्द कर दिया। रोते विलखते परिजन शव लेकर वापस अपने गांव गए।

नींद में सोए युवक पर कुल्हाड़ी से हमला



डुमरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के छठिया पोखरा के पास मामूली बात पर एक युवक ने दूसरे युवक पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में उक्त युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन फानन में उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचा गया। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जख्मी युवक पहचान नगर के वार्ड 30 अंतर्गत महादेवदत्त की गली निवासी शिवशंकर गोंड का पुत्र आरसी साह है। मिली जानकारी के अनुसार छठिया पोखरा की बंदोबस्ती करने वाले हरेन्द्र सिंह उसे पोखरा की देख रेख के लिए रखे थे। वह पोखरा के पास बने टीन शेड में रहता था। देर शाम वह उसी टीन शेड में सो रहा था कि पति कुर्मी की गली निवासी भिखारी प्रसाद अचानक उसके उपर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना को कोई ठोस कारण अबतक सामने नहीं आया है। वही, इस संबंध में जख्मी युवक की मां कुसुम देवी की शिकायत पर डुमरांव थाने में भिखारी प्रसाद के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष अनिशा राणा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताई कि मामले की जांच की जा रही है।



मन में है मोदी, मत में कराना है कनवर्ट: मिथिलेश

डुमरांव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर घर लोगों के मन में है, उसे मत में कनवर्ट कराने का प्रयास कार्यकताओं को करना है। यह चुनाव देश की दिशा तय करने वाला है। प्रधानमंत्री ने इस बार जो 400 पार का लक्ष्य दिया उसे पूरा एनडीए के सभी कार्यकर्ता का दायित्व है। उक्त बातें बक्सर संसदीय सीट से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने बुधवार को कही। वे डुमरांव में एनडीए के विधानसभा स्तरीय कार्यालय का उद्घाटन करने आए थे। उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में उन्होंने एनडीए कार्यकताओं का उत्साह वर्द्धन किया और कहा कि बक्सर की जनता को जो अपार प्यार व दुलार मिल रहा है, उससे इस बार चार सौ पार का नारा साकार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम विरोधियों को चारे खाने चित कर देने वाला होगा। उन्होंने कहा कि शाहाबाद की चारों, बिहार की सभी 40 तथा देश में 400 से अधिक सीटें एनडीए को मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद बक्सर के आध्यात्मिक गौरव को लौटाया जाएगा तथा यहां रोजगार व टुरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि यह प्रभु श्रीराम की शिक्षा स्थली रही है, इसका विकास भी आयोध्या व वाराणसी के तर्ज पर किया जाएगा तथा बक्सर में त्रेता युग की वापसी कराई जाएगी। इसके पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार व जयकारे के बीच फिता काट तथा दीप प्रज्जवलित कर विधानसभा स्तरीय कार्यालय का उद्घाटन किया। मौके पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विंध्याचल राय, पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार सिंह, जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय, विजय मिश्र, भाजपा नगर अध्यक्ष चुनमुन प्रसाद वर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार उर्फ बब्लू पाठक, विंध्याचल पाठक, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष शीला त्रिवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष पिंकी पाठक, प्रतिभा सिंह, प्रो. श्याम नारायण राय, युवा मोर्चा के प्रांतीय नेता दीपक यादव, नीरज सिंह, शक्ति राय, सोनू राय, राजीव कुमार भगत, राष्ट्र सेविका समिति की ओम ज्योति भगत, वंदना भगत, जदयू की प्रिती पटेल, महिला विंग की नगर अध्यक्ष कुसुम देवी, दिनेश सिंह, बिरेन्द्र

आज नावानगर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, तैयारी पूरी

केटी न्यूज/नावानगर

सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरूवार को नावानगर में बक्सर संसदीय क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। उनकी सभा नावानगर हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित की गई है। जहां, वे हेलीकाप्टर से आएंगे। पूर्व संध्या पर डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार व जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश महासचिव विनोद ने बताया कि बिहार के विकास पुरूष एनडीए प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी के पक्ष में सभा करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके चुनावी सभा की तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के



आगमन से एनडीए कार्यकताओं का उत्साह बढ़ गया है। वही उन्होंने कहा कि इस चुनावी सभा के बाद बक्सर सीट से एनडीए प्रत्याशी के रिकार्ड मतों से जीत पर मुहर लग जाएगी। विनोद की मानें तो मुख्यमंत्री की पहचान विकास पुरूष के रूप में है। निश्चित ही उनके सभा का विशेष लाभ एनडीए प्रत्याशी को मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सभा में एनडीए के सभी घटक दलों के नेताओं के साथ ही हजारों भीड़ उमड़ेगी।

इटाढ़ी बाजार से शातिर अपराधी

इटाढ़ी। दो दिन पहले इटाढ़ी पुलिस द्वारा बसाव खुर्द में जिस अपराधी को गिरफ्तार करने के लिये छापेमारी किया गया था, उसे बुधवार को इटाढ़ी बाजार से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसकी तलाशी में पुलिस ने उसके पास से केवल दो जिंदा कारतूस व मोबाइल बरामद कर पाई। हालांकि, दो दिन पहले रेड में वह देशी कट्टा फेंक भाग गया था। जहां पुलिस ने देशी कट्टा बरामद करते हुए उसे तलाश कर रही थी। थाना प्रभारी रविकांत ने बताया लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए अपराधी व तस्करों की धर-पकड़ की जा रही है। जिसके तहत सोमवार को पुलिस ने इटाढ़ी थाने के बसाव खुर्द का रहने वाला कुलदीप भर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने गए थी, जहा

पूरे देश में एनडीए के पक्ष में चल रही है जबर्दस्त लहर : विनोद तावड़े

♦ प्रदेश प्रभारी ने कार्यकताओं को दिया जीत का मंत्र, पुराने कार्यकताओं को भी पार्टी के काम में लगाने को कहा

केटी न्यूज/बक्सर



भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रभारी सह राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने बुधवार को वैष्णवी क्लार्क होटल बक्सर में लोकसभा स्तरीय कार्यकताओं के साथ एक बैठक की। इस बैठक में बक्सर संसदीय क्षेत्र के सभी छह विधानसभा के मंडल स्तर तक के कार्यकर्ता तथा जिला पदाधिकारी शामिल थे। प्रदेश प्रभारी तावड़े ने सभी कार्यकताओं को चुनाव जीतने के टिप्स दिया। उन्होंने मंडल स्तर तक के सभी पुराने कार्यकताओं तथा पूर्व पदाधिकारियों को भी पार्टी के कामों से जोड़ने की बात कही। वही, उन्होंने किस विधानसभा में कितने बुथ, कितने शक्ति केंद्र बनाए गए है इसकी विधानसभा वार समीक्षा की। बैठक में मुख्य रूप से विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह जिला अध्यक्ष भाजपा, अनिल स्वामी लोकसभा प्रभारी, अशोक भट्ट लोकसभा क्षेत्रीय पदाधिकारी, राजवंश सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष, संजय दत्त, संतोष पटेल जिला प्रभारी, अशोक सिंह पूर्व विधायक रामगढ़ तथा

प्रसव के बाद लाभुकों के घर जाकर 42 दिनों तक नवजात की देखभाल करती हैं आशा

संस्थागत प्रसव से होने वाले शिशुओं के लिए एचबीएनसी साबित हो रहा है वरदान

♦ शिशु की तबियत खराब होने पर एसएनसीयू में किया जाता है रेफर

केटी न्यूज/बक्सर

प्रसव के मामलों में जच्चा व बच्चा को स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ दिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध है। न केवल प्रसव के दौरान बल्कि प्रसव के बाद भी जच्चे और बच्चे की देखभाल के लिए स्वास्थ्य विभाग विभिन्न प्रकार की सेवाएं संचालित कर रहा है। संस्थागत प्रसव के मामलों में शुरूआती दो दिनों तक मां और नवजात का ख्याल अस्पताल में रखा जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि शिशुओं के लिए जन्म के शुरूआती 42 दिन अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान उचित देखभाल के अभाव में शिशु के मृत्यु की संभावना अधिक होती है। इस क्रम में गृह आधारित नवजात देखभाल (एचबीएनसी) साबित हो रहा है। इस कार्यक्रम के तहत संस्थागत प्रसव के साथ साथ गृह प्रसव दोनों स्थितियों में आशा घर जाकर 42 दिनों तक नवजात की देखभाल करती है।

शिशुओं में होने वाली जटिलताओं का भी चलता है पता

सदर प्रखंड अंतर्गत पांडेय पट्टी की आशा मालती देवी ने बताया कि एचबीएनसी कार्यक्रम के कारण जन्म के बाद शिशुओं में होने वाली जटिलताओं का भी पता चलता है।



इसका समय पर इलाज संभव हो पाता है। कार्यक्रम के तहत आशाएं संस्थागत एवं गृह प्रसव दोनों स्थितियों में गृह भ्रमण कर नवजात शिशु की देखभाल करती है। एचबीएनसी के दौरान आशा सात बार (जन्म के एक, तीन, सात,14, 21, 28 एवं 42 वें दिन) गृह भ्रमण करती हैं। वहीं, एसएनसीयू से छुट्टी पाने वाले शिशुओं के लिए अतिरिक्त भ्रमण किए जाते हैं। वहीं, किसी परिस्थिति में अगर शिशु की तबियत खराब होती है तो शिशु को सिक न्यू बॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में रेफर किया जाता है। साथ ही, शिशुओं की माताओं को नवजात शिशु की देखभाल करने के बारे में बताया जाता है। उन्होंने बताया कि बच्चे की नाभि पर कोई तेल इत्यादि नहीं लगाना है। बच्चे को कैसे सर्दी से बचाना है एवं हाथों को साफ करने के बाद ही स्तनपान कराने कर जानकारी दी जाती है।

तबियत बिगड़ने पर एसएनसीयू में किया जाता है भर्ती

एसीएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि शिशु का वजन जन्म के समय 1800 ग्राम से कम या समय से पूर्व जन्में शिशु को एसएनसीयू में भर्ती किया जाता है। वहीं, गृह भ्रमण के दौरान यदि आशा को शिशु छूने पर ठंडा या गरम लगे, आंख और शरीर पीला या शरीर नीला दिखता हो, सांस लेने में परेशानी हो, स्तनपान में कठिनाई, त्वचा पर दस से अधिक फुंसियां या फिर एक बड़ा फोड़ा दिखाई दे, सांस तेज चलती हो, या छाती धंसी लगे, नवजात सुस्त-बेहोश लगे, दौरा पड़ता हो, पेट फूला लगे, दस्त या पेचिश हो, किसी अंग से रक्तस्राव, कटा-फटा होंठ, चिपका तालू, सर में गांठ दिखे तो उन्हें तुरंत एसएनसीयू में भर्ती कराया जाता है। यहां उनकी अधिक देखभाल करने की आवश्यकता होती है।

कठार ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी की इलाज के दौरान मौत

♦ 2012 में कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव में गोली मार की गई थी हत्या, कोर्ट ने सुनाया था आजीवन कारावास की सजा

केटी न्यूज/बक्सर

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव में वर्ष 2012 में हुए चर्चित ट्रिपल मर्डर के मुख्य आरोपी तथा आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे चंद्रशेखर सिंह की जेल में मौत हो गई है। उनका निधन बुधवार को हुआ है। जानकारी के अनुसार उनकी तबीयत खराब चल रही थी। पुलिस अभिरक्षा में उन्हें इलाज के लिए पटना ले जाया गया था। पटना से लौटने के दौरान ही रास्ते में हॉर्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। बक्सर जेल प्रशासन ने उनकी मौत की पुष्टि की है। जानकारों की मानें तो अभी कुछ दिन पहले ही वे अपनी छोटी बेटी की शादी किए थे, जिसमें पे रोल पर बाहर आए थे। गौरतलब है कि 30 जनवरी 2012 को कठार गांव के पूरब बधार स्थित खलिहान में आग तापने के दौरान पुआल की राख उड़ने से शुरू हुए विवाद में तीन लोगों की गोली मार हत्या कर दी गई थी। घटना में कठार के सच्चिदानंद तिवारी, बबन तिवारी व मिंटू तिवारी को गोली लगने से मौत हुई थी। मामले में पीड़ित पक्ष ने चंद्रशेखर सिंह समेत उनके परिवार के अन्य लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया था। कोर्ट ने साक्ष्यों के आधार पर चंद्रशेखर सिंह

जमीन विवाद में बदमाशों ने बाइक मैकेनिक को मारी गोली, हालत गंभीर

- उदवंतनगर थाना क्षेत्र में असनी पुल के समीप मंगलवार की देर शाम की घटना
- जख्मी मैकेनिक का बाबू बाजार निजी अस्पताल में कराया जा रहा इलाज

केटी न्यूज/आरा

उदवंतनगर थाना क्षेत्र के असनी पुल के समीप मंगलवार की देर शाम जमीन विवाद में बदमाशों द्वारा एक बाइक मैकेनिक को गोली मार दी गयी। गोली दाहिने साइड पीठ में लगी है, जो फंसी हुई थी। जख्मी मैकेनिक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गढ़हा गांव निवासी स्व. कृष्णा सिंह का 25 वर्षीय पुत्र मुनन कुमार है। वह असनी बाजार स्थित एक बाइक गैराज में काम करता है। उसका इलाज बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और जख्मी युवक से घटना की जानकारी ली। मुनन कुमार ने बताया कि गढ़हा गांव में उसकी ढाई बिगहा जमीन है। उसको लेकर वर्ष 2022



में एक युवक से झगड़ा भी हुआ था। उसी समय से उनसे विवाद चला आ रहा है। मंगलवार की शाम वह जीरो माइल स्थित ऑटो केयर में बाइक बनाने गया था। बाइक बनाने के बाद वह अपने भाई के साथ पैदल वापस गांव लौट रहा था। उसी दौरान असनी पुल के बाइक पर सवार तीन बदमाश पहुंचे और उसकी जमकर पिटाई की। उस पर उसने भागने की कोशिश की, तो बदमाशों ने उसे पीछे से गोली मार दी। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां इलाज के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया। हालांकि उसके परिजन बाबू बाजार स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल ले गये। वहां उसका पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एक नजर

25 को मोदी 26 को जेपी नड्डा 28 को अमित शाह करेंगे काराकाट लोकसभा में जनसभा

काराकाट(रोहतास)।आगामी 25 मई को आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी सभा को लेकर निर्धारित स्थल सूअरा हवाई अड्डा डेहरी में डीआईजी नवीन चंद्र झा, डीएम नविन कुमार, एसपी विनीत कुमार, एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह,एएसपी/एसडीपीओ शुभांक मिश्रा ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभा स्थल का निरीक्षण किया । बुधवार को जहां



सुरक्षा से जुड़े कई अधिकारियों द्वारा सभा स्थल सहित हवाई अड्डा के प्रवेश और निकासी द्वार पर गहन चर्चा कर निरीक्षण किया गया। काराकाट लोकसभा प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने आरएलएम के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी, आरएलएम के रोहतास जिला अध्यक्ष कपिल कुमार, भाजपा महामंत्री संजय गुप्ता एवं एनडीए कई पदाधिकारी के साथ हवाई अड्डा पर पहुंचकर सभा स्थल का मुआयना किया एवं मौजूद अधिकारियों से बातचीत की। लोकसभा प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने दावा किया कि पिछले कार्यक्रमों के मुकाबले इस बार ज्यादा भीड़ को देखते हुए सभा स्थल और कार्यक्रम स्थल पर बारीकी से काम किया जा रहा है । देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 मई को डेहरी के सुअरा हवाई अड्डे पर जनसभा को संबोधित करेंगे । वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार साहित भाजपा के कई दिग्गजों का भी काराकाट में आगमन होगा । 25 को नरेंद्र मोदी 26 को जेपी नड्डा 28 को अमित शाह भी काराकाट लोकसभा क्षेत्र में जनसभा कर जनता को संबोधित करेंगे एवं उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में वोट देने का अपील करेंगे । काराकाट विधानसभा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए के नेताओं ने काराकाट लोकसभा के द्वारा फिर एक बार मोदी साकार 400 पर के संकल्प को पूरा करने में कोई कोताही नहीं बरती जा आएगी ।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर में पुश बटन के माध्यम से मीटर को खुद ही री-कनेक्ट कर सकेंगे उपभोक्ता

बिक्रमगंज(रोहतास)। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं तथा प्रीपेड मीटर में एक पुश बटन है । जिन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या होगी वहां के उपभोक्ता इसके जरिए मीटर को खुद ही री-कनेक्ट कर सकेंगे और उनकी बिजली आपूर्ति सुचारू रहेगी । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि स्मार्ट मीटर हेतु बिजली खपत और बैलेंस की जानकारी के लिए अलग मोबाइल एप्प होगा । उपभोक्ता इस एप्प को मोबाइल में डाउनलोड करेंगे तथा बैलेंस समाप्त होने पर उपभोक्ता बिहार बिजली स्मार्ट मीटर एप के माध्यम से रिचार्ज करेंगे और मीटर को री-कनेक्ट करेंगे । ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए जाने वाले स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नॉन कम्युनिकेशन में जाने पर इसे री- कनेक्ट करने के लिए पुश बटन भी दिया है । पुश बटन को 10 सेकेंड तक दबाये रखने पर इंटरनल कमांड से मीटर री-कनेक्ट होगा । यदि जो भी उपभोक्ता के मीटर में बैलेंस पॉजिटिव मे रहता है तो पुश बटन का ऑफर बचा रहता है । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज द्वारा आगे बताया गया कि बिहार राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी योजना अन्तर्गत विद्युत उपभोक्ताओं के परिसर में अधिष्ठापित पुराने मीटर को नये स्मार्ट प्रीपेड मीटर से दरवाजे के मुख्य द्वार पर अधिष्ठापन करते हुए बदलना है । यह कार्य हमारे अधिकृत व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा है । उक्त कार्यों में किसी भी उपभोक्ताओं के द्वारा बाधा उत्पन्न किया जाता है तो बिहार विद्युत आपूर्ति संहिता की धारा 8.2 एवं 8.6 (सी) के तहत्त कम्पनी हित में कर्तव्य निर्वहन का उल्लंघन मानते हुए परिसर की विद्युत आपूर्ति को बन्द करते हुए सरकारी कार्यों में बाधा डालने के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

खबरें फटाफट

एक वर्ष पूर्व चिकसील से 9 बच्चों को बहला फुसलाकर ले गया ठीकेदार, परिजनों ने कराई मामला दर्ज

काराकाट (रोहतास)। काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत चिकसील मुसहर टोला से एक वर्ष पहले 9 बच्चों को किसी ने बहला फुसलाकर शहर रोजगार का लालच देकर ले गया था । लेकिन आज एक वर्ष से ज्यादा होने को है और कोई बच्चें अपने घर वापिस नही लौट पाए है, जिससे परिजनों काफी परेशान हैं। परिजनों ने बताया कि विगत 4 माह पहले तक लड़को से बात होती थी । होली के समय ठीकदार से पैसा कि मांग किया गया उसके बाद से ही बच्चों एवम ठीकदार से संपर्क टूट गया। परिजनों ने पंचायत मुखिया से कई बार गुहार लगाई लेकिन कोई समाधान नहीं निकला । जिसके बाद परिजन हार थककर थाना पहुंच कर एक लिखित आवेदन दिया। परिजनों द्वारा दिया गया आवेदन में कहा गया है कि विगत एक वर्ष पहले दो लोग किसी शहर में कूट-काटून फैक्ट्री में रोजगार देने के लिए हमारे बच्चों को ले जाने के लिए आए थे। परिजनों ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले जिला भोजपुर के थाना आयर के गांव वर्नाव निवासी विमल राम मुसहर व जिला भोजपुर के ही अगिआंव थाना के जमुआव गांव निवासी दिनेश यादव नाम के दो लोग चिकसील मुसहर टोला आये और काम काज के लिए हमारे बच्चों को ले जाने की बात कहि लेकिन मुसहर टोला के किसी भी परिजनों को उन पर विश्वास नहीं हुआ तब मुसहर टोला का ही रहने वाला राजेश कुमार पिता रामनाथ राम उम्र करीब 35 वर्ष ने कहा कि हम इस व्यक्ति को अच्छी तरह से जानते और पहचानते हैं आप लोग अपने लड़का को काम पर भेज दीजिए इसकी पूरी जी मेरी मैं लेता हूं । वही राजेश कुमार के झांसे में आकर हम सब ने अपने बच्चों को उन दोनों व्यक्तियों के साथ काम के लिए शहर भेज दिया । जब इस पर ठीकेदार सहयोगी राजेश कुमार से पूछताछ की गई तो बताया की 12 बच्चों को मेरे सहयोग से कार्टून कंपनी में काम करने के लिए शहर भेजा गया था जिसमें से तीन माह पहले तीन बच्चे भाग कर वापस लौट आए हैं । जिसमें एक मेरा लड़का भी है जब अपने लड़का से पूछा तो बताया शहर केरल से आया हूं इसके बाद और अधिक जानकारी नही दे पाया । थानाध्यक्ष पी डी चौधरी ने इस मामले मे जानकारी देते हुए बताया कि चिकसिल मामले की प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है व पुलिस आगे की करवाई कर रही है।

तरारी थाना क्षेत्र के सरफोरा मोड़ के समीप की घटना

बालू घाट पर पूर्व के विवाद में ट्रैक्टर चालक की मारपीट करने के बाद गाड़ी से घसीट कर हत्या

- मंगलवार को ट्रैक्टर लेकर बालू घाट पर गये चालक का बुधवार की सुबह मिला शव
- परिजन बोले: ट्रैक्टर मालिक के पूर्व में दूसरे गाड़ी मालिक के साथ विवाद में घटना को दिया गया अंजाम
- मामले की छानबीन और आर आरोपितों की पहचान एवं धरपकड़ में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

तरारी थाना क्षेत्र के सरफोरा गांव मोड़ के पास एक ट्रैक्टर चालक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मारपीट करने के बाद गाड़ी से घसीट कर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। चालक का शव बुधवार की सुबह सरफोरा मोड़ के समीप सड़क किनारे से बरामद किया गया। उसकी पीठ और पेट पर घसीटने का निशान मिला है। दाहिना जांघ भी फुल हुआ पाया है। मृतक हसन बाजार ओपी क्षेत्र के जमोढ़ी गांव निवासी स्व. पलू राम का 26 वर्षीय पुत्र शत्रुध्न पासवान उर्फ मोलवी था। वह तरारी गांव निवासी एक व्यक्ति का बिहटा बालू घाट पर ट्रैक्टर चलाता था। इधर, शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर







थानाध्यक्ष पीके भास्कर पहुंचे और अपने स्तर से जांच की। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

चालक के बड़े भाई प्रमोद पासवान ने बताया कि शत्रुध्न तरारी गांव निवासी विजय बैठा का ट्रैक्टर बिहटा बालू घाट पर चलाता था। एक माह पूर्व उसके ट्रैक्टर मालिक का बालू घाट पर दूसरे गाड़ी मालिक से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। उसके बाद से दोनों गाड़ी मालिक के बीच विवाद चला रहा था। उसका भाई शत्रुध्न पासवान रोज की मंगलवार की सुबह ट्रैक्टर लेकर बालू घाट गया था। देर रात तक घर वापस नहीं लौटा, तो बुधवार की सुबह उसकी खोजबीन शुरू की गयी।

उसी क्रम में सरफोरा मोड़ किनारे उसका शव बरामद किया गया। तब पुलिस को घटना की सूचना दी गयी। प्रमोद पासवान की ओर से पूर्व में बालू घाट पर ट्रैक्टर मालिक के विवाद में दूसरे गाड़ी वाले पर अपने भाई की पीट-पीटकर हत्या कर उसके शव को फेंकने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

शादी के ठीक एक माह बाद शत्रुध्न की हत्या से मीरा का सुहाग, घर में मचा कोहराम

शत्रुध्न पासवान की हत्या से उसके घर में कोहराम मचा है। सबसे बुरा हाल नवविवाहित मीरा देवी का है। शादी के ठीक एक माह बाद ही उसका सुहाग उजड़ गया। अभी ठीक से उसकी हाथों की मेंहदी का रंग भी नहीं छुटा था और विधवा हो गई। बताया जा रहा है कि शत्रुध्न पासवान छह भाई और एक बहन में छोटा था। उसकी शादी पिछले 22 अप्रैल को ही रोहतास जिला के गोडारी थाना क्षेत्र के सकला बाजार गांव की रहने वाली मीरा देवी के साथ हुई थी। घटना के बाद उसके घर में रोना-धोना मचा है। महिलाओं खास कर पत्नी मीरा देवी की चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो रहा था। मां शांति कुंवर और पत्नी मीरा देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जैव विविधता संरक्षण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

केटी न्यूज / बिक्रमगंज।

जीवन के साथ भी और जीवन के बाद भी पारितंत्र को संतुलित रखने के लिए जैव विविधता का संरक्षण जरूरी है । इससे सतत विकास का दरवाजा हमेशा के लिए खुला रहता है । जैव विविधता संरक्षण के लिए लोगों के बीच जागरूकता होनी चाहिए और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जैव संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक बनाया जा सकता है । उक्त बातें अंजबीत सिंह महाविद्यालय के बॉटनी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ कन्हैया सिंह ने कही । आज 22 मई को शहर के अंगीभूत महाविद्यालय अंजबीत सिंह महाविद्यालय के बॉटनी विभाग के द्वारा जैव विविधता संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य ने पौधा लगाकर किया । इस अवसर पर



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए जैव विविधता संरक्षण जरूरी है । इसके लिए पेड़ पौधा,जीव जंतु सभी के बीच संतुलन रहना जरूरी है । कार्यक्रम में पौधारोपण ,भाषण प्रतियोगिता और ऑनलाइन फोटोग्राफी का भी आयोजन किया गया । भाषण प्रतियोगिता में अनन्या कुमारी, हर्षिता भारती, इमाम शाहीन के साथ कई अन्य छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । वहीं ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रियंका कुमारी, पलक, शिवम एवं कई छात्र- छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा फोटो के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण का संदेश दिया । इस अवसर पर कार्यक्रम को डॉ संतोष कुमार सिंह, प्रो. फजल अहमद, मो.शब्बीर खान, मो. सरफराज अहमद ने भी संबोधित किया । कार्यक्रम के समन्वयक डॉ शशि भूषण ने मंच का संचालन किया और आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया ।साथ ही छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया ।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जहानाबाद । पंजाब नेशनल बैंक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जहानाबाद में बैंकर्स एवं जीविका के साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया तथा डीपीएम जीविका के द्वारा भी बैंकर्स के साथ समाजिक सुरक्षा योजना के तहत अधिक से अधिक जीविका दीदियों को जोड़ना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था । सर्वप्रथम निदेशक ग्रामीण स्वरोजगर प्रशिक्षण संस्थान जहानाबाद के द्वारा सभी बैंकर्स एवं जीविका के सभी कर्मियो एवं सीएसपी के जिला समन्वयक को हार्दिक स्वागत किया गया तथा अपने संस्थान के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया।

अग्रणी जिला प्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार के द्वारा सभी बैंकर्स से आग्रह किया गया कि पंजाब नेशनल बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से प्राप्त सभी प्रशिक्षणार्थी को क्रेडिट लिंकेज करना सुनिश्चित करें जिससे जिले में रोजगार को बढ़ावा दिया जा सके इसके अलावा उन्होंने अपने संबोधन में सभी सीएसपी जिला समन्वयक को यह निर्देश दिया कि सभी जीविका दीदियों को सामाजिक सुरक्षा योजना के साथ जोड़ना सुनिश्चित करे ।

पदाधिकारियों ने मतदान केन्द्र का किया निरीक्षण

जहानाबाद। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ,एच आर श्रीनिवास , जितेंद्र सिंह गंगवार ,एडीजी मुख्यालय , आलोक रंजन घोष ,अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ,बिहार के द्वारा 36 जहानाबाद लोकसभा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत लोकसभा आम निर्वाचन 2024 संबंधी निर्वाचन कार्यो की तैयारी की समीक्षा हेतु अरवल एवं जहानाबाद जिला का भ्रमण किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ,बिहार के नेतृत्व में एसडीएस0 जहानाबाद स्थित डिस्पैच सह मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया गया।



काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर हुई कार्रवाई

भोजपुरी स्टार पवन सिंह को बीजेपी ने पार्टी से निकाला

केटी न्यूज/काराकाट

भोजपुरी ऐक्टर और सिंगर पवन सिंह को बीजेपी ने पार्टी से निकाल दिया है। पवन सिंह काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। काराकाट में एनडीए प्रत्याशी के तौर पर उपेंद्र कुशवाहा मैदान में हैं। बीजेपी ने पवन सिंह को कई बार काराकाट के चुनाव मैदान से खुद को अलग करने को कहा गया, लेकिन उन्होंने अपना फैसला नहीं बदला, जिसके बाद बीजेपी ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया है। बिहार बीजेपी मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा की तरफ से जारी चिट्ठी में कहा गया



है कि लोकसभा चुनाव में पवन सिंह एनडीए के आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। यह फैसला पूरी तरह से पार्टी विरोधी है। पवन सिंह के इस फैसले से पार्टी की छवि धूमिल हो रही है। चुनाव लड़कर पवन सिंह ने पार्टी के अनुशासन के विरूद्ध कार्य किया है। इसलिए आपको दल विरोधी इस कार्य के लिए माननीय प्रदेश अध्यक्ष के आदेश पर पार्टी से निकाला जा रहा है। ज्ञात हो कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पवन सिंह को बीजेपी ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल से प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के अगले ही दिन ही पवन ने अपने स्वेच्छा से बीजेपी का टिकट लौटा दिया था। इसके बाद पवन सिंह ने बिहार के काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरने का फैसला कर लिया। पवन सिंह लगातार काराकाट में प्रचार में जुटे हैं। निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पवन सिंह का नॉमिनेशन रद्द ना हो इसलिए उन्होंने खुद के साथ अपनी मां प्रतिमा देवी का भी नॉमिनेशन काराकाट सीट से कराया था। हालांकि दोनों नॉमिनेशन सही पाए जाने के बाद पवन सिंह की मां ने नॉमिनेशन वापस ले लिया है। काराकाट लोकसभा सीट पर पवन सिंह के सामने एनडीए प्रत्याशी के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और इंडिया गठबंधन की तरफ से सीपीआई (माले) के प्रत्याशी राजाराम सिंह कुशवाहा हैं। इसके अलावा अक्टक्ट और बीएसपी के प्रत्याशी भी जोर आजमाइश कर रहे हैं। पवन सिंह के कारण वहां मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। पवन सिंह के कारण बीजेपी के आधार वोट बैंक (राजपूत) में सेंध लगने की आशंका जताई जा रही है। इस वजह से उपेंद्र कुशवाहा की परेशानी बढ़ गई है। काराकाट में सातवें और अंतिम फेज में 1 जून को वोट डाले जाएंगे ।

सबसे बड़े ब्लाक में बदहाल अस्पताल चुनावी मुद्दा से दूर, जनप्रतिनिधियों के स्वास्थ्य सुविधाओं से सरोकार नहीं

केटी न्यूज /नगरा/मालीपुर।

खंड नगरा जनपद का सबसे बड़ा ब्लाक है लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं में फिसड्डी है वहीं भ्रष्टाचार में अग्रणी है।तीन लाख लोगो को आजादी के 75 साल बाद भी इलाज के लिए भटकना पड़ता है। दिन में चिकित्सक कभी मिल भी जाते है लेकिन रात में तो ढूंढे नहीं मिलते। कहने को तो क्षेत्र में आधे दर्जन से अधिक सरकारी अस्पताल है। इन अस्पतालों पर चिकित्सक भी तैनात है किन्तु इनका लाभ क्षेत्रीय जनों को नहीं मिल पाता है। जिससे क्षेत्रीय लोगो को निजी चिकित्सको के दोहन का शिकार होना पड़ता है। रोग भी ठीक नहीं हो पाता है और अंत में छोटे मोटे रोग भी बड़ा रूप धारण कर लेते है और



बीमार व्यक्ति काल के गाल में समा जाता है। कभी भी क्षेत्र के अस्पतालो की दुर्दशा चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया, जबकि यह आम जनता की मूलभूत सुविधा में एक है।

लोस चुनाव का प्रचार चरम सीमा पर है, सभी दलों के उम्मीदवार जनता के बीच पहुंच अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं लेकिन किसी भी उम्मीदवार ने क्षेत्र के बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए आवाज नही उठाई। बीजेपी उम्मीदवार तीसरी बार क्षेत्र के प्रतिनिधित्व करने का सपना पाले मतदाताओं के बीच में जा रहे हैं लेकिन क्षेत्र के अस्पतालो की दुर्दशा को सुदृढ़ करने के लिए आज तक कभी मुंह नही खोले हैं, जबकि केन्द्र और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार हैं। नगरा क्षेत्र में सीएचसी, पीएचसी नगरा के अलावा भीमपुरा न दो, मालीपुर, खंदवा, इंद्रौली मलकौली, कसौंडर में सरकारी अस्पताल है।सीएचसी नगरा पर तैनात चिकित्सक दिन में मरीजों को देखते है। पीएचसी नगरा में भी चिकित्सक दिन में मरीजों को देखते है।बाकी अस्पतालों की व्यवस्थाएं भगवान भरोसे है। कहने को तो सभी अस्पतालों में मरीजों के लिए शासन से दवा मिलती है लेकिन इन दवाओं से रोगी ठीक नहीं हो पाते। यू कहिए की अस्पतालों पर जीवन रक्षक दवाओं का घोर अभाव है। अस्पतालों पर तैनात चिकित्सक कमिशन की काली कमाई के लिए छोटे मोटे बीमारियों में जान बूझकर बाहर की दवाएं लिखते है जो काफी महंगी होती है। कुछ चिकित्सको द्वारा लिखी गई दवाएं कुछ खास दुकानों पर ही मिलती है।आश्चर्यजनक पहलू ये है कि शासन से चिकित्सको को तमाम तरह की सुविधाएं मिलती है बावजूद इसके सांझ ढलते ही अस्पतालों पर सन्नाटा पसर जाता है। यदि कोई व्यक्ति रात में अचानक बीमार पड़ जाता है तो उसे निजी चिकित्सको के यहां उपचार के लिए जाना पड़ता है। ब्लाक मुख्यालय के पास स्थित पीएचसी नगरा पर भी कोई चिकित्सक रात के समय में नहीं मिलता है। स्वास्थ्य महकमा सहित जिले के आला अफसरों द्वारा उपेक्षा के चलते कस्बे से दूर स्थित सीएचसी पर अधूरे आवास, बिजली,पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। चहारदिवारी विहीन अस्पताल के चारो तरफ जंगल जैसे उगे हुए झाड़ झखाड़, पास में ही श्मशान होने के वजह से रात में सीएचसी पर कोई चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी नहीं रुकता है। क्षेत्र के अस्पतालों में सुविधाओं के घोर अभाव का लाभ अप्रशिक्षित चिकित्सक उठाते है।

एक नजर

हत्या के प्रयास के दो आरोपी हनुमान तिराहा से गिरफ्तार

बलिया। गड़वार थाने की पुलिस ने हत्या के प्रयास करने के मामले में दो आरोपियों को हनुमान तिराहा मोड़ से बुधवार की सुबह गिरफ्तार किया।



आरोपियों का नाम परमानन्द यादव पुत्र स्वर्गीय महादेव यादव व अनिल यादव पुत्र परमानन्द यादव निवासी कुकरभुक्का चकचमईनिया थाना गड़वार है। आरोपियों के खिलाफ गड़वार थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसके बाद से आरोपीगण फरार चल रहे थे, बुधवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपीगण हनुमान तिराहा मोड़ पर खड़ा है। तभी पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर तैयारियां जोरों पर

गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में भारी भीड़ आने की सम्भावना को लेकर पुरी तरह आश्वस्त है तथा आने वाले लोगों को कोई समस्या न हो इस बात का पुरा पुरा प्रयास भी किया जा रहा है इन्ही सब विषयों पर आज भाजपा जिला कार्यालय पर व्यवस्था में लगे लोगों की बैठक जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर हुई। रैली प्रभारी भाजपा प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी ने व्यवस्था से जुड़े एक-एक लोगों से बारी-बारी जानकारी लेते हुए कहा कि रैली स्थल पर पहुंचने,बैठने की व्यवस्था,साफ सफाई, शौचालय,साज-सज्जा रंगोली आदि से लेकर पीने के पानी कि पर्याप्त व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा की रैली के दौरान वाहनों के खड़े होने की पार्किंग की सुविधा भी नजदीक हो इसका भी प्रयास होना चाहिए। इस अवसर पर जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी, रैली सह प्रभारी विधायक राजीव गुंबर, लोकसभा प्रभारी आर पी कुशवाहा, संयोजक कृष्ण बिहारी राय, प्रवीण सिंह, अखिलेश सिंह, शशिकांत शर्मा अभिनव सिंह,,अविनाश सिंह,कार्तिक गुप्ता,गर्वजीत सिंह, शनि चौरसिया,विजय सिंह, नीतीश दूबे,सुधीर केशरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बेल्थरारोड कृषि मंडी के समीप वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत, दो घायल

बलिया। उभाव थाना क्षेत्र के बेल्थरारोड कृषि मंडी के समीप मंगलवार की देर रात किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार पवन कुमार 20 वर्ष पुत्र राजेश निवासी गोठाबारी थाना रामपुर जनपद मऊ अपने मित्र कृष्णा 25 वर्ष पुत्र कवलदेव निवासी गोथाबारी तथा अर्जुन 19 वर्ष निवासी अवाया थाना उभाव जनपद बलिया के साथ बाइक द्वारा मधुबन ढाला से फरसाटाड़ के तरफ जा रहे था। जैसे ही वह कृषि मंडी बेल्थरारोड के पास पहुंचे ही थे कि विपरीत दिशा से तीव्रगति से आ रही अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिसमें तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर वाहन चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने स्थानीय पुलिस की सहायता से सभी घायलों को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया, जहां पर कृष्णा को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वही दो घायलों को प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

85 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाता 24 मई को घर पर ही करेंगे मतदान

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल संपन्न कराने एवम् मतदान प्रतिशत में वृद्धि हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाता जो मतदान स्थल पर जाकर वोट डालने में असमर्थ हैं उनके लिए घर पर ही वोट डालने की व्यवस्था की है। जिसके क्रम में जनपद के ऐसे 85 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाता है जो घर पर ही वैलेट पेपर के माध्यम से वोट डालने हेतु आवेदन किया है। वह दिनांक 24 मई 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग घर से ही करेंगे। पुनः25 मई को पोलिंग पार्टी घर-घर जाकर 85 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाता जो किन्ही कारणों से 24 मई को किन्ही कारणों से मतदान नहीं कर पाए एवम् जिन्होंने आवेदन किया है उनसे घर पर ही मतदान कराएंगी।

स्काउट गाइड से देशभक्ति की भावना होती है जागरूक : डा. रविकांत तिवारी

मऊ। परदहां ब्लाक क्षेत्र के पिपरीडीह स्थित रामअवध सिंह शिक्षण व प्रशिक्षण संस्थान में पांच दिवसीय स्काउट के दूसरे दिन स्काउट ट्रेनर अखिलेश चौहान द्वारा प्रशिक्षुओं को अनजान स्थानों पर आकस्मिक शिविर बनाने, बिना बर्तन के भोजन बनाने, प्राथमिक स्वास्थ्य के तौर-तरीकों की जानकारी दी।साथ ही मानव श्रृखंला के सहारे पुल बनाने, गांठे बांधना, झंडा गीत, स्काउट गाइड प्रार्थना, प्रतिज्ञा टेंट लगाना, बेडेन पावेल की 6 एक्सरसाइज और योगा एवं सिद्धांत ,दुर्गम स्थानों

खबरें फटाफट

मादक पदार्थ तस्करी के मामले में दो वर्ष की सुनाई सजा

बलिया। मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में सिविल कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश की अदातल ने बुधवार की दोपहर एक आरोपी को दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 10 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। आरोपी का नाम रणविजय सिंह निवासी हरिपुर थाना सुखपुरा है। आरोपी रणविजय सिंह के खिलाफ वर्ष 2021 में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करने के उपरांत अपर सत्र न्यायाधीश की अदातल ने आरोपी को दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 10 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया।

करेंट की चपेट में आने से मिस्त्री की मौत

रसड़ा। कोतवाली क्षेत्र के गुरगुजपुर गांव में बुधवार की दोपहर करंट लगने से बिजली मिस्त्री बब्लू (42) पुत्र शिवदास निवासी गुरगुजपुर की मौत हो गई। बब्लू बिजली मिस्त्री का कार्य करता है। वह अपने घर में पंखा बना रहा था तभी उसका अचानक हाथ नंगे तार से स्पर्श कर गया। जिससे वह झटका खा कर गिर पड़ा। परिजन उसे रसड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद लाए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

व्यापरी का दूसरे दिन मिला शव

बलिया। मंगलवार को सहतवार थाना के सहजानंद घाट पर सरयु नदी में डूबे युवक का शव दूसरे दिन रेवती से आये गोताखोरों की सहायता से बरामद किया गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। बताया जा रहा है महाराजपुर निवासी विकास सिंह पुत्र शत्रुघ्न सिंह मंगलवार की शाम सरयु नदी के सहजानन्द घाट पर नहाते वक्त गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गया। जिसका शव डूबने के स्थान करीब 25 मीटर पुरब दिशा में मिला। मृतक दो भाई व एक

लवलेश सिंह ने कहा कि मैं शुरू से ही समाजवादी विचारधारा का पोषक रहा हूं

जनता दल यू के प्रदेश उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा सपा की सदस्यता ग्रहण कर गाजीपुर पहुंचे

- लवलेश सिंह का जनपद में हुआ जोरदार स्वागत

केटी न्यूज/ बलिया



जनता दल यू के प्रदेश उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर समाजवादी पार्टी की सदस्यता प्रदेश कार्यालय लखनऊ में ग्रहण करने के बाद लवलेश सिंह पहली बार सपा जिला कार्यालय पर पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

इस मौके पर पार्टी के साथियों एवं प्रेस के लोगों को संबोधित करते हुए अवलेश सिंह ने कहा कि पांच चरणों के हुए चुनाव में जनता के रुझान को देखते हुए अब स्पष्ट हो गया है कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार प्रचंड बहुमत से बन रही हैं। समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के सवाल पर लवलेश सिंह ने कहा कि मैं शुरू से ही समाजवादी विचारधारा का पोषक रहा हूं। जब नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन छोड़कर भाजपा से गठबंधन किया तो मैं सबसे पहले इसका विरोध किया। तब हमने समाजवादी पार्टी को भाजपा से लड़ने में अग्रणी देखा। इसलिए समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से मेरे व्यक्तिगत रिश्ते पहले से भी बहुत मधुर थे।

अवलेश सिंह ने कहा कि देश के आम लोग महंगाई से कराह रहे हैं युवा बेरोजगारी से छोटे व्यापारी टैक्स से, छात्र बढ़ती फीस से, तो महिलाएं अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, तो दूसरी तरफ अपने आप को देश का प्रधान सेवक बताने वाला व्यक्ति महंगा चश्मा, महंगा सूट और महंगी गाड़ियों में देश और विदेश का भ्रमण करने में व्यस्त है। जुमलेबाजी के बल पर सत्ता हासिल करने वाले लोग देश की जनता के अरमानों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इस बार देश के किसान नौजवान छात्र व्यापारी महिलाएं एवं समाज के सभी वर्ग के लोग सत्ता परिवर्तित करने का मन बना चुके हैं और इंडिया गठबंधन को जितने का संकल्प ले चुके हैं। समाजवादी पार्टी ने मेरे ऊपर विश्वास करके सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र एवं बलिया लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों को जीतने के लिए परिश्रम करने का निर्देश मुझे दिया है। मैं इसके लिए समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। बलिया जनपद के लोगों से निवेदन करता हूं कि समाजवादी पार्टी के पक्ष में लामबंद होकर देश को महंगाई एवं बेरोजगारी में धकेलने वाली सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंके।

स्वागत से अभिभूत अवलेश सिंह ने कहा की मैं इस पार्टी में किसी लालच में नहीं आया हूं, बल्कि इस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व अखिलेश यादव के सोच एवं विचारों तथा व्यवहार से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया हूं। पार्टी मुझे जो भी निर्देश देगी मैं उस डगर पर चलने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। अभी पार्टी ने मुझे बलिया लोकसभा क्षेत्र और सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशियों के लिए काम करने का निर्देश दिया है, मैं पूरे मनोयोग से उस कार्य में लगा हू और दोनों ही क्षेत्रों में हमारे उम्मीदवार बड़े अंतर से चुनाव जीत रहे हैं।

इस अवसर पर सुशील कुमार पांडेय "कान्हजी" जयप्रकाश यादव मुन्ना, अजय यादव, जमाल आलम, उपेंद्र पांडेय, हरेंद्र गोड, रामेश्वर

भिन्नात्मक क्रम वाली अराजक प्रणालियों का सिंक्रनाइजेशन शक्तिशाली अध्ययन का विषय है : पुरुषोत्तम सिंह

केटी न्यूज/गाजीपुर



पीजी कालेज गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबंध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में संपन्न हुई। इसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

उक्त संगोष्ठी में विज्ञान संकाय के अन्तर्गत गणित विषय के शोधार्थी पुरुषोत्तम सिंह ने अपने शोध प्रबंध शीर्षक "भिन्नात्मक कलन और गतिशील प्रणाली पर कुछ समस्याएं " नामक विषय पर शोध प्रबंध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछले कुछ दशकों में अराजकता और तुल्यकालन के अध्ययन में कई वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित हुआ है। अराजक व्यवस्था के दो गुण होते है, पहला गुण होता है अराजक व्यवस्था की प्रारंभिक स्थिति के प्रति संवेदनशीलता और दूसरा गुण होता है उसकी सकारात्मकता, ल्यपुनोव नामक गणितज्ञ ने इसे और अधिक जटिल बना दिया है। इसके अलावा इंजीनियरिंग, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामाजिक विज्ञान आदि के क्षेत्र में इसका व्यापक अनुप्रयोग होता है। सिंक्रोनाइजेशन के अध्ययन में सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक पहलू भी सम्मिलित होते है। पेकोरा और कैरोल ने पहली बार 1990 में अराजक प्रणालियों को सिंक्रनाइज्ड करने का विचार प्रस्तावित किया, यह प्रदर्शित करते हुए कि एक साधारण युग्मन का उपयोग करके अराजक प्रणालियों को सिंक्रनाइज्ड करना संभव है। कई शिक्षाविदों ने अराजक गतिशील प्रणालियों के सिंक्रोनाइजेशन की गहराई से जांच की है, और पारिस्थितिक प्रणालियों, भौतिक प्रणालियों, रासायनिक प्रणालियों, सुरक्षित संचार आदि में इसके महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के कारण इसने विभिन्न डोमेन में काफी रुचि पैदा की है। अराजक प्रणालियों जैसे गैर-रेखीय मॉडल में भिन्नात्मक कलन के उपयोग ने मौजूदा मुद्दों को एक नया आयाम दिया है। संचार सिद्धांत और नियंत्रण प्रसंस्करण में इसके असंख्य अनुप्रयोगों के कारण, भिन्नात्मक क्रम वाली अराजक प्रणालियों का सिंक्रोनाइजेशन एक शक्तिशाली अध्ययन का विषय है। प्रस्तुतीकरण के बाद विभागीय शोध समिति अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र - छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थी ने संतुष्टि पूर्ण एवं उचित उत्तर दिया तत्पश्चात अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के चेयरमैन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबन्ध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफे० (डॉ०) जी० सिंह, मुख्य नियंता प्रोफेसर (डॉ०) एस० डी० सिंह परिहार, प्रोफे०(डॉ०)अरुण कुमार यादव, डॉ०कृष्ण कुमार पटेल, डॉ०रामदुलारे, शोध निर्देशक डॉ० मयंक श्रीवास्तव, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० हरेंद्र सिंह, डॉ० प्रतिमा सिंह, अन्य प्राध्यापक गण व छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में मतदान की भूमिका महत्वपूर्ण



केटी न्यूज/ गाजीपुर

लोक सभा सामान्य निर्वाचन हेतु जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से, उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। कम्प्यूटर हाईटेक कालेज आफ मैनेजमेंट एण्ड ई टेक्नोलॉजी हंसराजपुर में मंगलवार की शाम, संस्था के निदेशक प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समिति के विशेष प्रान्तीय सचिव मयंक कुमार सिंह रहे। समिति के पदाधिकारियों द्वारा लोकतंत्र में मतदान की उपयोगिता बताते हुए मतदान करने पर बल दिया। जोन सचिव डा. ए के राय ने, देश के भविष्य को संवारने हेतु लोगों से स्वयं मतदान करने व अपने परिवार तथा अन्य लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्रीय विकास को नई गति देने के लिए लोकतंत्र में मतदान सबसे बड़ा दान है इसलिए अपने मत का प्रयोग सोच समझकर संतुलित मन मस्तिष्क से देश के विकास हेतु करें। अन्य वक्ताओं ने कहा कि मतदान हम सभी के लिए आवश्यक है। मतदान का प्रयोग हमें अवश्य करना चाहिए। अपने मतदान के प्रयोग से हम अपने देश के लिए उचित जनप्रतिनिधि का चुनाव करते हैं, चुने हुए जनप्रतिनिधियों से बनी सरकार ही हमारे देश का संचालन करती है। वह देश का विकास कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी राष्ट्र का मान बढ़ाती है। मतदान हम सबके लिए अत्यंत आवश्यक है, इसलिए हम सभी को अपने मतदान का प्रयोग जरुर करना चाहिए ताकि हम सही निर्णय के

एससी एसटी कार्रवाई रद्द कर नगरा थाने की पुलिस

हाईकोर्ट ने नगरा पुलिस की कार्रवाई पर जड़ा तमाचा

- हाईकोर्ट ने बलिया के पिंटू सिंह उर्फ राणा प्रताप सिंह के खिलाफ रद्द की एससी एसटी की कार्रवाई
- सार्वजनिक रूप से किए गए अपराध पर ही लागू होगा एससी/एसटी एक्ट

केटी न्यूज/बलिया

न्यायमूर्ति विक्रम डी.चौहान की कोर्ट ने बलिया के पिंटू सिंह उर्फ राणा प्रताप सिंह व अन्य की अर्जी पर उक्त आदेश देते हुए एससीएसटी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई को रद्द कर दिया। साथ ही कहा कि अन्य अपराधों के बारे में कार्रवाई जारी रहेगी। मामले में थाना नगरा, जनपद बलिया के पिंटू सिंह उर्फ राणा प्रताप सिंह व अन्य पर 2017 में एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(आर) के तहत व अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि नामजद आरोपियों ने शिकायतकर्ता के घर में घुसकर जातिसूचक टिप्पणी करते हुए मारपीट की। आवेदकों ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर एससीएसटी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई को चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने कहा कि अपराध शिकायतकर्ता के घर में किया गया है, जो सार्वजनिक स्थान नहीं है। ऐसे में एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(आर) के तहत कोई अपराध नहीं बनता है। हालांकि अपर शासकीय अधिवक्ता ने दलील का विरोध किया, लेकिन कथित घटना शिकायतकर्ता के घर में हुई, इस पर विवाद नहीं कर सके। कोर्ट ने कहा, सीआरपीसी धारा 161 के बयान और एफआईआर के तहत कथित घटना घर में हुई थी। घटना के दौरान वहां कोई बाहरी व्यक्ति नहीं था। ऐसे में इस मामले में एससीएसटी एक्ट के प्रावधान लागू

क्या कहा इलाहाबाद हाईकोर्ट ने

बलिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि सार्वजनिक रूप से अपमानित करने या धमकाने पर ही एससी/एसटी एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती। यदि अपराध सार्वजनिक रूप से नहीं किया गया है तो एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(आर) के प्रावधान लागू नहीं होंगे।

किराए के विवाद में हुई थी ऑटो रिक्शा चालक की हत्या

केटी न्यूज / चंदौली।

चकिया क्षेत्र में विगत दिनों ऑटो चालक की हत्या किराए के विवाद में की गई थी। इस मामले का चकिया पुलिस ने बुधवार को पुलिस लाइन में खुलासा किया। पुलिस हत्या को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को बैरी बाजार के बाहर शेरवा जाने वाले मार्ग से दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए चार हत्यारोपियों में दो बाल अपचारी हैं, जिन्हें गिरफ्त में लेकर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गयी है। उक्त प्रकरण का खुलासा बुधवार को पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने किया।

इस दौरान उन्होंने बताया कि बीते 19 मई को थाना चकिया अंतर्गत भटवारा कला में आटो चालक के शव बरामद किया गया, जिसमें अज्ञात व्यक्तियों से विवाद पर चालक के हत्या की पुष्टि होने पर चकिया थाने में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस निरंतर प्रयासरत थी। इसी बीच 21



मई को पुलिस ने मामले में आरोपी अभियुक्त विजेन्द्र कुमार पुत्र रामलाल राम निवासी ग्राम टकटकपुर, उम्र करीब 19 वर्ष, पंकज कुमार पुत्र स्व. रूपचन्द निवासी ग्राम टकटकपुर, उम्र 19 वर्ष व दो बाल अपचारियों को बैरी बाजार के बाहर शेरवा जाने वाले मार्ग से पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि 17 मई को नासिक से बनारस पहुंचे तथा मारूति नगर मे रूकें। वहां काम की तलाश की, लेकिन काम नहीं मिलने पर लंका आटो स्टैंड से आटो पर बैठकर अदलहाट के लिए रवाना हुए। रामनगर किले के पास साहनी लस्सी की दुकान के सामने आटो चालक के भाई ने चालक को अदलहाट जाने से मना किया। फिर भी आटो चालक सवारियों को लेकर अदलहाट चल दिया। आरोपियों ने बताया कि उनके पास 150 रुपए था। बाल अपचारी ने अपने दोस्त विजेन्द्र पर फोन करके दो लड़को के साथ शेरवा आने के लिए बोला, लेकिन आटो चालक ने शेरवा से आगे जाने से मना कर दिया। इसी बात पर गाली गलौज तथा हाथापाई हो गयी। इसके बाद 100 रुपये का लालच देकर दुलहिया माता मंदिर के पास पहुंचे, जहां भाड़े के पैसे को लेकर विवाद हुआ और आरापियों ने आटो चालक के सिर पर सब्बल व पाइप से प्रहार कर हत्या कर दिया। इसके बाद हत्या में प्रयुक्त सब्बल व पाइप को टकटकपुर मे खलिहान मे बने भूसे की झोपड़ी मे छिपा दिये और आटो को लेकर नहर के किनारे छोड़कर चले गये।इस दौरान पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अतुल कुमार प्रजापति, गिरीश चन्द्र राय, अवधेश यादव, जलभरत यादव, दीपचन्द्र गिरी, अरूण गिरी, प्रभात यादव, सोनम शामिल

गोपालपुर व सदर विधानसभा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आयोजित की जनसभा

- भारत में 30 लाख नौकरियां खाली पड़ी है इंडी गठबंधन की सरकार बनते ही मिलेगी नौकरी: अखिलेश

केटी न्यूज/आजमगढ़

सरकार ने जनता की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन आय तो दोगुनी हुई नहीं बल्कि उनकी लागत दोगुनी हो गई। खाद की बोरी से चोरी करने का काम सरकार ने किया है। नैनो यूरिया के नाम पर किसानों को ठगा गया और उसे बनाने वाली कंपनी से पैसा वसूल किया गया। नैनो यूरिया बनाने वाली कंपनी भी अन्य उद्योगपतियों की तरह देश छोड़कर फरार हो गई। उक्त बातें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के समर्थन में गोपालपुर विधानसभा के बघैला ताल और सदर विधानसभा के भदुली में आयोजित जनसभा में कही। उन्होंने पूरे जनसभा में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। महंगाई भी बढ़ाया है जिससे किसानों का जीवन संकट में डाल दिया। बड़े-बड़े कारोबारियों का कर्जा माफ किया लेकिन हमारे किसानों का कर्जा



माफ नहीं किया। इंडी गठबंधन ने ये तय किया कि जिस तरह से कारोबारियों का करोड़ों रुपये कर्ज माफ हुआ उसी तरह से किसानों का कर्ज माफ होगा। बीजेपी ने गरीबों और किसानों के साथ धोखा किया। अभी तक 10 प्रतिशत भी किसानों का कर्ज माफ नहीं हुआ। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 के चुनाव में न जिताने जा रही बल्कि रिकार्ड बनाने जा रही है। अखिलेश ने कहा कि इधर न जाने क्या हो जाता दूसरे लोगों को आजमगढ़ का नाम लेते ही, उन्हें परेशानी हो जाती है। इतनी परेशानी हो रही है कि आजकल उनके भाषणों में भाषा बदल गई है। कहा कि जो हमें और आपको 400 पार का नारा देकर डरा रहे थे उसका भी मतलब हम समझ गए हैं। कहा कि यह पहला मौका नहीं है, जब चुनावी सभा में उन्होंने युवाओं के मुद्दों को उठाया हो। पूर्व की सभाओं में भी अखिलेश के भाषण के केंद्र बिंदु युवा ही थे। उन्होंने भर्ती परीक्षा को मुद्दा उठाकर उन्हें को जोड़ने की कोशिश भी की। भारत में 30 लाख नौकरियां खाली पड़ी है। सरकार बनी तो नौकरी देने का काम करेगा। अग्निवीर वाली भी व्यवस्था थी उसे सरकार ने आधी-अधुरी कर दी। शहीद हुआ तो उसे सम्मान भी नहीं मिलेगा। हम यह भरोसा दिला रहे कि अग्निवीर व्यवस्था को खत्म

जनसभा में फिर हुआ हंगामा पुलिस ने लिया एक्शन तो फेंके पत्थर

केटी न्यूज/ आजमगढ़। आजमगढ़ जनपद में एक बार फिर अखिलेश की जनसभा में कार्यकताओं ने हंगामा किया। जिसके कारण कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ मच गई। कार्यकताओं ने वहां लगे पर्दों को फाड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने जब उन पर लाठियां बरसाईं तो उन्होंने पुलिस पर पत्थर भी फेंके। किसी तरह से मामला शांत हुआ। लोकसभा चुनाव को लेकर आजमगढ़ लोकसभा के प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने के लिए बुधवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव गोपालपुर और सदर विधानसभा में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। सबसे पहले वह गोपालपुर विधानसभा के बिलरियागंज स्थित बघैला ताल में जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे। जहां कार्यकताओं का जोश इतना बढ़ गया कि उन्होंने



बैरिकेडिंग को तोड़कर मंच की तरफ बढ़ने का प्रयास किया। कार्यकताओं ने कार्यक्रम स्थल पर लगे पर्दों को फाड़ दिया। जिसके बाद पुलिस ने कार्यकताओं पर लाठियां भांजी। इसके बाद कार्यकर्ता वहां से भागते हुए पुलिस पर पत्थर चलाने लगे। अखिलेश ने मंच से ही कार्यकताओं को शांत कराया।

खबरें फटाफट

मोदी ने की चुनाव संचालन समिति की बैठक

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी प्रवास का आज यानी बुधवार को दूसरा दिन है। वह चुनाव संचालन समिति की बैठक किया। जिसमें सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल समेत अन्य प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे। पीएम मोदी विधायकों और संगठन के पदाधिकारियों से काशी का चुनावी मिजाज जाना। वह केवल बनारस ही नहीं पूर्वांचल की अन्य सीटों पर चुनावी गतिविधियों की समीक्षा किया। उन्हें चुनाव संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उसके बाद वाराणसी से बस्ती के लिए रवाना हुए।

आठ फीट लंबा मगरमच्छ बस्ती में घुसा, फुफकार सुन सहम उठे लोग

सोनभद्र। नदी-तालाबों में पानी कम होने के बाद जलीय जीव



आबादी क्षेत्रों की तरफ रुख कर रहे हैं। खेत- खलिहान और आवासीय क्षेत्र में आए दिन मगरमच्छ दिख रहे हैं। बुधवार को कोतवाली क्षेत्र के बदीर्या गांव में आठ फीट लंबा मगरमच्छ पाया गया। उसकी फुफकार सुन ग्रामीण सहम गए। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को काबू किया। बाद में उसे मुक्खा फाल के कुंड में ले जाकर छोड़ दिया गया।

तेजाब कारोबारी के घर लगी आग, हड़कंप

वाराणसी। वाराणसी के चौक थाना क्षेत्र में बुधवार को तेजाब कारोबारी के घर में शार्ट सर्किट से आग लग गई। चिनगारी से उठी आग तेजाब की केन पर गिरी और आग विकराल हो गई। परिजनों ने पहले आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया। आग लगने से हड़कंप मच गया, आग की विकरालता को देखते हुए आनन-फानन में सभी घर से बाहर निकल आए। सूचना पाकर पियरी पुलिस मौके पर पहुंची, साथ ही चेतगंज से फायर ब्रिगेड बुलाई। सूचना पाकर दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जौनपुर में की जनसभा

समाजवादी पार्टी की रैलियों में रोज दिख रही भगदड़, मारपीट और अराजकता: योगी

- मतदाताओं से की अपील- 25 मई को कमल के फूल पर बटन दबाएं, कृपाशंकर सिंह को दिल्ली पहुंचाएं
- आरोप: ढूंढ-ढूंढकर दागियों, भ्रष्टारियों और परिवारवादी दलों से गठबंधन कर रही कांग्रेस
- अबकी बार-400 पार सुनकर ही बुरी हो गई समाजवादी पार्टी की स्थिति

केटी न्यूज/जौनपुर

लोकसभा चुनाव के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश में एक ही स्वर है-'फिर एक बार मोदी सरकार', 'अबकी पार-400 पार'। यह सुनते ही समाजवादी पार्टी की स्थिति बहुत बुरी हो जाती है। यह क्षेत्रीय पार्टी 60-62 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में इनके प्रत्याशी ने नामांकन ही गलत भर दिया। कोई लड़ने के लिए नहीं मिला। जब सपा व कांग्रेस के लोग सत्ता के कोसों दूर हैं, तब भी अपने नेता का सम्मान नहीं कर पा रहे हैं। समाजवादी पार्टी में अभी रोज भगदड़, मारपीट, अराजकता व नूराकुश्ती दिख रही है। जब यह सत्ता में रहे होंगे तो कैसे उत्तर प्रदेश की जनता का खून चूसकर शोषण किया होगा, यह किसी से छिपा नहीं है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने बुधवार को पहली रैली में जौनपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह को चुनाव चिह्न कमल के फूल पर 25 मई को वोट देने की अपील की।



रामभक्त भारत को ताकतवर बना रहे तो रामद्रोही देश का विरोध कर रहे हैं

सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ रामभक्त हैं, जो राम के लिए सर्वस्व न्योछावर करते हुए भारत को ताकतवर बनाना चाहते हैं, दूसरी तरफ रामद्रोही राम के साथ ही भारत का विरोध कर रहे हैं। यह कहते हैं कि पाकिस्तान को धमकी मत दीजिए, उसके पास एटम बम है। दाने-दाने के लिए मोहताज पाकिस्तान की धमकी भारत जैसे उस बड़े देश को देते हैं, जो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था है। सपा-कांग्रेस नेताओं को ऐसा कहते तनिक भी संकोच नहीं होता है। रामद्रोही जातिवादी-परिवारवादी राजनीति करते हैं। यह आपको जाति के नाम पर भी लड़ाएंगे।

कांग्रेस ने अव्यवस्था व अराजकता का ठेका ले लिया है

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने ढूंढ-ढूंढकर दागी, भ्रष्ट व परिवारी दलों के साथ गठबंधन कर देश में अव्यवस्था और अराजकता का ठेका ले लिया है। मोदी जी के नेतृत्व में बदलते भारत में विकास व गरीब कल्याण के अनेक कार्य हो रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में भारत 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहा है तो 23 करोड़ पाकिस्तान वाले भूख से मर रहे हैं। पाकिस्तान का राग अलापने वालों का बोरिया बिस्तर चार जून को बांध दीजिए और कहिए कि भारत पर बोझ न बनो, पाकिस्तान जाकर भीख मांगो। इस बार सत्ता में आने पर मोदी सरकार 70 वर्ष से ऊपर के हर व्यक्ति को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख उपचार की सुविधा मिलेगी। देश में चार करोड़ गरीबों के मकान बन गए हैं, शेष बचे गरीबों के मकान भी इस बार बन जाएंगे।

विरासत टैक्स औरंगजेब का जजिया कर, स्वतंत्र भारत में कोई भी यह कर नहीं देगा

सीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन का घोषणा पत्र कहता है कि कांग्रेस सरकार आने पर पिछड़ी, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का आरक्षण मुसलमानों को दे देंगे। यह लोग सत्ता में आने पर संपत्ति का सर्वे करवाएंगे और पूर्वजों से विरासत के रूप में आपको मिली संपत्ति पर टैक्स लगाकर आधी

अबकी बार-400 पार में हमें जौनपुर सीट भी चाहिए

सीएम ने कहा कि कृपाशंकर सिंह ने सामान्य परिवार में जन्म लिया, लेकिन परिश्रम व पुरुषार्थ की बदौलत मुंबई में अलग पहचान बनाई है। अपील की कि 400 पार में हमें जौनपुर सीट भी चाहिए। 10-10 घरों में जाइए और संपर्क कीजिए। 25 मई को हर मतदाता को मतदान केंद्र ले जाकर कमल खिलाइए। पानी-पहचान, विकास के लिए तरसाने और माफिया को संरक्षण देने वाले सपा की जमानत जब्त कराइए।

संपत्ति ले लेंगे, फिर पाकिस्तान-बांग्लादेशी से आए घुसपैठिये मुसलमानों को दे देंगे। इन्हें लूट मचाने और सेंधमारी की छूट नहीं देना है। यह विरासत टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। स्वतंत्र भारत में कोई भी जजिया कर नहीं देगा। शाहजहां ने अपनी जीवनी में लिखा है कि औरंगजेब जैसा कमबख्त पुत्र किसी का न हो। औरंगजेब का जजिया कर हिंदुओं पर लागू होता था। सपा-कांग्रेस के गठबंधन में घुसी औरंगजेब की आत्मा को बेनकाब करना है।

जनसभा स्थल पर उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, खेल व युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह, विधायक रमेश चंद मिश्र, विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र भारद्वाज, सत्यपाल सिंह सैनी, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह आदि की मौजूदगी रही।

एक नजर

प्रवेश से लेकर परीक्षा परिणाम तक की जानकारी होगी समर्थ पोर्टल परे : कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो वंदना सिंह की अध्यक्षता में समर्थ पोर्टल की कार्य प्रगति को



लेकर अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई. विश्वविद्यालये शासन द्वारा दिए गए डेटा अपलोडिंग के लक्ष्य को शीघ्र पूरा कर रहा है. कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने बैठक में विभागाध्यक्षों को समय से डेटो अपलोडिंग पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि समर्थ पोर्टल से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्रांति आने वाली है. आगामी सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी के प्रवेश से लेकर परीक्षा परिणाम तक की जानकारी इस पर उपलब्ध होगी. इससे जुड़ी जो भी सूचनाएं है उसे समय- समय पर अपलोड करना होगा.उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में कल से ग्रीष्म अवकाश हो रहे है, इसमें और ऊजार्वान बने और अपने ज्ञान को बढ़ाये`. कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि राजभवन एवं उत्तर प्रदेश शासन से समर्थ पोर्टल पर सूचनाओं को अपलोड करने के लिए जो दिशा- निर्देश मिल रहे है उसके अनुरूप निरंतर कार्य करना होगा.वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जो भी डेटा अपलोड होने के लिए आ रहे है उसको सत्यापित करते रहे. समन्वयक डॉ आशुतोष सिंह ने बैठक में बताया कि 3 दिनों के अंदर परिसर के अधिकांश पाठ्यक्रमों से जुड़े डेटा अपलोड हो गए है.उन्होंने कहा कि गैर शैक्षिक कर्मचारी गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी जानकारी जल्द शीघ्र दर्जे कराएं. तकनीकी समन्वयक डॉ अमित वत्स एवं सह संयोजक सत्यम उपाध्याय ने भी जानकारी उपलब्ध कराई`. इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक अजीत कुमार सिंह, प्रो मानस पाण्डेय, प्रो अविनाश पाथर्डीकरे, प्रो अजय प्रताप सिंह, प्रो बीडी शर्मा, प्रो राजेश शर्मा, प्रो मनोज मिश्र, बबिता सिंह समेत शिक्षक, अधीक्षक एवं प्रभारी उपस्थित रहे।

बीएचयू में योग कोर्स का फॉर्म जारी

वाराणसी । काशी हिंदू विश्वविद्यालय में योग सर्टिफिकेट कोर्स के पहले ट्रेनिंग प्रोग्राम का एप्लीकेशन फॉर्म जारी हो गया है। जुलाई के दूसरे सप्ताह से ये ट्रेनिंग शुरू हो सकता है। इस 4 महीने के कोर्स का फॉर्म भी जारी हो गया है। 10 जून फॉर्म भरने की लास्ट डेट है। 24 जून को एडमिशन पाने वालों की पहली लिस्ट जारी कर दी जाएगी। एप्लीकेशन फॉर्म बीएचयू कैंपस स्थित एलड़ी गेस्ट हाउस के सामने प्रकाशन विक्रय पटल के कार्यालय में मिल रहा है। यहां पर 50 रुपए पेमेंट कर फॉर्म खरीदा जा सकता है।

कांग्रेस के शासनकाल में देश की सीमाएं असुरक्षित थी : डॉ मोहन यादव

केटी न्यूज/जौनपुर

जौनपुर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विपक्ष के पूर्ववर्ती सरकारों की कार्य प्रणाली का हवाला देते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। कहा कि, कांग्रेस के शासनकाल में देश की सीमाएं असुरक्षित थीं। घोटालों के चलते पूरा देश अस्त-व्यस्त था , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश सशक्त हुआ है , पाकिस्तान ने गलती की तो घर में घुसकर उसे मारा गया , बहुमत के साथ सरकार आते ही कश्मीर से धारा 370 खत्म कर दी



गई। पत्रकारों से बात करते हुए डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि भारी बहुमत से भारतीय जनता पार्टी जीत रही है एक बार फिर नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है आज हम यहां बीजेपी उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह के पक्ष में लोगों से वोट करने की अपील करने के लिए आए थे और यह भारी बहुमत से जीत रहे हैं जनपद के तमाम मंत्री और नेता और विधायक मिलकर इस काम में लगे हुए हैं और इस बार फिर भारी बहुमत से जौनपुर की दोनों लोकसभा सीटें जीतकर मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में फिर मोदी की सरकार बनने जा रही है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के रानी की सराय थाना क्षेत्र के बेहता गांव में बुधवार की सुबह हाईटेंशन तार की चपेट में आकर एक मजूदर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से मृत मजदूर के परिजनों में कोहराम मच गया। बेहता गांव में मंगलवार को वैवाहिक समारोह आयोजित था। जिसमें टेंट लगाया गया था। टेंट के ऊपर से हाईटेंशन तार गुजरा हुआ था। वैवाहिक समारोह संपन्न होने के बाद बुधवार की सुबह टेंट खोला जा रहा था। टेंट हाऊस संचालक ने टेंट खोलने के लिए बेहता गांव निवासी नीरज (18) को लगाया था। नीरज टेंट खोल रहा था कि इसी दौरान ऊपर से गुजरे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत



प्रजापतिपुर गांव की महिलाओं को वर्षों से पास में शराब की दुकान खुलने पर थी आपत्ति

शराबियों से तंग महिलाओं ने दुकान पर बोला धावा जलाया 40 पेटी शराब

- बोली- बड़ों के साथ बच्चों को शराब की लत लगने लगी थी

केटी न्यूज/मिजार्पुर

गुस्से से लाल महिलओं ने मिजार्पुर के चील्ह थाना क्षेत्र के सारीपट्टी गांव में 40 पेटी शराब को जला दिया। जिसकी कीमत 1.26 लाख बताया गया है। देशी शराब की दुकान से घर में शराबियों की बढ़ रही संख्या और छींटाकसी से परेशान महिलाओं ने विरोध के बावजूद दुकान न हटाए जाने पर आंदोलन पर उतर आई। महिलाओं के विरोध के बीच पुरुष मूक दर्शक बने रहे। सेल्समैन भी महिलाओं के आक्रोश को देखते हुए भीड़ का हिस्सा बन गया। सागरपुर गांव के नाम से आवन्टित देशी शराब की दुकान को नियम के विरुद्ध सारीपट्टी गांव में बसंत बिन्द के घर में किराये पर खोला गया हैं। दुकान से सटे प्रजापतिपुर गांव की महिलाओं को वर्षों से पास में शराब की दुकान खुलने पर आपत्ति है। गांव की महिलाओं का आरोप है कि गांव से सटा देसी शराब की दुकान से गांव घर के अभिभावक तथा नाबालिक बच्चों को शराब की लत पड़ गई है। जिसके चलते प्रतिदिन घरों में मारपीट होती रहती है।

महिलाओं ने बोला शराब के दुकान पर हमला

शराबी शराब के नशे में महिलाओं से आए दिन छींटाकसी करते रहते हैं। शराब की दुकान को हटाने के लिए कई बार कहा गया, लेकिन ध्रात गई बात गई होता रहा। रोज रोज की किचकिच का कारण बने दुकान पर आक्रोशित महिलाओं ने अंतत: हल्ला बोल दिया। आक्रोशित महिलाओं ने देसी शराब के ठेके से निकालकर करीब 40 पेटी देशी शराब दुकान के बाहर सड़क पर रख कर आग लगा दिया। मामले की जानकारी मिलने पर देशी शराब की अनुज्ञापी रीता दुबे ने थाने में एक नामजद और अन्य अज्ञात महिलाओं के खिलाफ तहरीर दी है। दुकान पर पहुंची महिलाओं ने दुकान के बोर्ड तथा दुकान में तोड़ फोड़ करते हुए दुकान में रखे देशी शराब की होली जलाकर नष्ट कर दिया।

थाना प्रभारी रीता यादव ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है। थाने पर शिकायत करने के बजाय खुद एक्शन लेना कानूनन अपराध है। तय स्थान के बजाय दूसरे गांव में दुकान खोलनें के बिंदु पर भी जांच किया जा रहा है। दुकान पर महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ को देखते हुए सेल्समेन संतोष कुमार ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर जब तक पुलिस पहुंचती शराब की शीशीया राख हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने भीड़ को हटाया। गांव में शराब की दुकान के खिलाफ बगावत को देखते हुए गांव में पुलिस बल को तैनात किया गया है।

सुभाषितम्

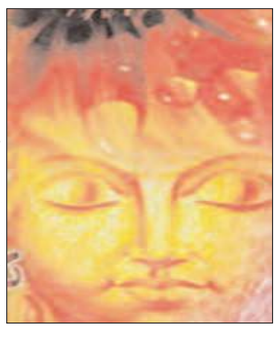
थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। - रहीम

लोकसभा चुनाव के बाद नये टैक्स लगना तय

केंद्र सरकार ने इस बार लोकसभा चुनाव के कारण बजट पेश नहीं किया। लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद जो नई सरकार बनेगी, वह बजट पेश करेगी। बजट में टेक्स बढ़ना तय माना जा रहा है। सरकार की जितनी आय पिछले वर्षों में बढ़ी है। उस आय की तुलना में सरकार के खर्च आय की तुलना में कई गुना बढ़ रहे हैं। फरवरी माह में सरकार का हाउसहोल्ड एक्सपेंडिचर सर्वे आया था। उसमें प्रति व्यक्ति 3773 रुपए गांव में तथा 6459 प्रति व्यक्ति खपत शहरी क्षेत्र में बताई गई थी। भारत की आबादी 140 करोड़ से ऊपर पहुंच गई है। 80 करोड़ आबादी को 5 किलो मुफ्त राशन देना पड़ रहा है। विश्व बैंक द्वारा निर्धारित मानदंड के अनुसार दुनिया के उच्चतम खर्च ओर न्यूनतम खर्च से भी कम भारत में आम आदमी कर पा रहा है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में जितना जीएसटी से कर एकत्रित हुआ। उसमें 50 फीसदी कर निम्न आय वर्ग के लोगों द्वारा चुकाया गया है। सबसे ऊंची आय वाले लोगों द्वारा मात्र तीन फीसदी टैक्स जीएसटी से चुकाया गया है। बाकी का टैक्स मध्यम वर्ग ने चुकाया है। जीएसटी कर की दरों में भिन्नता है। जीएसटी में 18 फीसदी औसतन कर की दर गरीबों को भी चुकानी पड़ रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दर 14 फीसदी है। अर्थात भारत में जीएसटी, विकसित राष्ट्रों से ज्यादा वसूल की जा रही है। पेट्रोल, डीजल और गैस पर केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा भारी कर जीएसटी से इतर वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण भारत में महंगाई बढ़ रही है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अचल संपत्ति, हाउस टैक्स, वॉटर टैक्स, टोल टैक्स, वाहन टैक्स,कचरा टैक्स और ना-ना तरह-तरह की सेवाओं पर जीएसटी वसूल की जा रही हैं। 2014 की तुलना में 2024 में टैक्स से सरकार की आय कई गुना बढ़ गई है। आयकर आम आदमियों से 30 फीसदी की दर से वसूल किया जा रहा है। वहीं कंपनियों की कमाई पर मात्र 21 फीसदी टैक्स वसूल किया जा रहा है। इंडिया रेटिंग्स के 2021 में जारी अध्ययन के अनुसार 2010 में केंद्र के कुल राजस्व में 100 रुपए की आय पर 40 रुपए कंपनियों से आते थे। 60 रुपए आम लोगों से आते थे। 2024 तक आते-आते सरकार आम लोगों से 75 रुपए वसूल कर रही है। कंपनियों से मात्र 25 फीसदी वसूल हो पा रहा है। पिछले 10 वर्षों में आम आदमी के ऊपर टैक्स का भार बढ़ता चला जा रहा है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय,कर्ज पर कर्ज लेते जा रहें है। इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर जिन प्रोजेक्ट पर पैसे खर्च किए जा रहे हैं। प्रोजेक्ट में दिए गए ऋण की किस्त और ब्याज का भुगतान आम आदमी के करों की वसूली से हो रहा है। जिसके कारण सरकार को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हर साल टैक्स बढ़ाने पड़ रहे हैं। भारत की 77 फीसदी संपत्ति पर 10 फीसदी लोगों का कब्जा है। भारत में 1985 से स्टेट ड्यूटी खत्म कर दी गई है। स्टेट ड्यूटी व्यक्ति की मरने के बाद उसके विरासत पर सरकार वसूल करती थी। अब बड़े आदमियों को स्टेट ड्यूटी नहीं भरना पड़ती है। 2015 में वेल्थ टैक्स भी खत्म कर दिया गया। भारत में अब केवल कैपिटल गैन पर ही कर चुकाना होता है। इसका बोझ भी मध्यम वर्ग पर सबसे ज्यादा पड़ रहा है। अमीरों की संपत्ति बढ़ती चली जाती है। टेक्स मे वसूले गए राजस्व का बड़ा हिस्सा कर्ज.अदाएगी और ब्याज में जा रहा है। 77 फीसदी संपत्ति पर मात्र 10 फीसदी लोगों का अधिकार है। इन्हें कई तरह से टैक्स की छूट मिली हुई है। 77 फीसदी संपत्ति के क्रीमी लेयर पर भारत की अर्थव्यवस्था में 3 फीसदी भी योगदान नहीं है। सरकार के लिए अच्छा विकल्प यही हो सकता है, अमीरों पर वेल्थ टैक्स लगाकर टैक्स की वसूली वार्षिक आधार पर की जाए। तभी जाकर आर्थिक विषमताओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। सरकार ने करों के संबंध में ठोस निर्णय नहीं किए, तो देश की 90 फीसदी आबादी विद्रोह की मुद्रा में खडी हो जाएगी।

चिंतन-मनन

संकल्प और साहस



खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली अपंग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक रेकॉर्ड्स के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया- तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है? तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन सा खेलना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो। रुआंसी लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और दृढ़ निश्चय के साथ बोली-सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। उसकी इस बात से भी ठहाका गूंज उठा। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अच्छी और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उत्साह बढ़ाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने 1960 के ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको हतप्रभ कर दिया।

बुद्ध धर्मक्रांति और व्यक्तिक्रांति के सूत्रधार

- ललित गर्ग



गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, उनका लोकहितकारी चिन्तन एवं कर्म कालजयी है और युग-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता है। बुद्ध पूर्णिमा को उनकी जयंती मनाई जाती है और उनका निर्वाण दिवस भी बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही हुआ था। आज के दिन गौतम बुद्ध अपनी पूर्णता में खिल गये थे, वे अपनी पूर्णता के साथ-साथ मानव समाज की पूर्णता की खोज में लगे रहे और एक प्रेरणा और संभावना बने। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था, ज्ञान और मोक्ष प्राप्त किया। बुद्ध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बुद्ध पूर्णिमा सबसे बड़ा त्योहार का दिन होता है। इस दिन अनेक प्रकार के समारोह आयोजित किए गए हैं। अलग-अलग देशों में वहां के रीति-रिवाजों और संस्कृति के अनुसार समारोह आयोजित होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा को श्रीलंकाई ह्यवेसाकह्ल उत्सव के रूप में मनाते हैं जो ह्यवैशाखह्ल शब्द का अपभ्रंश है। इस दिन बौद्ध घरों में दीपक जलाए जाते हैं और फूलों से घरों को सजाया जाता है। दुनियाभर से बौद्ध धर्म के अनुयायी बोधगया आते हैं और प्रार्थनाएं करते हैं। बोधिवृक्ष की पूजा की जाती है। उसकी शाखाओं पर हार व रंगीन पताकाएँ सजाई जाती हैं। जड़ों में दूध व सुगंधित पानी डाला जाता है। वृक्ष के आसपास दीपक जलाए जाते हैं। गरीबों को भोजन व वस्त्र दिए जाते हैं। महात्मा गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। उन्होंने अपने जीवन में हमेशा लोगों को अहिंसा और करुणा का भाव सिखाया। गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल स्थित लुम्बिनी में 563वीं ईसा पूर्व में एक राजपरिवार में हुआ था। महात्मा बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु में से एक माना जाता है। उन्होंने न केवल अनेक प्रभावी व्यक्तियों बल्कि आम जन के हृदय को छुआ और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों की जीवन दिशा को बदला। बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचें कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। प्रेम से दुनिया की हर बड़ी चीजों को जीता जा सकता है। बुद्ध के अनुसार, खुशियां बांटने से हमेशा बढ़ती हैं। कभी कम नहीं होती हैं। जंगली जानवर की अपेक्षा कपटी और दुष्ट मित्र से डरना चाहिए। जंगली जानवर आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन एक बुरा मित्र आपकी बुद्धि को नुकसान पहुंचा सकता है। गौतम बुद्ध के अनुसार, जीवन में तीन चीजें कभी भी छुपाकर नहीं रखा जा सकता है। वो है- सूर्य, चंद्रमा और सत्य। वास्तव में देखा जाए तो राज-शासन और धर्म-शासन दोनों का ही मुख्य उद्देश्य जनता को सन्मार्ग पर ले जाना है। परन्तु राज-शासन के अधिनायक स्वयं मोहमाया ग्रस्त प्राणी होते हैं, अतः वे समाज सुधार के कार्य में पूर्णतया सफल नहीं हो पाते। भला, जो जिस चीज को अपने हृदयतल में से नहीं मिटा सकता, वह दूसरे हजारों हृदयों से उसे कैसे मिटा सकता है? राज-शासन की आधारशिला प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव की भूमि पर नहीं रखी जाती है, वह रखी जाती है, प्रायः भय, आतंक और दमन की नींव पर। यही कारण है कि राज-शासन प्रजा में न्याय, नीति और शांति की रक्षा करता हुआ भी अधिक स्थायी व्यवस्था कायम नहीं कर सकता। जबकि धर्म-शासन परस्पर के प्रेम और सद्भाव पर कायम होता है, फलतः वह सत्य-पथ प्रदर्शन के द्वारा मूलतः समाज का हृदय परिवर्तन करता है और सब ओर से पापाचार को हटाकर स्थायी न्याय, नीति तथा शांति की स्थापना करता है। बुद्ध अन्ततोगत्वा इसी निर्णय पर पहुंचे कि भारत का यह दुःसाध्य रोग साधारण राजनीतिक हलचलों से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए तो सारा जीवन ही उत्सर्ग करना पड़ेगा, क्षुद्र परिवार का मोह छोड़ कर ह्यविश्व-परिवारह्ल का आदर्श अपनाना होगा। राजकीय वेशभूषा से सुसज्जित होकर साधारण जनता में घुला-मिला नहीं जा सकता। वहां तक पहुंचने के लिए तो ऐच्छिक लघुत्व स्वीकार करना होगा, अर्थात भिक्षुत्व स्वीकार करना होगा। मानवता को बुद्ध की सबसे बड़ी देन है भेदभाव को समाप्त करना। यह एक विडम्बना ही है कि बुद्ध की इस धरती पर आज तक छूआछूत, भेदभाव किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। उस समय तो समाज छूआछूत के कारण अलग-अलग वर्गों में विभाजित था। बौद्ध धर्म ने सबको समान मान कर आपसी एकता की बात की तो बड़ी संख्या में लोग बौद्ध मत के अनुयायी बनने लगे। कुछ दशक पूर्व डाक्टर भीमराव आम्बेडकर ने भारी संख्या में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध मत को अंगीकार किया ताकि हिन्दू समाज में उन्हें बराबरी का स्थान प्राप्त हो सके। बुद्ध ने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया।तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। उन्होंने अप्प दीपो भव- अपने दीपक स्वयं बनने की बात कही। क्योंकि दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता है? कैसे संतुलित हो सकता है? कैसे समाधिस्थ हो सकता है? न स्थितियों को पाने के लिए वर्तमान में जीने का अभ्यास जरूरी है। न अतीत की स्मृति और न भविष्य की चिंता। जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है।

क्योंकि मै कांग्रेसी हूं- आप मुझसे नफरत करो ये आपके दिल की बात

- मुस्ताअली बोहरा

आपके अंदर मेरे लिए नफरत है, आपके अंदर मेरे लिए गुस्सा है, आपके लिए मै पप्पू हूं। आप मुझे अलग-अलग गाली दे सकते हैं मगर मेरे अंदर आपके खिलाफ इतना सा भी गुस्सा, इतनी सी भी नफरत, इतना सा भी क्रोध नहीं है क्योंकि मै कांग्रेस हूं, ये सब कांग्रेस है और कांग्रेस ने और इस भावना ने इस देश को बनाया है। ... ये बात राहुल गांधी ने सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कही थी। अपनी बात खत्म कर राहुल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीट तक गए और उनके गले भी लगे थे। इस पूरे वाकये को राहुल की सादगी के तौर पर देखा जा सकता है। कांग्रेस के ही भीतरखाने और कांग्रेस के इतर भले ही कुछ लोग राहुल को पीएम मटेरियल ना मानें लेकिन राहुल समर्थक और युवाओं का एक वर्ग उनमें पीएम की झलक देखता है। राहुल में अपार क्षमताओं को उनकी दादी इंदिरा गांधी ने तब ही पहचान लिया था जब वो महज चैदह साल के थे। इंदिरा गांधी तब राहुल से उन विषयों पर चर्चा करती थीं जो वो राजीव या सोनिया से भी नहीं कर पातीं थीं। मोदी की तुलना में राहुल पीएम बनने लायक है या नहीं ये बहस का विषय हो सकता है लेकिन ऐसा नहीं है कि राहुल में खूबियां है ही नहीं। राहुल गांधी का जन्म 19 जून 1970 को नई दिल्ली में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री गांधी और पूर्व काँग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी के यहां हुआ था। वह अपने माता-पिता की दो संतानों में बड़े हैं और प्रियंका गांधी वढेरा के बड़े भाई हैं। राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी भारत की पूर्व प्रधानमंत्री थीं। राहुल गांधी की प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली के सेंट कोलंबस स्कूल से हालिस की। इसके बाद उन्होंने प्रसिद्ध दून विद्यालय में दाखिला लिया, यहां से राहुल के पिता राजीव गांधी ने भी शिक्षा हासिल की थी। सन 1981-83 तक सुरक्षा कारणों के चलते राहुल गांधी को अपनी पढ़ाई घर पर ही करनी पड़ी। इसके बाद सन 1994 में राहुल ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के रोलिंस कॉलेज फ्लोरिडा से कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद सन 1995 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के ट्रिनिटी कॉलेज से एम.फिल. की उपाधि प्राप्त की है। वर्ष 2003 से ये कयास लगाए जाने लगे कि राहुल गांधी राजनीति में आ सकते हैं। सन 2004 में अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ने के ऐलान के साथ वो राजनीति में आ गए थे। उन्होंने दो लाख नब्बे हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। इसके बाद राहुल पार्टी की बड़ी बैठकों और अहम फैसलों में शामिल होने लगे। 2013 में उन्हें पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद 2014 और 2019 के आम चुनाव में भी राहुल सक्रिय भूमिका में रहे लेकिन पार्टी का इन चुनावों में आशातीत कामयाबी नहीं मिली। 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अधिकांश चुनावी भाषण कांग्रेस, राहुल, मुसलमान, पाकिस्तान के ईर्द-गिर्द ही घूम रहे हैं। मोदी और उनकी पार्टी के दूसरे नेता कांग्रेस और खास तौर पर राहुल गाँधी पर लगातार हमले करते हुए उन्हें घेरने की कोशिश करते रहे हैं। यदि मोदी, राहुल को लगातार निशाने पर ले रहें हैं तो कोई खास वजह होगी ही। राजनीतिज्ञों का मानना है कि भाजपा के बाद कांग्रेस ही बड़ा दल है और राहुल ही ऐसे नेता हैं जो मोदी और मोदी नीतियों को लेकर शुरू से ही मुखर रहे हैं। चाहे मंहगाई हो, या फिर रोजगार अथवा औद्योगिक तरक्की की बात अथवा विदेश नीति की, राहुल बेबाक तरीके से आवाज उठाते रहे हैं। राहुल के भाषणों में उनकी दूरदृष्टि और सोच इन मामलों को लेकर साफ नजर आती है। राहुल जो भी बोलते हैं वो साहस के साथ बोलते हैं और फिर उसके राजनीतिक परिणाम की चिंता नहीं करते। भारतीय लोकतंत्र के ताजा हालात को लेकर बोलते हैं तो पेगासस विवाद, चीन के खतरे, चीन-पाकिस्तान गठजोड़ को लेकर मुखरता से बोलते हैं। इसके अलावा लगातार सेंधमारी, कांग्रेसियों के भाजपा में जाने के सिलसिले के बीच यदि कांग्रेस आज भी चुनावी समर में डटी है तो इसके पीछे राहुल गांधी की ही मशक्कत है। राहुल चुनाव से पहले से लेकर अब तक लगातार लोगों के बीच सम्पर्क बनाए हुए हैं। उन्होंने कभी मोहब्बत की दुकान के जरिए तो कभी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए लोगों तक ये संदेश पहुंचाने की कोशिश की कि ये लड़ाई सत्ता की नहीं है अलबत्ता विचारधारा की लड़ाई है। राहुल, आम मतदाता के बीच अपनी पार्टी की ऐसी छबि गढ़ रहे हैं जो जन समस्याओं से सरोकार रखती है, जो मजहब के नाम लोगों को बांटने की बजाए जोड़ने का काम करती है, जो नफरत की बजाए मोहब्बत फैलाने का काम करती है। वे कई बार कह चुके हैं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। आप मुझसे नफरत करो, आप मुझे गाली दो, ये आपके दिल की बात है। आपका बाजार नफरत का, मेरी दुकान मोहब्बत की। जहां तक कांग्रेस से इस्तीफा देने और कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वालों का सवाल है तो ये जाहिर हो गया है ऐसे लोग जिन्हें किसी पद की लालसा थी, या किसी तरह के दबाव या खौफ में थे, वो लोग साथ छोड़कर चले गए। ये लोग किसी विचारधारा से प्रभावित होकर दूसरे दलों में नहीं गए थे। जाने वालों में राहुल के करीबी भी थे मसलन मिलिंद देवड़ा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, अशोक चव्हाण सहित कई ऐसे नेता हैं जो लंबे समय तक राहुल के करीबी रहे। राजनीतिज्ञों का मानना है कि युवाओं या नए चेहरों को पार्टी में जगह नहीं दी गई। हालांकि ऐसा नहीं है, संगठन और जहां कांग्रेस सत्ता में थी वहां भी युवा चेहरों को बुजुर्गों पर तरजीह दी गई। राहुल को घमंडी बोला गया, पप्पू बोला गया, नामदार पुकारा गया तो कभी शहजादा लेकिन ये तो तय है कि भले ही राहुल को बेहतर राजनेता ना माना जाता हो लेकिन अच्छा इंसान जरूर माना जाता है। ऐसा नहीं है कि राहुल में कमियां नहीं हैं। वो कभी धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं तो कभी खुद को कश्मीरी ब्राम्हण बताते हैं जिसका गोत्र दत्तात्रेय है। कभी औद्योगिक घरानों का विरोध करते हैं तो कभी किसानों और आदिवासियों के हक का मसला उठाते हैं। कभी जातिगत जनगणना की बात करते हैं तो कभी महिलाओं की बात करने लगते हैं। मुददों को पकड़कर उसे अंजाम तक ले जाने में वे कामयाब होते नहीं दिखते। राहुल को अहंकारी बताते हुए कहा गया कि उनकी न्याय यात्रा में उमड़ी भीड़ से ही उनमें अहंकार का भाव पैदा हुआ। राहुल की इमेज एक अपरिपक्व राजनेता की सी नजर आती है।

पीओके की नहीं पीके की भविष्यवाणी

- राकेश अचल

` आजकल भारत में दो ही चीजें ज्यादा चर्चित हैं । एक पीओके और दूसरे पी के। दोनों का रिश्ता भारत से और भारतीय जनता पार्टी से। भारत की जनता से इन दोनों का कोई लेना-देना नहीं है । पीओके यानी पाक अधिकृत कश्मीर और पीके अर्थात प्रशांत किशोर। इन दोनों के बिना २०२४ के आम चुनाव में भाजपा की दाल गलती नजर नहीं आती। भारत का विपक्ष तो दाल गलाना और खाना दोनों भूल चुका है। जो दाल पकता है उसी में काला खोजा जाता है। आज हमें भी पीओके और पीके में दाल में काला नजर आने लगा है। पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर एक पुराना जख्म है। इतना पुराना की आज की पीढी को इसके बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं ,लेकिन भाजपा की सरकार देशवासियों को चन्दा मामा दूर के की तर्ज पर पीओके के किस्से सुनाती है ,ख्वाब दिखाती है। इस बार चूंकि पांचवा चरण बीतने के बावजूद कोई पुलवामा नहीं हुआ इसलिए सारा जोर पीओके के ऊपर है। सरकार ने जितनी आसानी से जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटा दी ,उतनी ही आसानी से वो पीओके को भारत में दोबारा शामिल करने की बात कर रही है। पीओके को वापस लेना सचमुच बड़ी बात है। और ये बड़ी बात केवल बड़े -बड़े लोग या बेवड़े लोग कर सकते हैं। कम से कम सामान्य आदमी तो ऐसी बातें न सोच सकता है और न कर सकता। पीओके का किस्सा बहुत लंबा है ,उतना ही लंबा जितना की आज के नेताओं की जबान । चौड़ी छाती और लम्बी जबान वाले लोग बिरले ही होते हैं। पीओके के बारे में ज्यादा जानना हो तो इतिहास में जाना पडेगा। फिर गांधी ,नेहरू को कोसना पडेगा। लेकिन अभी ये सब करने की फुरसत किसे है ? सब चार सौ पार करने में लगे है। पीओके मिले या न मिले लेकिन चार सौ पार करना देश की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। भारत की जनता इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद करे या न करे लेकिन पीके यानि प्रशांत किशोर जरूर भविष्य वाणियां कारणें में आगे हैं। पीके यानि प्रशांत किशोर एक भटकती आत्मा है। आपातकाल के बाद जन्में प्रशांत किशोर पेशे से राजनीति के रणनीतिकार ह। भविष्यवक्ता है लेकिन अपने ही भविष्य के बारे में नहीं जानते। 1977 में बिहार की धरती पार जन्मने प्रशांत किशोर की रणनीत्ति के फलस्वरूप माननीय नरेंद्र दामोदरदास मोदी देश के प्रधानमंत्री बन पाए ऐसी धारण है। पीके को 2014 के लोक सभा चुनाव,2015 में बिहार विधान सभा चुनाव 2017 उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव और 2019 के आंध्र प्रदेश विधान सभा चुनाव के बाद 2021 में पश्चिम बंगाल चुनाव में तृण मोल कांग्रे की बड़ी जीत ने प्रशांत कुमार की दूकान तो जमाई लेकिन किसी राजनीतिक दल ने उन्हें जब राजनीति में हिस्सेदार नहीं बनाया तो बेचारे ने अपनी भटकती आत्मा को ढांढस बढ़ाने के लिए जन सुराज नाम का एक राजनितिक दल बना लिया। हमेशा अशांत रहने वाले प्रशांत किशोर ने कहा,है कि मुझे लगता है कि मोदी सरकार की तीसरी स्त्रंश्र की धमाकेदार शुरूआत करेगी। केंद्र के पास शक्ति और संसाधन दोनों का और भी ज्यादा कंसट्रेशन होगा । प्रशांत किशोर ने एक चैनल से से बातचीत में इस बात की भी भविष्यवाणी की है कि आखिर तीसरी बार में बीजेपी को कितनी सीटें मिलने की उम्मीद है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन शुभ है और आज आपको लाभ होगा। आज आपकी कोई पुरानी महत्वाकांक्षा पूर्ण होगी।

वृषभ आज आपको लाभ होगा। किसी अधिकारी या फिर व्यापारी से आपका विवाद हो सकता है।

मिथुन आपको भाग्य का साथ मिलेगा। दोपहर के बाद किसी कार्य में कुछ नया करने की रूपरेखा बनेगी।

कर्क भाग्य में वृद्धि होगी और बिजनस में पार्टनर्स का सहयोग मिलेगा।

सिंह कुछ मामलों में आपको लाभ होगा तो कुछ मामलों में हानि हो सकती है।

कन्या लाभ के साथ उत्तम संपत्ति मिलने के संकेत हैं। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। सहयोग और सानिध्य आपको मिलेगा।

वृश्चिक दिन दूसरों की मदद करने में बीतेगा और ऐसा करने से आपको आत्मसंतुष्टि मिलेगी।

धनु आज का दिन विपरीत प्रभाव वाला हो सकता है और आप हर मामले में सावधान रहें।

मकर अचानक तबीयत खराब होने से तनाव बढ़ सकता है और आपको दौड़भाग करनी पड़ सकती है।

कुंभ आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको किसी महान सफलता के मिलने से हर्ष होगा।

मीन दिन अच्छा है, जिन यंगस्टर्स ने अभी अपने करियर की शुरुआत की है।

विशेष

राम और रावण युद्ध की तरह लोकसभा 2024 का चुनाव

विपक्षी गठबंधन इंडिया के सभी राजनीतिक दल आर्थिक दृष्टि से भाजपा के मुकाबले, रंक से ज्यादा की हैसियत नहीं रखते हैं। इसके बाद भी वह राजा से जिस तरह से लड़ रहे हैं। इससे राजा को भी आश्चर्य हो रहा है। विपक्षी दलों के बैंक अकाउंट खाली हैं। चुनाव नहीं लड़ पांए, इसके लिए जगह-जगह पहरा लगा दिया गया। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों को चंदा ना मिले। इसके पर्याप्त इंतजाम कर लिए गए। ईडी, सीबीआई और आयकर को पीछे लगा दिया गया। इसके बाद भी इंडिया गठबंधन जिस तरह से चुनाव लड़ रहा है। उसका आत्मविश्वास कम नहीं हो रहा है। बिना संसाधनों के जनता जिस तरह से इंडिया गठबंधन के दलों से जुड़ रही है।

2014 और 2019 जैसा उत्साह क्यों नहीं

2014 और 2019 की लोकसभा चुनाव में मोदी की लहर चल रही थी। भारतीय इतिहास में किसी भी चुनाव में राजनीतिक दल के 12 से 18 फीसदी ही कमिटेड वोटर होते हैं। बाकी उम्मीदवार और पार्टी के घोषणा पत्र को देखकर फ्लोटिंग वोटर के रूप में जुड़ते हैं। 32- 33 फीसदी में उम्मीदवार चुनाव जीत जाता है। इस बार स्थिति ठीक उल्टी हो गई है। इस बार एनडीए और इंडिया गठबंधन में सीधा मुकाबला है। 2014 और 2019 के चुनाव में मोदी की लहर थी। 10 साल की सत्ता के बाद मतदाताओं का विश्वास अब अविश्वास में बदल गया है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1568: नीदरलैंड में विद्रोह भड़का. 1853: अर्जेन्टीना में नया संविधान प्रभावी हुआ. 1974: रूस ने तुर्की को मोटे नीग्रो सीमा से फौजें हटाने को कहा. 1920: इंडोनेशिया में कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ. 1926: फ्रांस ने लेबनान को गणराज्य घोषित किया. 1948: बचेन्द्री पाल एवरेस्ट फतह करने वाली भारत की पहली महिला पर्वतारोही बनी. 1949: जर्मनी संघीय गणराज्य अस्तित्व में आया. 1969: मलेशिया के दंगों में मरनेवालों की संख्या पांच सौ से अधिक पहुंच गयी. 1977: पूर्वी तुर्की में भूकंप से एक हजार से अधिक लोग मारे गए. 1977: नीदरलैंड से मदद के लिए वहाँ के एक स्कूल में 464 लोगों को बंधक बनाने के अलावा एक रेलगाड़ी का अपहरण कर लिया. 1988: हंगरी को कम्युनिस्ट पार्टी ने राजनीतिक और आर्थिक सुधारों की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

23 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.48 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कर्क	09.01 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	11.17 बजे से
बुध	मेष में	कन्या	13.29 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	15.40 बजे से
शुक्र	वृष में	वृश्चिक	17.54 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	20.10 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.16 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	00.02 बजे से
		मीन	01.35 बजे से
		मेष	03.05 बजे से
		वृष	04.46 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2024 वर्ष का 144 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 19.23 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 09.15 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 12.12 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 07.10 बजे तदनन्तर बव 19.23 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 38' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871988 **जूलियन दिन** 2460453.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जिल्काद **तारीख** 14 **विशेष** वैशाख पूर्णिमा, कूर्म जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, पूर्णिमा उपवास।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से

रणभेरी बज चुकी है...चुनाव आयोग के 7 चरणों में मतदान कराने के एलान के साथ ही अगले तीन महीने पूरा देश चुनावी रंग में रंग जाएगा। वादों-इरादों के अनोखे और अलग-अलग रंग देखने को मिलेंगे। मैदान में ताल ठोक रहे राजनेता सत्ता का सिंहासन पाने के लिए हर सियासी दांव-पेच आजमाते नजर आएंगे।

किस राज्य में कैसे हैं समीकरण

कहां, कौन, किसके लिए खड़ी करेगा मुसीबत

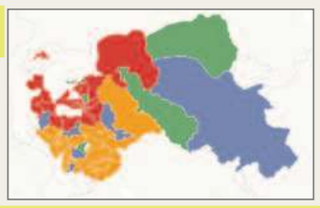


जम्मू-कश्मीर, लद्दाख

370 के खात्मे का दिखेगा नया रंग

बीते चुनाव के बाद सबसे चर्चित राज्य अब दो केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बंट गया है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद भाजपा यहां सकारात्मक बदलाव को मुद्दा बना रही है। तैयारी घाटी तक पहुंच बनाने की है। दो ताकतवर क्षेत्रीय दलों नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का मुख्य मुद्दा पूर्ण राज्य के दर्जे के साथ 370 की फिर से बहाली है। कांग्रेसी दिग्गज रहे गुलामनबी आजाद अब डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी बनाकर नई पारी खेल रहे हैं। एनसी-पीडीपी ने गठबंधन तोड़ दिया है। कांग्रेस फिलहाल अकेली है।

पिछला परिणाम

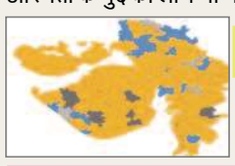


कुल सीटें 6
भाजपा 3
एनसी 3

गुजरात-

तीन दशक से भाजपा का अभेद्य किला

पश्चिम भारत और पीएम मोदी के गृह राज्य के तौर पर पहचान। लोकसभा के बीते दो चुनावों में क्लीन स्वीप के अलावा बीते विधानसभा चुनाव में तीन चौथाई से भी बड़ी प्रचंड जीत से भाजपा के हौसले बुलंद। कांग्रेस यहां आप के साथ गठबंधन कर चुनौती पेश करने की कोशिश कर रही है। हालांकि मुश्किल यह है कि पार्टी के नेता एक-एक कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। चुनाव में भाजपा का मुद्दा हमेशा की तरह हिंदुत्व व राष्ट्रवाद है। पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह का गृह प्रदेश होने के कारण राज्य की अस्मिता के मुद्दे का लाभ भी भाजपा को मिलता रहा है।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 26
भाजपा- 26

हिमाचल प्रदेश

बगावत के चलते संकट में कांग्रेस

उत्तर भारत में कांग्रेस शासित इकलौता राज्य। सैनिकों की बहुतायत वाले प्रदेश में बीते साल भाजपा को कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवानी पड़ी। हालांकि, सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के खिलाफ अब पार्टी में ही असंतोष चरम पर है। पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह बगावत की कमान संभाले हुए हैं। भाजपा के सामने फिर से क्लीन स्वीप करने की, तो कांग्रेस की खाता खोलने की चुनौती है।

पिछला परिणाम



कुल सीटें- 4
भाजपा- 4

पंजाब

किसान आंदोलन के बीच बहुध्रुवीय दिख रही लड़ाई

पांच साल में राज्य की सियासत पूरी बदल गई। कांग्रेस और अकाली दो ध्रुव थे।अब सत्ता आप के पास है। अकाली दल ने किसान आंदोलन के बहाने भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया, तो कांग्रेस के स्तंभ रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुनील जाखड़ भाजपाई हो गए। आप विपक्षी गठबंधन में शामिल है, मगर कांग्रेस संग सीटों का बंटवारा उलझा है। किसान आंदोलन नए सिरे से शुरू हुआ है। इन सबके बीच अकाली दल फिर भाजपा से गठजोड़ में जुटा है। यहां बहुध्रुवीय लड़ाई नजर आ रही है।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 13
कांग्रेस- 8
भाजपा- 2
अकाली दल- 2
आप- 1
(उपचुनाव में आप ने इकलौती व कांग्रेस ने एक सीट गंवा दी।)

उत्तराखंड

देवभूमि और भाजपा का मजबूत किला। पिछले चुनाव में क्लीन स्वीप करने वाली भाजपा ने राज्य की सत्ता बरकरार रख हर चुनाव में परिवर्तन की परंपरा से पार पाने में सफलता हासिल की। पार्टी का मुख्य मुद्दा देवभूमि में किया गया विकास है। मोदी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के भी कई प्रयास किए हैं।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 5
भाजपा- 5

हरियाणा

जाटलैंड कहे जाने वाले हरियाणा में जाट बिरादरी लोकसभा और विधानसभा के बीते दो चुनावों में हाशिये पर रही है। भाजपा को लगातार ब्रांड मोदी और गैरजाट राजनीति का लाभ मिला है।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 10
भाजपा- 10
पिछले लोकसभा चुनाव में क्लीन स्वीप करने वाली भाजपा की चुनौती पुराना प्रदर्शन बरकरार रखने की है। वहीं, कांग्रेस आधार पाने की जद्दोजहद में है। विपक्ष महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न व किसान आंदोलन को मुद्दा तो बना रहा है, पर अन्य राज्यों की तरह यहां भी विपक्ष बिखरा है। विधानसभा में भाजपा का जेजेपी से गठबंधन था। हालांकि सियासी उठापटक में मनोहरलाल की जगह नायब सिंह सैनी सीएम बने और जेजेपी से गठबंधन तोड़ दिया।

दिल्ली

राजधानी में दो बार से भाजपा का दबदबा

देश की राजधानी के मतदाता राजनीति के माहिर खिलाड़ी साबित हो रहे हैं। बीते दो लोकसभा चुनाव में सभी सीटें भाजपा को जबकि विधानसभा में 90 फीसदी सीटें आप को देते रहे हैं। इस बार कांग्रेस और आप ने गठजोड़ कर लिया है, लेकिन बीते दो चुनावों में दोनों पार्टियों को मिले वोटों का जोड़ भी भाजपा के वोटों के पार नहीं गया है। ऐसे में इस गठजोड़ का कितना लाभ विपक्ष को मिलेगा, कहना कठिन है। स्थानीय सांसदों के खिलाफ किसी भी असंतोष से निपटने के लिए भाजपा केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी सहित 4 सांसदों का पत्ता काट चुकी है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 7
भाजपा- 7

महाराष्ट्र

असली-नकली के बीच दिलचस्प लड़ाई

बीते विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की सियासत कई उलटफेर का शिकार रही। शिवसेना ने स्वाभाविक सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ धुर विरोधी कांग्रेस व एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी सरकार बनाई। उद्धव सीएम तो बन गए, पर पहले शिवसेना और बाद में एनसीपी ही टूट गई। चुनाव आयोग ने भले ही शिवसेना और एनसीपी के असली-नकली का अपने हिसाब से फैसला कर दिया हो, लेकिन जनता किसे असली मानती है, फैसला लोकसभा चुनाव में होना है।

पिछला परिणाम



कुल सीटें- 48
भाजपा- 23
शिवसेना- 18
एनसीपी- 4
कांग्रेस- 1
अन्य- 2

उत्तर प्रदेश

सत्ता बनाने और बिगाड़ने में अहम भूमिका

सियासी दृष्टि से देश का सबसे अहम राज्य। दो चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत ने केंद्र में पहली बार कांग्रेस के इतर किसी दल की बहुमत की सरकार बनाने में निभाई भूमिका। बीते चुनाव में बसपा के साथ मैदान में उतरी सपा इस बार कांग्रेस के साथ। पूरब में अपना दल, निषाद पार्टी, सुभासपा तो पश्चिम में रालोद को साधने के बाद भाजपा को फिर बड़ी जीत की उम्मीद। सपा-कांग्रेस की सामाजिक न्याय के पिच पर राजग को घेरने की योजना जबकि भाजपा सामाजिक न्याय और राम मंदिर उद्घाटन से उठे ज्वार के सहारे मैदान मारने की जुगत में। बसपा के अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरने के फैसले से भाजपा के हौसले बुलंद।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 80
भाजपा+- 64
बसपा- 10
सपा- 5
कांग्रेस- 1

बिहार

जाति गणना के रंग से कौन होगा बेरंग

देश में जाति आधारित राजनीति का केंद्र। बीते दो साल में राज्य के सीएम नीतीश कुमार के दो बार पाला बदलने और जातिगत गणना की देशव्यापी चर्चा। बीते दो दशक से नीतीश ही सत्ता का संतुलन हैं। जिसके साथ गए, उसी की बादशाहत रही। विपक्ष से जदयू को झटक कर भाजपा ने अंतिम समय में झटका दिया। हालांकि लोजपा के दो धड़ों के कारण सीट बंटवारे की गुत्थी सुलझाना अहम चुनौती है। एनडीए और विपक्ष में शामिल दोनों दलों की निगाहें जातीय समीकरण साधने पर हैं। राजद, कांग्रेस, सामाजिक न्याय की पिच पर एनडीए को घेर रहे हैं, तो सामाजिक न्याय की राजनीति के पुरोधा कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर भाजपा ने विपक्ष को उलझा दिया है।

पिछला परिणाम

● कुल सीटें- 40 ● भाजपा- 17 ● जदयू- 16 ● लोजपा- 6
कांग्रेस- 1

मध्यप्रदेश

शिव-मोहन राज से फिर भगवा आस

हिंदी पट्टी का अहम राज्य और देश का दिल। भाजपा का मजबूत किला। तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए भाजपा ने अभिनव प्रयोगों के सहारे विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज की। भाजपा कांग्रेस की अजेय सीट छिंदवाड़ा पर फोकस कर रही है, तो पूर्व सीएम कमलनाथ की नाराजगी और सांसद पुत्र नकुलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलों से गहराया संकट टिकट मिलने के बाद फिलहाल टल गया है। भाजपा को शिवराज चौहान के बाद मोहन यादव सरकार के भरोसे फिर भगवा लहराने की उम्मीद है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 29
● भाजपा- 28 ● कांग्रेस- 1

राजस्थान

अभेद्य किले को भेदना कांग्रेस की बड़ी चुनौती

बीते साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस से सत्ता छीन ली। लोकसभा में दो चुनावों से यह राज्य भाजपा के अभेद्य किले में तब्दील हो चुका है। बीते चुनाव में भाजपा की सहयोगी आरएलपी ने नई राह चुनी है। भाजपा वसुंधरा राजे जैसे पुराने दिग्गजों से परे नया नेतृत्व उभारने में जुटी है। कांग्रेस की सारी उम्मीदें पूर्व सीएम अशोक गहलोत व सचिन पायलट पर टिकीं हैं।

पिछला परिणाम

● कुल सीटें- 25 ● भाजपा- 25

तमिलनाडु

सनातन पर टिप्पणी का दिखेगा असर

यहां की राजनीति द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच सिमटी रही है। राष्ट्रीय दल इन्हीं के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरते हैं। पिछले चुनाव में द्रमुक की अगुवाई में यूपीए ने 39 में से 38 सीटें जीतीं। इस बार द्रमुक प्रमुख स्टालिन के बेटे उदयनिधि के सनातन धर्म विरोधी बयानों और सरकार के मंत्रियों पर लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों ने भाजपा को तीसरा कोण बनाने का मौका दिया। राज्य भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई की सभाओं में भीड़ अलग संदेश दे रही है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 39
● द्रमुक- 20 ● कांग्रेस- 08
● अन्य- 10 ● अन्नाद्रमुक- 01

आंध्रप्रदेश

टीडीपी बड़ी चुनौती में घिरी

लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव भी होंगे। विपक्षी टीडीपी के सामने अभी नहीं, तो कभी नहीं की चुनौती है। टीडीपी की एनडीए में वापसी व भाजपा और जनसेना के साथ गठबंधन से नया समीकरण बना है। राज्य की सत्ता और आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने वाली वाईएसआरसीपी के सामने प्रदर्शन दोहराने की चुनौती।

पिछला परिणाम

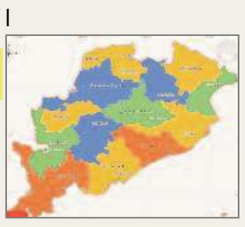
कुल सीटें- 25

वाईएसआरसीपी	22
टीडीपी	3

ओडिशा- दूर रहकर भी बीजद साथ

सीएम नवीन पटनायक के चेहरे के साथ बीजद राज्य में सबसे ताकतवर। संसद में बीते दस साल से बीजद-भाजपा की दोस्ती चर्चा का विषय रही, मगर गठबंधन पर फैसला नहीं। बीते चुनाव में मुख्य विपक्षी दल बनकर भाजपा ने चौंका दिया था। हालांकि अस्वस्थ चल रहे पटनायक को लेकर कई तरह की अटकलों का बाजार गर्म है। वहीं, कांग्रेस के सामने राज्य में नेतृत्व और संगठन की बड़ी चुनौती सामने है।

पिछला परिणाम



कुल सीटें- 21

बीजेडी	12
भाजपा	8
कांग्रेस	1

तेलंगाना

बीते साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में दक्षिण भारत के इस राज्य ने कांग्रेस को जीत के साथ राहत दी। भाजपा के सामने बीते चुनाव में जीती सीटें बचाने और आधार बढ़ाने की, तो बीआरएस के सामने अस्तित्व बचाने की चुनौती है। कांग्रेस राज्य की अस्मिता का मुद्दा उठा रही है। हैदराबाद क्षेत्र में ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम बड़ी ताकत है।



पिछला परिणाम

कुल सीटें	17
बीआरएस	9
भाजपा	4
कांग्रेस	3
एआईएमआईएम	1

झारखंड

झामुमो की अगुवाई में गठबंधन की सरकार, पर लोकसभा के बीते दो चुनावों में भाजपा का पलड़ा भारी रहा है। सीएम रहे हेमंत सोरेन के जेल जाने से झामुमो संकट में है। पहली बार राज्य की सत्ता सोरेन परिवार के इतर दूसरे हाथों में है। यूपीए आदिवासी अस्मिता को मुद्दा बना रहा है। वहीं, बाबू लाल मरांडी की घर वापसी को भाजपा फायदे के रूप में देख रही है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 13
● भाजपा- 11 ● आजसू, झामुमो, कांग्रेस 1-1

कर्नाटक

दक्षिण में भाजपा के लिए अंतिम आसरा- दक्षिण भारत का अंतिम किला गंवाने के बाद भाजपा की चुनौती बढ़ी है। जद-एस से गठबंधन के बाद उसका विश्वास बढ़ा है। यह राज्य दक्षिण में उसका अंतिम आसरा है। बीते चुनाव में महज एक सीट जीतने वाली कांग्रेस सत्ता में वापसी के बाद बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद पाले बैठी है।

पिछला परिणाम

कुल सीटें- 28
● भाजपा- 25 ● भाजपा समर्थित निर्दलीय- 1
● कांग्रेस- 1 ● जदएस- 1

असम

पूर्वोत्तर में भाजपा का नया गढ़- सियासी दृष्टि से पूर्वोत्तर भारत का सबसे अहम राज्य और भाजपा का नया गढ़। मुस्लिमों की बड़ी आबादी के बावजूद भाजपा दो विधानसभा चुनावों और दो आम चुनावों में बेहतर प्रदर्शन में सफल रही है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा हिंदुत्व के नए ब्रांड के रूप में उभरे हैं। कांग्रेस की चुनौती एआईयूडीएफ है, जिसका मुसलमानों में प्रभाव है।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 14
● भाजपा- 9 ● कांग्रेस- 3
● एआईयूडीएफ- 1 ● निर्दलीय- 1

त्रिपुरा

भाजपा को शून्य से अचानक शिखर पर पहुंचाने वाला राज्य। जिस दल के पास एक भी विधायक नहीं था, उसने दशकों पुरानी वाम मोर्चा सरकार को हरा कर सनसनी मचा दी थी। पार्टी लगातार दो बार से राज्य की सत्ता में। कांग्रेस-वाम मोर्चा साथ-साथ मैदान में।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 2
भाजपा- 2

केरल

लोकसभा में प्रचंड जीत दर्ज करने वाला कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ वाम दलों की अगुवाई वाले एलडीएफ से पार नहीं पा सका। अब तक खाता खोलने में नाकाम रही भाजपा ने चर्च से संबंध बेहतर करने के साथ कांग्रेसी एके एंटनी सहित कई नेताओं को साधा है।

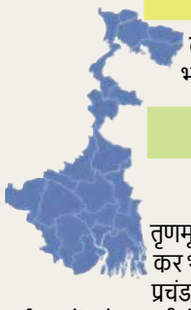


पिछला परिणाम

कुल सीटें- 20
● यूडीएफ- 19 ● एलडीएफ- 1

अरुणाचल प्रदेश

सामरिक और रणनीतिक दृष्टि से पूर्वोत्तर और देश का अहम राज्य। भाजपा ने इस बार भी अपने दोनों पुराने चेहरों केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और तापिर गाव पर भरोसा जताया है।



पिछला परिणाम

कुल सीटें- 2
भाजपा- 2

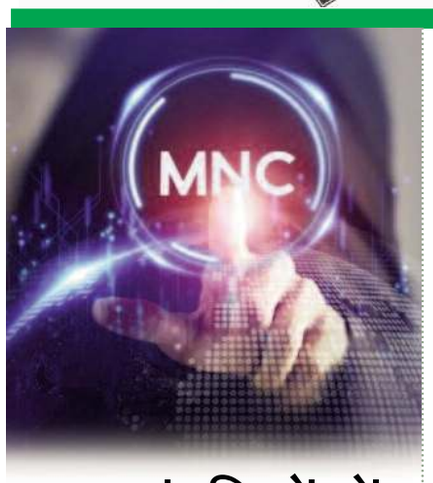
पश्चिम बंगाल

संदेशखाली में छिपा संदेश

तृणमूल के अभेद्य दुर्ग में बीते चुनाव में 18 सीटें जीत कर भाजपा ने चौंका दिया। हालांकि विधानसभा में प्रचंड जीत हासिल कर ममता बनर्जी ने वापसी की। वर्तमान में संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न के आरोपी शाहजहां शेख को बचाने को लेकर ममता की खूब किरकिरी हुई।

पिछला परिणाम

● कुल सीटें- 42 ● टीएमसी- 22 ● भाजपा- 18
● कांग्रेस- 2



इन कंपनियों में होती है हर महीने हायरिंग, ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

मंटीनेशनल कंपनियों में करें अप्लाई

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।



12वीं के बाद बिना नीट एग्जाम दिए बनाएं मेडिकल की इस ब्रांच में अपना करियर

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ़्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली





बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।



हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आईआईटी की ऐसे करें तैयारी जरूर मिलेगी सफलता

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए! सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवतः परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

सुजलॉन के शेयरों में आया तूफान, कंपनी ने जीते हैं 402 मेगावॉट के नए ऑर्डर



नई दिल्ली, एजेंसी। विंड एनर्जी बिजनेस से जुड़ी कंपनी सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर बुधवार को 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 46.23 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल नए ऑर्डर मिलने की वजह से आया है। सुजलॉन एनर्जी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसे जुनिपर ग्रीन एनर्जी से 402 मेगावॉट के नए ऑर्डर मिले हैं। यह ऑर्डर 3 मेगावॉट सीरीज के लिए हैं। सुजलॉन एनर्जी के शेयर मंगलवार को 44.03 रुपये पर बंद हुए थे। सुजलॉन एनर्जी ने इस साल मार्च के बाद स्टॉक एक्सचेंजों को पहला ऑर्डर डिसक्लोज किया है। इस नए ऑर्डर के तहत सुजलॉन एनर्जी 134 विंड टर्बाइन जेनरेटर्स की सप्लाई और उनके इंस्टॉलेशन का काम करेगी। यह प्रोजेक्ट राजस्थान के फतेहगढ़ में स्थित है। इस साइज का प्रोजेक्ट करीब 3.3 लाख घरों को बिजली उपलब्ध करा सकता है। इसके साथ ही, यह हर साल करीब 13 लाख टन कॉर्बन डाइ ऑक्साइड के उत्सर्जन को रोकेगा। सुजलॉन एनर्जी ऑपरेशंस और मेंटीनेंस का काम भी देखेगी। सुजलॉन ग्रुप के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती का कहना है, इस ऑर्डर से हमें राजस्थान में अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी। सुजलॉन एनर्जी ने इस साल 7 मार्च को स्टॉक एक्सचेंजों को पिछला ऑर्डर डिसक्लोज किया था। कंपनी को पिछला ऑर्डर जुनिपर ग्रीन एनर्जी से मिला था। कंपनी को गुजरात के द्वारका में 72.45 मेगावॉट का विंड पावर प्रोजेक्ट मिला था। सुजलॉन एनर्जी के शेयर पिछले एक साल में 400 पर्सेंट चढ़ गए हैं। विंड एनर्जी कंपनी के शेयर 22 मई 2023 को 9.29 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 22 मई 2024 को 46.23 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 2 साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में 565 पर्सेंट की जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 50.72 रुपये है। वहीं, सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 9.15 रुपये है।

चुनाव शुरू होने के बाद हर दिन 18000 करोड़ की बिकवाली



नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 19 अप्रैल 2024 को आम चुनाव की शुरुआत होने के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अब तक 37,700 करोड़ रूपये की बिकवाली कर चुके हैं। पिछले 21 कारोबारी सत्रों के दौरान विदेशी निवेशकों ने हर दिन औसतन 1800 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। दलाल स्ट्रीट में लोकसभा चुनाव परिणामों पर अनिश्चितता के कारण उतार-चढ़ाव को मापने वाला इंडेक्स इंडिया वीआईएक्स 67 प्रतिशत की उछाल के साथ 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को भी बिकवाली करते दिखे और शुद्ध रूप से 1,874.54 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे। हालांकि, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने के बावजूद घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की दिलचस्पी बाजार में लगातार बनी हुई है।

रिजर्व बैंक के एक्शन वाली तिमाही में पेटीएम का रेवेन्यू तीन फीसदी घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल वॉलेट चलाने वाली कंपनी पेटीएम को तो जानते ही होंगे। इसी साल फरवरी महीने के दौरान कंपनी पर रिजर्व बैंक की गाज गिरी थी। आरबीआई के एक्शन के बाद से पेटीएम के शेयरों में जो पिटाई शुरू हुई, वह अभी तक उबर नहीं पाया है। आज ही कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा हुई। इससे पता चला कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका रेवेन्यू तीन प्रतिशत घटकर 2,267 करोड़ रुपये रह गया है।

वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू गिरा है। यह वही समय है, जबकि रिजर्व बैंक ने फाइनेंसियल सर्विसेज देने वाली इस कंपनी एक्शन लिया था। हालांकि, कंपनी का कहना है कि यह गिरावट प्रमुख रूप से वृहद आर्थिक चुनौतियों, बढ़ी प्रतिस्पर्द्धा और नियामकीय बदलावों के कारण आई है। पेटीएम ने कहा कि राजस्व घटने के बावजूद उसने मुनाफा बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। तभी तो पूरे वित्त वर्ष के लिए परिचालन से प्राप्त राजस्व 25 प्रतिशत बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू, डिवाइसों की संख्या और वित्तीय सेवाओं के ऑफर बढ़ने के कारण दर्ज की गई है।



क्या रहा कंपनी का जीएमवी

वित्त वर्ष 2023-24 में पेटीएम का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) 39 फीसदी बढ़कर 18.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का कहना है कि मार्च 2024 तक प्लेटफॉर्म पर 1.07 करोड़ मर्चेंट सब्सक्राइबर थे जो एक साल पहले के मुकाबले 39 प्रतिशत ज्यादा है।

नुकसान कम हुआ

कंपनी का कहना है कि विकास और ऑपरेटिंग प्रॉफिट बढ़ने से कंपनी का ओवरऑल नुकसान 1,423 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले की तुलना में 354 करोड़ रुपये कम है। कंपनी ने बताया कि इसके अलावा, कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (ईएसओपी) से पहले पेटीएम का ब्याज, कर, मूल्य ह्रास और अमॉर्टाईजेश से पहले का लाभ बढ़कर 559 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।पेटीएम की भुगतान सेवाओं का आकार वित्त वर्ष 2023-24 में 6,235 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने कहा कइस वृद्धि के पीछे विस्तृत पैमाने पर डिजिटल भुगतान को अपनाया जाना और मर्चेंट बेस के विस्तार पर कंपनी का जारी फोकस मुख्य वजह है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में साल-दर-साल आधार पर भुगतान सेवा का राजस्व सात फीसदी बढ़कर 1,568 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मार्केटिंग सेवाओं का कारोबार 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,738 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई के लिए प्रोत्साहन राशि के मद में कंपनी ने 288 करोड़ रुपये दिये जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 182 करोड़ रुपये था।

मार्च तिमाही में इकॉनामी को लग सकता है झटका!



नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2024 की मार्च तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश के ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (जीडीपी) की रफ्तार पर औद्योगिक उत्पादन और खेती-बाड़ी की सुस्ती का असर दिख सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उम्मीद जताई थी कि चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 8 प्रतिशत रह सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रोथ 7 प्रतिशत या इससे भी कम रह सकती है। वित्त वर्ष 2024 की पहली यानी जून तिमाही में 8.2 प्रतिशत ग्रोथ के बाद इकॉनमी सितंबर तिमाही में 8.1 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत बढ़ी थी। दिसंबर तिमाही का आंकड़ा आने के बाद सीतारमण ने कहा था, उम्मीद है कि चौथी तिमाही में भी ग्रोथ 8 प्रतिशत या इससे अधिक होगी, जिससे पूरे वित्त वर्ष 2024 में 8 प्रतिशत या इससे अधिक की ऐवरेज ग्रोथ हासिल होगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस ने कहा, चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.1-7.2 प्रतिशत रह सकती है ग्रॉस वैल्यू एडिशन 6.8-6.9 प्रतिशत रह सकता है। मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन के बेहतर प्रदर्शन के साथ पूरे वित्त वर्ष में जीडीपी 7.9 प्रतिशत और जीवीए 7.3 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है।

गौतम अडानी की अब भारत से बाहर निकलने की है तैयारी

गौतम अडानी की नजर विदेशों में तीन बंदरगाहों पर

- इंडिया-यूरोप कॉरिडोर पर है अडानी ग्रुप की नजर
- ग्रुप ने इसके लिए 3 अरब डॉलर का कैश चेस्ट बनाया है



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी का जोर अब विदेशों में अपना कारोबार बढ़ाने पर है। बिजनस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप की नजर तीन विदेशी पोर्ट्स पर है और इसके लिए उसने तीन अरब डॉलर यानी करीब 2,49,77,49,00,000 रुपये का कैश चेस्ट बनाया है। ग्रुप इंडिया-यूरोप कॉरिडोर पर अपनी मजबूत उपस्थिति चाहता है। सूत्रों के मुताबिक देश में लौह अयस्क और कोयले के आयात की मांग बढ़ रही है जबकि फिनिश्ड गुड्स का एक्सपोर्ट बढ़ रहा है। अडानी ग्रुप इस मौके के हाथोंहाथ लेना चाहता है। उसकी नजर यूरोप, अफ्रीका और साउथ ईस्ट एशिया में तीन बड़े पोर्ट्स पर है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक गौतम अडानी 104 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया और भारत के दूसरे बड़े रईस हैं। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में वह 14वें नंबर पर हैं।

सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप अपनी पोर्ट कैपेसिटी को बढ़ाना चाहता है। अभी उसकी कंटेनर हैंडलिंग कैपेसिटी सालाना करीब 600 मिलियन मीट्रिक टन है। इसमें करीब 420 मिलियन मीट्रिक टन डोमेस्टिक कैपेसिटी है। ग्रुप की योजना अगले दो साल में अपनी कैपेसिटी को बढ़ाकर 800 मिलियन मीट्रिक टन करने की है। इसके लिए उसने विदेशों में कई बंदरगाहों को खरीदने की योजना बनाई है। ग्रुप की नजर पोर्ट रेवेन्यू बढ़ाने पर है। इसके लिए उसकी योजना अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अपना बिजनस बढ़ाने की है जिस पर अभी चीन का दबदबा है। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन के रेवेन्यू में इंटरनेशनल पोर्ट्स की हिस्सेदारी अभी 10 फीसदी है जिसे अगले तीन साल में 20 से 25 फीसदी पहुंचाने का लक्ष्य है।

कंपनी का कारोबार

क्क्र्श्ं की योजना तीन बड़े पोर्ट्स को खरीदने की है। इसके लिए उसने तीन अरब डॉलर का कैश चेस्ट बनाया है। अभी कंपनी के पास इजरायल, श्रीलंका, इंडोनेशिया, तंजानिया और ऑस्ट्रेलिया में पोर्ट्स हैं। साथ ही उसने वियतनाम, मलेशिया और फिलीपींस में भी पोर्ट से जुड़ी गतिविधियों में मदद के लिए एग्रीमेंट्स किए हैं। फाइनेंशियल ईयर 2025 में अडानी पोर्ट्स का रेवेन्यू 30,000 से 31,000 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। साल 2023-24 में कंपनी का कंसोलिडिटेड रेवेन्यू 28 फीसदी तेजी के साथ 26,111 करोड़ रुपये रहा था जबकि नेट प्रॉफिट 50 फीसदी बढ़कर 8,104 करोड़ रुपये पहुंच गया। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर है। उसके पास 15 पोर्ट्स और टर्मिनल हैं।

सोने के गिरे भाव, चांदी की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा मार्केट में सोने-चांदी के भाव में बड़ा बदलाव आया है। आज यानी बुधवार 22 मई को चेन्नई, अहमदाबाद, आगरा, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, दिल्ली, बरेली, एटा, कोलकाता लुधियाना, चंडीगढ़, गोरखपुर, इंदौर से लेकर कन्याकुमारी तक सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव हुआ है है।



सर्राफा मार्केट में आज 22 मई को 24 कैरेट सोना 100 रुपये सस्ता होकर 74114 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। जबकि, चांदी 221 रुपये प्रति किलो महंगी होकर 83094 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। इससे पहले मंगलवार को सोना 74214 और चांदी 92873 रुपये पर बंद हुई थी।बता दें सोना 19 अप्रैल को 2024 को ऑल टाइम हाई 73596 रुपये पर था। जबकि, चांदी आज ऑल टाइम हाई 93094 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

आईबीजेए के लेटेस्ट रेट के मुताबिक बुधवार 16 मई को 23 कैरेट सोने का भाव 100 रुपये गिरकर 73817 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। दूसरी ओर 22 कैरेट सोने की कीमत 92 रुपये गिरकर 67888 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। जबकि, 18 कैरेट गोल्ड का रेट भी 75 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 55586 रुपये पर आ गया है। वहीं, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 58 रुपये कम होकर 43357 रुपये पर आ गई है। 24 कैरेट सोना का भाव जीएसटी समेत 76337 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। अगर ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ लें तो इसकी कीमत 83971 रुपये पड़ रही है। 23 कैरेट सोने का रेट भी जीएसटी के साथ 76031 रुपये प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। अन्य चार्जेज के साथ यह 83634 रुपये के करीब पड़ेगा। 22 कैरेट का भाव भी जीएसटी , ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ने के बाद 76817 रुपये पर पहुंच जा रहे हैं। जबकि, 18 कैरेट सोने का जीएसटी, ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और मुनाफा जोड़ने के बाद यह 62978 रुपये है।

जिस उड़ान का लंबे समय से था इंतजार, उसके करीब पहुंची देश की इकॉनामी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने मई 2024 के लिए जारी अपने मंथली बुलेटिन में कहा है कि लोग इस बात को लेकर आश्वस्त हो रहे हैं कि भारतीय इकॉनमी टेकऑफ करने वाली है। आंकड़े बता रहे हैं डिमांड में जोरदार उछाल देखने को मिल सकता है। ग्रामीण इलाकों में नॉन-फूड चीजों पर खर्च बढ़ रहा है। यह इस बात का संकेत है कि ग्रामीण इलाकों में लोगों के खर्च करने की प्रवृति में सुधार हो रहा है। लेख में कहा गया है कि भारत में गरीबी और अत्यधिक अभाव जैसी पुरानी अवधारणाएं विलुप्त होने को हैं। घरेलू मांग में निरंतर तेजी और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए लेख में कहा गया है कि, इटरनैशनल लेवल पर यह आशावाद बढ़ रहा है कि भारत आर्थिक प्रगति के शिखर पर है। बुलेटिन में कहा कि भारत में डिमांड मोमेंटम बढ़ रहा है। ग्रामीण खर्च में सुधार के कारण कुल नॉन-फूड खर्च बढ़ रहा है। कम से कम दो वर्षों में पहली बार पिछली तिमाही में डेली यूज की उपभोक्ता वस्तुओं (स्नस्ष्ठत) की गांवों में मांग शहरी बाजारों से आगे निकल गई है। घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल से जुड़े उत्पादों की मजबूत मांग से स्नस्ष्ठत वस्तुओं की मात्रा में वृद्धि 6.5 प्रतिशत रही। इस वृद्धि को 7.6 प्रतिशत की ग्रामीण वृद्धि से गति मिली। वहीं शहरी क्षेत्रों में वृद्धि 5.7 प्रतिशत थी।



रिजर्व बैंक का कहना है कि दूसरी छमाही में 4 प्रतिशत इनफ्लेशन का टारगेट हासिल किया जा सकता है। रिजर्व बैंक के बुलेटिन में कहा गया है, इस साल की दूसरी छमाही में ही इनफ्लेशन टारगेट टिकाऊ बना रह सकता है और 2025-25 के दौरान भी आंकड़ा टारगेट के आसपास रह सकता है। बता दे कि आरबीआई हर महीने बुलेटिन जारी करता है। केंद्रीय बैंक ने साफ कहा कि बुलेटिन में लिखी बातें लेखकों के विचार है। हेडलाइन इंफ्लेशन के नीचे आने और ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंचने के बावजूद खाद्य श्रेणी में सब्जियों, अनाज, दाल, मांस और मछली की कीमतें निकट अवधि में रिटेल इंफ्लेशन को ऊंची और पांच प्रतिशत के करीब रख सकती है।

बॉस से लेकर वर्साचे तक, 6 ग्लोबल फैशन ब्रांड्स को भारत इसी साल ला रही हैं मुकेश अंबानी की बिटिया

नई दिल्ली, एजेंसी। बात जब ईसी की आती है तो मुकेश अंबानी का कोई सानी नहीं है। इस समय वह भारत के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। आज की तारीख में उनका नेटवर्थ 110 बिलियन डॉलर के बराबर है। इस लिहाज से वह भारत ही नहीं, एशिया के सबसे बड़े रईस हैं। वह देश की सबसे प्रतिष्ठित कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड चलाते हैं। उनकी बिटिया हैं ईशा अंबानी । वह रिलायंस ग्रुप की कंपनी रिलायंस रिटेल चलाती हैं। अंबानी के कुशल नेतृत्व में, रिलायंस रिटेल ने भारतीय बाजार में कई प्रसिद्ध ग्लोबल ब्रांडों को पेश करने की योजना बनाई है। इनमें वर्साचे , अरमानी , बालेनियागा और कई अन्य ब्रांड शामिल हैं। इनमें से कुछ ने रिलायंस रिटेल के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से भारत में अपनी पकड़ बनाई है। दरअसल, साल 2022 से अंबानी की बेटी, ईशा अंबानी ने रिटेल कारोबार का नेतृत्व संभाला, तबसे नए-नए ब्रांड के भारत में आगमन में तेजी आई है। इंडिया रिटेलिंग की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाले महीनों में भारत के रिटेल सेक्टर में छह वैश्विक ब्रांड आ सकेते हैं। इन ब्रांडों का नेतृत्व पिता और बेटी की डायनामिक जोड़ी करेगी। इन प्रत्याशित आगमनों में ओल्ड नेवी , अरमानी कैफे , असोस , शीन , ईएल एंड एन कैफे और सैंड्रो और माजे बाय एसएमसीप ग्रुप जैसे ख्यात नाम शामिल हैं।

भारतीयों ने विदेशों में खर्च किए 31.7 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीयों ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत विदेशों में रेकॉर्ड 31.7 अरब डॉलर खर्च किए जो पिछले साल की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में यह रकम 27.1 बिलियन डॉलर थी। टैक्स कलेक्शन ऑन सोर्स लागू होने के बावजूद विदेशों में खर्च में यह बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि अक्टूबर 2023 में टीसीएस लागू होने के बाद मासिक औसत खर्च में गिरावट आई है। रेमिटेंस के सालाना डेटा से पता चलता है कि भारतीयों ने वित्त वर्ष 24 में विदेश घूमने पर 17 अरब डॉलर खर्च किए। यह पिछले वर्ष के 13.6 अरब डॉलर से 24.5 प्रतिशत अधिक है। महामारी की शुरुआत से पहले वित्त वर्ष 2020 में स्नस्र के तहत खर्च में अंतरराष्ट्रीय यात्रा का हिस्सा 37 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 53.6 प्रतिशत हो गया है। कोरोना काल में पाबंदियों के कारण वित्त वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर खर्च घटकर 3.2 अरब डॉलर रह गया था।

दूसरी ओर, विदेश में शिक्षा के लिए जाने वाले रेमिटेंस का हिस्सा लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2021 में, शिक्षा के लिए रेमिटेंस 30 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2022 में यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद यह हिस्सा गिरकर 26 प्रतिशत रह गया। वित्त वर्ष 2023 में शिक्षा पर खर्च पिछले वर्ष के 5.2 अरब डॉलर से घटकर 3.4 अरब डॉलर रह गया। इस कारण कुल खर्च का हिस्सा गिरकर 12 प्रतिशत रह गया। वित्त वर्ष 2024 में, विदेश में पढ़ाई पर खर्च लगभग 3.5 अरब डॉलर पर स्थिर रहा, जबकि यात्रा पर खर्च बढ़ गया। फीस पर कम खर्च के कारण विदेश में पढ़ाई अब विदेशी मुद्रा खर्च में दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी नहीं रह गई है। भारतीयों ने फीस की तुलना में विदेश में रिश्तेदारों के रख-रखाव पर ज्यादा खर्च किया। इस मद में 4.6 अरब डॉलर खर्च हुए।



हालांकि विदेश से पैसा भेजने के मामले में भारतीयों ने नया रेकॉर्ड बनाया है। भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में 111 अरब डॉलर मिले। यह दुनिया में सबसे अधिक है। इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला दुनिया का पहले देश बन गया है। भारत के 1.8 करोड़ लोग विदेशों में काम करते हैं। इनमें से यूएई, अमेरिका और सऊदी अरब में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने मंगलवार को जारी अपनी वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट, 2024 में कहा कि 2022 में रेमिटेंस प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपीन और फ्रांस शामिल हैं।

हरिओम आटा एंड स्पाइसेस पर टूटे निवेशक, 2000 गुना हुआ सब्सक्राइब

नई दिल्ली, एजेंसी। हरिओम आटा एंड स्पाइसेस आईपीओ को रिकॉर्ड सब्सक्रिप्शन मिला है। कंपनी के इश्यू को करीबन 2013.64 गुना सब्सक्राइब किया गया। आईपीओ को दिन तीन यानी 21 मई को निवेशकों ने 211.82 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदे हैं, जो 11.55 लाख इक्विटी शेयरों के ऑफर साइज का 1,834.01 गुना से अधिक रहा। हरिओम आटा एंड स्पाइसेस आईपीओ का प्राइस बैंड 48 रुपये तय किया गया था। रिटेल निवेशकों ने अलॉटमेंट कोटे से 2,556.5 गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया जबकि संस्थागत और गैर-संस्थागत निवेशकों ने उनके लिए निर्धारित हिस्से से 1,432.77 गुना अधिक खरीदारी की। बता दें कि ाह्मष्ट द्वारा सब्सक्रिप्शन के आंकड़े के सी एनर्जी एंड इंफ्रा और मैक्सपोजर आईपीओ से कहीं अधिक थे, जो इस साल जनवरी में क्रमशः 959 गुना और 905 गुना प्राप्त हुए थे। आटा और मसाले बनाने वाली कंपनी ने 16 मई को 48 रुपये प्रति शेयर की कीमत के साथ 5.54 करोड़ का इश्यू लॉन्च किया।

आईफोन की तरह अब भारत में ही बनेंगे गूगल पिक्सल फोन

नई दिल्ली, एजेंसी। ऐपल के आईफोन के बाद अब गूगल का पिक्सल स्मार्टफोन भी देसी होने जा रहा है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज को भारत में इस डिवाइस के निर्माण का प्रोजेक्ट मिला है। यह कदम सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पहल को बढ़ावा देगा। साथ ही इससे ग्लोबल स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम में भारत की स्थिति मजबूत होगी। ऐपल ने अपने प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा भारत ट्रांसफर कर दिया है। उसके बाद से भारत तेजी स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनकर उभर रहा है। गूगल ने पिछले साल अक्टूबर में घोषणा की थी कि भारत में पिक्सल फोन बनाना उसके एजेंडे में है। कंपनी ने तब कहा था कि वह भारत में पिक्सल 8 और इसके वर्जन को बनाने के लिए संभावित मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर्स और सप्लाई चेन ईकोसिस्टम से बात कर रही है।



सरकार और इंडस्ट्री के सूत्रों ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि डिक्सन को भारत में पिक्सल बनाने के लिए चुना गया है। जल्द ही ट्रायल प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि गूगल भारत में उत्पादन का उपयोग घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करने और संभावित रूप से निर्यात के लिए भी करना चाहता है। हालांकि इस बारे में डिक्सन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने अक्टूबर में इस बारे में बात की थी। उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हमने स्थानीय स्तर पर पिक्सल स्मार्टफोन बनाने की योजना साझा की और उम्मीद है कि पहला डिवाइस 2024 में बाजार में आ जाएगा। हम भारत के डिजिटल विकास में एक विश्वसनीय भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कंपनी क्यों है उत्साहित

सूत्रों ने बताया कि गूगल एक वर्ष से अधिक समय से विभिन्न संभावित साझेदारों के साथ बातचीत कर रहा था। हाल ही में डिक्सन को इसके लिए चुना गया। भारत में स्मार्टफोन निर्माण में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। साथ ही सरकार ने मोबाइल फोन निर्माताओं के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना बनाई है। इसके तहत उन्हें कई तरह के फायदे दिए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल:2024

वॉटसन ने किया एक्सप्लेन क्यों श्रेयस अय्यर हैं आईपीएल 2024 के बेस्ट कप्तान



नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में सबसे पहले प्लेऑफ का टिकट कटाने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम ने सबसे पहले फाइनल मैच का भी टिकट कटा लिया है। आईपीएल 2024 का पहला क्वॉलिफायर मैच 21 मई को केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच अहमदाबाद में खेला गया था, जहां श्रेयस अय्यर एंड कंपनी ने पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद को एकतरफा मुकाबले में हराया। आईपीएल 2023 में केकेआर की टीम पॉइंट्स टेबल में सातवें नंबर पर रही थी, लेकिन आईपीएल 2024 में शुरू से ही केकेआर ने जिस तरह का खेल दिखाया है, उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी के अलावा केकेआर के इस दमदार प्रदर्शन में मेंटॉर गौतम गंभीर का भी बड़ा हाथ रहा है। गंभीर की कप्तानी में ही केकेआर ने दो बार आईपीएल खिताब जीता है और एक बार फिर टीम उनकी मेंटॉरशिप में आईपीएल ट्रॉफी उठाने के करीब नजर आने लगी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन वॉटसन ने भी कप्तान श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है।

फ्रेंच ओपन

दो साल बाद रोलां गैरां में वापसी की तैयारी में नडाल, फिटनेस पर निर्भर करेगा खेलना

पेरिस, एजेंसी। साल का दूसरा ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू हो रहा है। नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और अभ्यास करने वाले जोड़ीदारों के साथ कोर्ट फिलिप चैटरियर पर पहुंचे। उनका अभ्यास देखने के लिए फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम में छह हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे।

स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने यहां रोलां गैरां में अभ्यास किया। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल रिकॉर्ड 14 बार फ्रेंच ओपन जीत

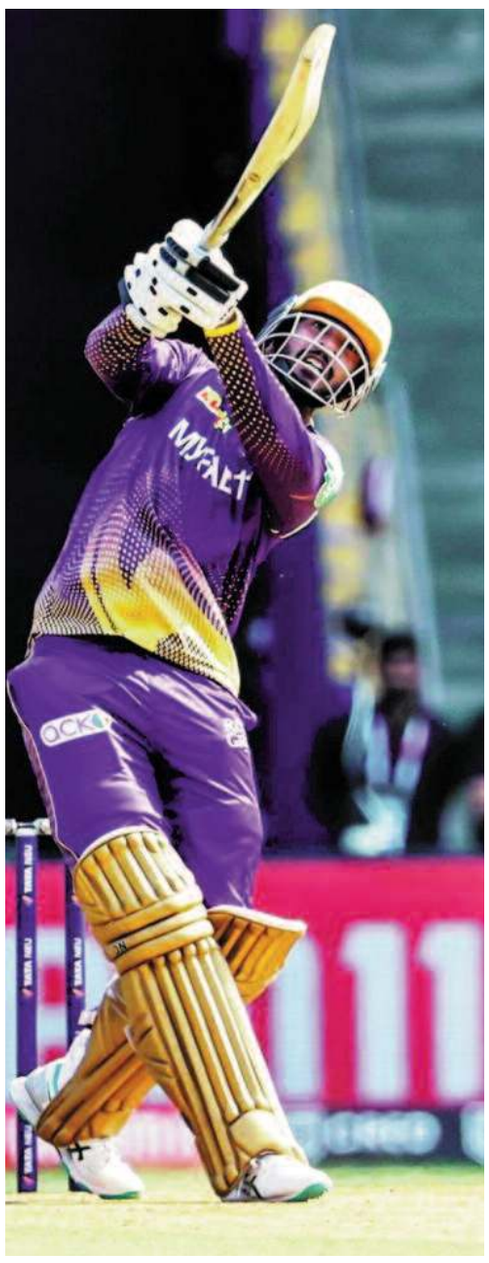


चुके हैं। इस बार 37 साल के दिग्गज का यह रोलां गैरो में अंतिम ग्रैंडस्लैम माना जा रहा है। इस अभ्यास के जरिये नडाल अपनी फिटनेस और फॉर्म की परख ले रहे हैं ताकि यह तय हो सके कि उन्हें इस साल होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा लेना है या नहीं।

रविवार से शुरू होगा साल का दूसरा ग्रैंडस्लैम साल का दूसरा ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू हो रहा है। नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और अभ्यास करने वाले जोड़ीदारों के साथ कोर्ट फिलिप चैटरियर पर पहुंचे। उनका अभ्यास देखने के लिए फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम में छह हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। जैसे ही नडाल कोर्ट पर उतरे, दर्शकों ने हर्षोउल्लास के साथ उनका स्वागत किया।

आईपीएल 2024

वेंकटेश अय्यर ने रच दिया इतिहास



अहमदाबाद। आईपीएल 2024 का पहला क्वालीफायर मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। इस मैच में केकेआर की टीम ने दमदार खेल दिया और हैदराबाद को एकतरफा अंदाज में 8 विकेट से हरा दिया। ये चौथा मौका है जब केकेआर ने आईपीएल के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। इस क्वालीफायर मैच में 29 साल के वेंकटेश अय्यर के बल्ले से मैच विनिंग पारी देखने को मिली। इस दौरान वेंकटेश अय्यर ने एक ऐसा कारनामा किया जो इससे पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं किया था।

वेंकटेश अय्यर की ऐतिहासिक पारी

वेंकटेश अय्यर ने इस मैच में 28 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 182.14 की स्ट्राइक रेट से 5 चौके और 4 छक्के जड़े। बता दें ये आईपीएल प्लेऑफ में वेंकटेश अय्यर का तीसरा अर्धशतक है और ये तीनों अर्धशतक लगातार तीन पारियों में आए हैं। इसी के बाद वेंकटेश अय्यर भारत के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने आईपीएल प्लेऑफ की लगातार तीन पारियों में 50+ रन बनाए हैं। उन्होंने इससे पहले साल 2021 प्लेऑफ में 2 अर्धशतक लगाए थे और अब इस सीजन में तीसरा अर्धशतक आया है।

प्लेऑफ में वेंकटेश अय्यर का स्कोर

- 26 रन (30 गेंद) - बनाम आरसीबी, शारजाह, 2021
- 55 रन (41 गेंद) - बनाम दिल्ली कैपिटल्स, शारजाह, 2021
- 50 रन (32 गेंद) - बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, दुबई, 2021
- 51* रन (28 गेंद) - बनाम सनराइजर्स हैदराबाद, अहमदाबाद, 2024

लेंडल सिमंस की कर ली बराबरी

आईपीएल में वेंकटेश अय्यर के अलावा सिर्फ लेंडल सिमंस ही वो बल्लेबाज हैं जिन्होंने लगातार 3 प्लेऑफ मैचों में 50+ रन बनाए हैं। लेंडल सिमंस ने 2014 और 2015 आईपीएल के दौरान ये कारनामा किया था। उन्होंने 2014 एलिमिनेटर मैच में, 2015 क्वालीफायर और फाइनल में 50+ रन की पारियां खेली थीं।

ऐसा रहा आईपीएल 2024 का पहला क्वालीफायर मैच

दोनों टीमों के बीच खेले गए इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। उन्होंने इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 159 रन बनाए और उनकी टीम ऑलआउट हो गई। इसके बाद केकेआर के बल्लेबाजों ने काफी तेज शुरुआत की और सिर्फ 13.4 ओवर में ही 2 विकेट खोकर 164 रन बना इस मैच को अपने नाम कर लिया।



वापसी के बेहद करीब हैं शमी

जिम में जमकर बहा रहे पसीना

नईदिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी को फैंस ने आईपीएल 2024 में बहुत मिस किया. भारतीय तेज़ गेंदबाज़ इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं. टूर्नामेंट के पिछले सीज़न में गुजरात के पेसर ने सबसे ज़्यादा विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम किया था. लेकिन इन दिनों वह इंजरी के चलते क्रिकेट से दूर हैं, जिसकी वजह से आईपीएल 2024 का हिस्सा नहीं बन सके. लेकिन अब जल्द ही उनकी वापसी हो सकती है. शमी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जिम में पसीना बहा रहे हैं. भारत की सरज़मीं पर खेले गए वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद से शमी वापसी नहीं कर सके हैं. उन्होंने आखिरी मुकाबला वनडे विश्व कप फाइनल के रूप में खेला था. विश्व कप में भी शमी चोट के साथ खेले थे. उन्होंने बाद में इस बात का खुलासा करते हुए बताया था कि वह वनडे विश्व कप के मैचों के बाद दर्द के चलते इंजेक्शन लिया करते थे. उनकी एड़ी में चोट लगी थी. इस इंजरी के लिए भारतीय पेसर ने 26 फरवरी, 2024 को सर्जरी करवाई थी, जिससे वह अब अच्छी तरह से उबर रहे हैं. शमी की इस इंजरी पर अपडेट देते हुए बीसीसीआई ने बताया था कि वह आईपीएल के बाद होने वाला टी20 विश्व कप भी नहीं खेल सकेंगे.

अब वापसी के लिए जमकर बहा रहे हैं पसीना

अब शमी इंजरी से वापसी के लिए जमकर मेहनत कर रहे हैं. वह जिम में पसीना बहा रहे हैं. सर्जरी से वह लगभग रिकवर हो चुके हैं. मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो सितंबर तक शमी की वापसी हो सकती है. हालांकि अभी उनकी वापसी को लेकर किसी भी तरह का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में जमकर बरपाया कहर

गौरतलब है कि वनडे वर्ल्ड कप 2023 में शमी सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे थे. उन्होंने 7 मैचों में 10.71 की बेहद ही शानदार औसत से 24 विकेट झटके थे. इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जैम्पा दूसरे नंबर पर थे, जिन्होंने 23 विकेट लिए थे. हालांकि जैम्पा ने 11 मैचों में 23 विकेट चटकाए थे.

मुक्केबाज परवीन के निलंबन के बाद एशियाई खेलों का पदक गंवाएगा भारत, जैस्मिन की चमकी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। इसका मतलब है कि 2023 एशियाई खेलों में भारत की कुल पदक संख्या 107 से घटकर 106 हो जाएगी। हालांकि, इससे समग्र पदक रैंकिंग में देश के चौथे स्थान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज परवीन हुड्डा को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के कारण 22 महीने के लिए निलंबित किए जाने के बाद भारत का हांगझोऊ एशियाई खेलों का पदक गंवाना तय है।परवीन ने पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक का कोटा भी मिला था। हालांकि, परिणाम प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एजेंसी अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने उन्हें इस महीने की शुरुआत में निलंबित कर दिया गया था क्योंकि वह 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार अपने रहने के स्थान संबंधी जानकारी देने में विफल रही। आईटीए ने बयान में कहा- आईटीए पुष्टि करता है कि मुक्केबाज परवीन हुड्डा को 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार रहने का स्थान संबंधी जानकारी मुहैया कराने में विफल रहने के बाद 22 महीने की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है जैसा कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के डोपिंग रोधी नियमों के नियम 2.4 में परिभाषित किया गया है (आईबीए एडीआर)1। यह निलंबन 16 जुलाई 2025 तक प्रभावी है। बयान में कहा गया है- अयोग्यता की अवधि के अलावा 11 दिसंबर 2022 से 17 मई 2024 के बीच खिलाड़ी के परिणाम अयोग्य घोषित किए जाते हैं।% कोविड-19 के कारण चीन में 2022 एशियाई खेलों के आयोजन में एक साल की देरी हुई और 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 के बीच इसका आयोजन किया गया जो आईटीए द्वारा निर्धारित समय अवधि के भीतर आता है और इस प्रकार परवीन से उनका कांस्य पदक छीन लिया जाएगा।



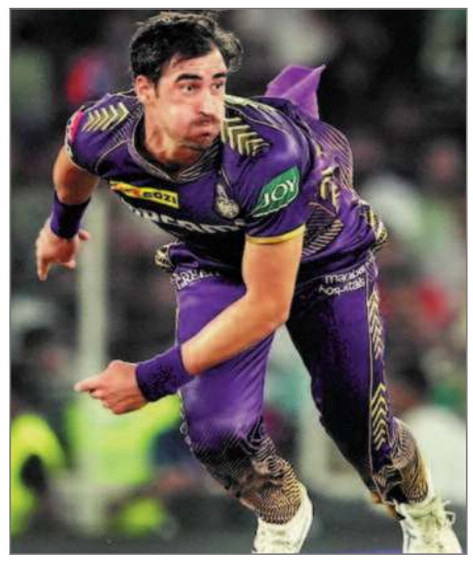
चल गया KKR का तुरुप का पत्ता, ढह गया हैदराबाद का किला

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी मिचेल स्टार्क ने मचाई तबाही

नईदिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के मिचेल स्टार्क ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ क्वालिफायर 1 मुकाबले में दिखा दिया कि क्यों वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाडी हैं. 21 मई को खेले गए मैच में वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे. उन्होंने अपने शुरुआती स्पेल में ही 3 विकेट लेकर ऐसा गदर मचाया कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी उबर ही नहीं सके. वैसे स्टार्क के इस प्रदर्शन के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर की भी तारीफ की जानी चाहिए क्योंकि उन्होंने उनसे लगातार तीन ओवर करवाए.

आईपीएल 2024 के ऑक्शन में जब कोलकाता नाइट राइडर्स के गौतम गंभीर और उनके टीम मैनेजमेंट ने मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था, तब यह निर्णय किसी के गले नहीं उतरा था. 24.75 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे. स्टार्क का शुरुआती आईपीएल मैचों में प्रदर्शन बिल्कुल एवरेज रहा था.

पर स्टार्क ने जो कुछ 21 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम



में किया, उसके बाद उन्होंने यह बात साबित कर दी कि उन्होंने अपने प्रदर्शन प्लेऑफ मुकाबलों के लिए बचाकर रखा था. अपने ओवर की दूसरी ही गेंद पर उन्होंने स्त्रा के खिलाड़ी और ऑस्ट्रेलियाई टीम के पार्टनर ट्रेविस हेड को अपनी इनस्विंग गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया.

ट्रेविस हेड पिछले दो मैचों में बाएं हाथ के गेंदबाजों की अंदर आती हुई गेंद पर बोल्ड हुए हैं . 3 दिन पहले उनको अर्शदीप सिंह ने क्लीन बोल्ड किया. वहीं 21 मई को मिचेल स्टार्क ने उनके डंडे उखाड़ दिए. एक तरह स्टार्क ने एसआरएच पर जो प्रेशर बनाया तो वैभव अरोड़ा ने दूसरे ओवर में अभिषेक शर्मा को आंद्रे रसेल के हाथों कैच आउट करवा दिया.

फिर स्टार्क ने अपने तीसरे ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी (9), और शाहबाज अहमद (1) को लगातार गेंदों पर आउट कर दिया. शाहबाज के आउट होते ही एसआरएच का स्कोर 39/4 हो गया था.

मलयेशिया मास्टर्स बैडमिंटन

त्रिशा-गायत्री दूसरे दौर में, ताईवान की जोड़ी को 21-14, 21-10 से हराया

क्वालालंपुर , एजेंसी। क्वालिफाइंग दौर में चार भारतीय शटलरों को हार का सामना करना पड़ा। कोई भी मुख्य दौर में जगह नहीं बना सका। ओडिशा ओपन सुपर 100 का खिताब जीतने वाले सतीश कुमार ने मलयेशिया के चियाम जुन वेई को 21-15, 21-19 से हराया।



सातवीं वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने मलयेशियाई मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता भारतीय जोड़ी ने ताईवान की हुआंग यू सुन और लियांग टिंग यू को सीधे गेमों में 21-14, 21-10 से परास्त किया।

क्वालिफाइंग दौर में चार भारतीय शटलरों को हार का सामना करना पड़ा। कोई भी मुख्य दौर में जगह नहीं बना सका। ओडिशा ओपन सुपर 100 का खिताब जीतने वाले सतीश कुमार ने मलयेशिया के चियाम जुन वेई को 21-15, 21-19 से हराया, लेकिन वह इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रुस्तावितो से 21-13, 20-22, 13-21 से नजदीकी मुकाबले में हार गए।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी ने गुलशन कुमार को हराया, लेकिन अगले दौर में वह थाईलैंड के पानित्चफोन से 21-23, 21-16, 17-21 से हार गए।

गेंदबाजों के बाद कोरी और हरमीत की तूफानी बल्लेबाजी, अमेरिका ने टी20 मैच में बंगलादेश को हराया

ह्यूस्टन, एजेंसी। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कोरी एंडरसन (34) और हरमीत सिंह (33) की नाबाद तूफानी बल्लेबाजी के दम पर अमेरिका ने टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को पांच विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। टी-20 विश्वकप से पहले अमेरिकी टीम को मंगलवार देर रात तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में ऐतिहासिक जीत मिली है। अमेरिका की जीत के हीरो हरमीत सिंह ने 13 गेंदों पर 33 रनों की विस्फोटक पारी खेली। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में ही कप्तान मोनंक पटेल (12) का विकेट रनआउट के रूप में गवां दिया। उसके बाद नौवें ओवर में ऐंड्रियस गौस 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 12वें ओवर में स्टीवन टेलर (20) रन बना कर आउट हुए। ऐरन जोंस (4) और नीतिश कुमार (10) रन बनाकर आउट हुए। 94के स्कोर पर पांच विकेट गवांने के बाद संकट में फंसी अमेरिका की टीम को कोरी एंडरसन और हरमीत सिंह ने संभाला। एंडरसन ने 25 गेंदों में नाबाद (34) और हरमती ने 13 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (33) रनों की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 156 रन बनाकर अपनी टीम को पांच विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी। बंगलादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने दो विकेट लिए।



सेट पर दिलीप जोशी पर फेंकी गई थी कुर्सी !

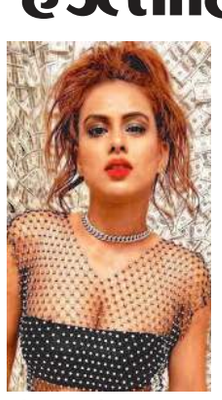
जेठालाल ने दी थी तारक मेहता का उल्टा चश्मा छोड़ने की धमकी?

दिलीप जोशी टीवी की दुनिया का बड़ा नाम हैं। उन्हें जेठालाल के किरदार में घर-घर में पसंद किया जाता है। क्या आप जानते हैं कि एक बार उन्होंने शो छोड़ने की धमकी दे दी थी। ऐसा क्यों हुआ था, इसका खुलासा सीरियल छोड़ चुकीं मिसेज रोशनी सोढ़ी यानी जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने किया है।

टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा तकरीबन 16 साल से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहा है। इस शो में दिलीप जोशी जेठालाल का किरदार निभाते हैं। उनकी एक्टिंग, डायलॉग बोलने का अंदाज, सबकुछ लोगों को बहुत पसंद आता है। सीरियल को जितनी लोकप्रियता मिली, उतना ही ये विवादों में भी घिरा रहा। कई ह्लत एक्टर्स ने अचानक ही शो छोड़ दिया और दर्शकों का दिल तोड़ दिया। कई ने सेट पर बुरे बर्ताव का तो किसी ने टीम में हो रही ज्यादती का आरोप लगाया। अब जेनिफर मिस्त्री ने खुलासा किया है कि एक बार दिलीप जोशी ने भी सीरियल छोड़ने की धमकी दी थी।

मालूम हो कि जेनिफर ने इस शो में मिसेज रोशन सोढ़ी के रोल में नजर आई थीं। उन्होंने प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए थे और कानूनी लड़ाई भी लड़ी थी। बॉलीवुड ठिकाना के साथ एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि दिलीप जोशी की एक बार सोहिल रहमानी से बहुत बड़ी लड़ाई हो गई थी। सोहिल इस शो के ऑपरेशनल हेड हैं। जैसा कि जेनिफर बताती हैं, एक बार शो के सेट पर दिलीप जोशी और सोहिल के बीच तीखी बहस हो गई और बात इतनी बढ़ गई कि सोहिल ने दिलीप जोशी की तरफ कुर्सी फेंक दी थी।

सुहागन चुड़ैल को लेकर हैं उत्साहित हैं निया शर्मा



निया शर्मा टीवी इंडस्ट्री की महशूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। इन दिनों निया अपने शो सुहागन चुड़ैल की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। निया इस शो में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। निया के चाहने वालों में अभी से ही कलर्स टीवी पर आने वाले इस शो के लिए काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं इस शो के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री ने अपने करियर और चार साल लंबे ब्रेक के बारे में भी खुलकर बातें करती नजर आईं।

निया शर्मा लगभग चार साल के बाद टीवी पर वापसी कर रही हैं। इस विषय में निया कहती हैं, मैं अपने करियर के उस दौर में हूं जहां मैं जब चाहे अपनी मर्जी से ब्रेक ले सकती हूं। मुझे कुछ अलग करना था इसलिए मैंने इतंजार किया। यह शो मेरे पिछले सभी शो के बहुत अलग है। मेरा किरदार चैलेंजिग है।

शॉक्ड रह गई एक्ट्रेस, बोलीं- आजकल के बच्चे भी ना...

पूनम से बच्चे ने पूछ लिया ऐसा सवाल



पूनम पांडे का यह वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें वो अपने फैंस से मिल रही हैं और इसी बीच एक बच्चा उनसे कुछ ऐसा पूछ ले रहा है जिसे सुनकर एक्ट्रेस भी शॉक्ड हैं।

कंगना रनौत होस्टेड रियलिटी टीवी शो लॉकअप का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस पूनम पांडे अपने बोल्ड अंदाज के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। पूनम पांडे हाल ही में जब अपने कुछ फैंस से मिल रही थीं तभी वहां पास में क्रिकेट खेल रहे कुछ बच्चे उनसे मिलने चले आए। बच्चों ने पूनम पांडे से हाथ मिलाया और फिर एक बच्चे ने पूनम से ऐसा सवाल पूछ लिया कि एक्ट्रेस की हंसी छूट गई। पूनम पांडे कहने लगीं कि आजकल के बच्चे भी ना। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है।

असल में पूनम पांडे ने अपने एक फैन ने उनकी बनाई स्केच ली और फिर इन बच्चों से मिलने लगीं। हाथ मिलाने के बाद एक बच्चे ने पूनम पांडे से पूछा, आपका इंस्टाग्राम आईडी क्या है?

इस पर पूनम पांडे की हंसी छूट गई और उन्होंने बच्चे से कहा, तू मेरी इंस्टाग्राम आईडी लेकर क्या करेगा मुझे बता। मम्मी से डर नहीं लगता है तेरे को। हां.?? मम्मी मारेंगी। पूनम पांडे ने कहा- देखो पूनम पांडे का आईडी मांग रहा है। पूनम ने बच्चे को मिमिक करते हुए कहा- इंस्टाग्राम आईडी है? मैं आपको डीएम करूंगा। आजकल के बच्चे भी ना।

केकेके-14 से पहले

निमृत ने सुनाई खुशखबरी



निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने फैंस को गुड न्यूज दी है। खतरों के खिलाड़ी 14 शुरू होने से पहले ही निमृत ने अपनी बॉलीवुड डेब्यू मूवी का ऐलान कर दिया है। ये एक थ्रिलर ड्रामा होगी। इसके लिए निमृत ऑडिशन दिया था और लंबे प्रोसेस के बाद सिलेक्ट हो गईं। छोटी सरदारनी बनकर अपने फैंस के दिलों पर राज करने वाली टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 14 को लेकर चर्चा में हैं। बिग बॉस 16 के बाद वो इस शो में नजर आएंगी। वैसे तो वो बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली थीं। खुद एकता कपूर ने उन्हें अपनी फिल्म LSD 2 ऑफर की थी, लेकिन उन्होंने इस ऑफर को ठुकरा दिया था। अब उन्होंने एक गुड न्यूज दी है। निमृत ने खुलासा किया है कि वो जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करेंगी। ये एक थ्रिलर ड्रामा होगी। इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म के रूप में एक थ्रिलर ड्रामा साइन किया है। उन्होंने कहा, मैंने इस अवसर का इस एक साल से नहीं, बल्कि पिछले 6 साल से इंतजार किया है। जब आप मुंबई आते हैं तो आपका सपना किसी फिल्म में हीरोइन बनने का होता है। मैं अजय (अजय राय, प्रोड्यूसर) सर मिली और वो नए लोगों को मौके देने के लिए जाने जाते हैं। हमारी पहली मुलाकात के बाद उन्हें लगा कि मैं ऑडिशन के लिए बिल्कुल उपयुक्त हूं। फिर ऑडिशन की एक लंबी प्रक्रिया शुरू हुई, जो कुछ समय तक चली और आखिरकार मुझे रोल मिल गया।

महेश मांजरेकर ने लिया ब्रेक

बिग बॉस को होस्ट करते नजर आएंगे रितेश देशमुख



मराठी भाषा में बना बिग बॉस नए तेवर और कलेवर के साथ आ गया है। इस बार बिग बॉस को होस्ट के तौर पर नया चेहरा भी मिल गया है। फिर से आपको खूब ड्रामा, मसाला और लड़ाई झगड़ा देखने को मिलने वाला है। इस बार एंटरटेनमेंट के इस डोज में डबल तड़का क्योंकि रितेश देशमुख लगाने वाले हैं। इसका अनाउंसमेंट हाल ही में किया गया।

कलर्स मराठी के चैनल पर बिग बॉस के पांचवें सीजन का प्रोमो शेयर किया गया। इसे देख फैंस बिल्कुल सरप्राइज हो गए। रितेश देशमुख स्वैग और स्टाइल से...मूछों को ताव देते हुए, एंट्री लेते दिखे। रितेश ने अपने स्टाइल से बता दिया कि वो हर कंटेस्टेंट पर नजर रखने वाले हैं। प्रोमो शेयर कर लिखा गया- मराठी मनोरंजन का बिग बॉस. सबको पागल बनाने आ रहे हैं... दमदार होस्ट, सुपरस्टार रितेश देशमुख ! ! ये शो कलर्स मराठी एयर किया जाएगा. साथ ही जियो सिनेमा ऐप पर फ्री में स्ट्रीम किया जाएगा।

कान में भारतीय फिल्मों के प्रदर्शन से खुश हैं शोभिता

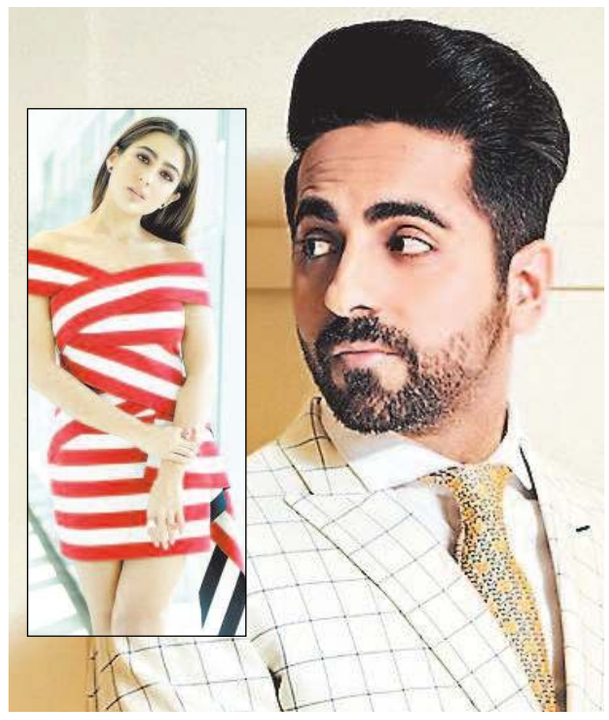


अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में अपना जलवा बिखेरा शोभिता की कान लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब छाई हुई हैं। गोल्डन बॉडीकॉन ड्रेस में वह किसी गोल्डन स्टैच्यू से कम नहीं लग रही थीं। उन्होंने कान 2024 में भारतीय फिल्मों की उपस्थिति पर गर्व महसूस किया है। शोभिता ने बताया कि एक ही वर्ष में सात भारतीय फिल्में प्रदर्शित की गईं। अभिनेत्री ने कहा, यह कान्स में भारतीय फिल्मों के लिए एक अविश्वसनीय वर्ष है।

दोबारा दिल लगाने के मूड में नहीं है शालीन, बोले- प्यार का कोटा हुआ पूरा



शालीन भनोट टीवी के मशहूर एक्टर हैं। वे बिग बॉस सीजन 16 में नजर आ चुके हैं। इस शो के बाद उनकी लोकप्रियता में काफी इजाफा देखने को मिला था। अब वे जल्द ही खतरों के खिलाड़ी में नजर आने वाले हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उनसे जब पूछा गया कि खतरों के खिलाड़ी में क्या वे प्यार ढूंढेंगे। इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उनके प्यार का कोटा पूरा हो चुका है और उनका डॉगी उसने बहुत प्यार करता है और वे उसके साथ खुश हैं।



आयुष्मान खुराना-सारा अली खान ने फिल्म के लिए मिलाया हाथ

पहली बार बड़े पर्दे पर धमाल मचाएगी जोड़ी

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार्स आयुष्मान खुराना और सारा अली खान ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। अब आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक साथ काम करने वाले हैं। दरअसल, आयुष्मान खुराना और सारा अली खान को लेकर एक फिल्म का अनाउंसमेंट किया गया है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की साथ में ये पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की घोषणा होने के बाद आयुष्मान खुराना और सारा अली खान के फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान को साथ लाने में करण जौहर और गुनीत मोंगा के प्रोडक्शन हाउस का हाथ है।

फिल्म के डायरेक्ट करेंगे आकाश कौशिक

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने मंगलवार को अपने ट्विटर हैंडल पर आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की पहली फिल्म को लेकर अपडेट दिया है। ट्वीट के मुताबिक, करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन और गुनीत मोंगा के सिख्या एंटरटेनमेंट मिलकर एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म बनाने जा रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म के टाइटल का अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की इस फिल्म को आकाश कौशिक डायरेक्ट करने वाले हैं और उन्होंने इस फिल्म को लिखा भी है। आकाश कौशिक ने भूल भुलैया 2, थैंक गॉड, फ्लॉइंग जट, हाउसफुल 4 जैसी कई फिल्मों को लिखा है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की पहली फिल्म जल्द ही शूटिंग शुरू होने वाली है। बताते चलें कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन और गुनीत मोंगा के सिख्या एंटरटेनमेंट का साथ में ये तीसरा प्रोजेक्ट है।

शादी से पहले मां बनने की खबरों पर

'बालिका वधु' फेम अविका गौर ने तोड़ी चुप्पी

टीवी सीरियल बालिका वधू' में छोटी आनंदी का किरदार निभाकर अविका गौर ने घर घर अपनी खूब पहचान बनाई है। हालांकि, वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस का नाम कई बार उनके को-एक्टर मनीष रायसिंहन के साथ जोड़ा गया। कई रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया कि एक्ट्रेस शादी से पहले मां बन चुकी हैं। अब हाल ही में इन सब रिपोर्ट्स पर अविका ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में अविका गौर ने अपने रिश्ते के बारे में कहा 'जब हमारे अफेयर की खबरें उड़ी तो हम शॉक्ड थे। मुझे और मनीष को लगा कि हम कुछ ऐसा दिखा रहे होंगे जिससे ये सारी बातें बन रही हैं। इसलिए हमने सेट पर बात करना बंद कर दिया और जब हमने दूरी बना ली तब भी लोगों ने बातें बनाना बंद नहीं किया।' मां बनने की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए अविका गौर ने कहा 'मुझे लेकर ऐसा लिखा गया कि मेरा एक बच्चा है। ऐसी बातें लिखने से पहले लोग कुछ सोचते ही नहीं हैं। हमारे पेरेंट्स भी इन अफवाहों पर हंसते थे।' मुझे इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

इस बात से नाखुश थे एक्टर!

संजय दत्त ने 15 दिन की शूटिंग करके छोड़ी वेलकम टू द जंगल



साल 2024 की मच-अवेटेड फिल्मों में से एक वेलकम टू द जंगल दिसंबर में रिलीज होने वाली है। पॉपुलर फ्रेंचाइजी फिल्म वेलकम के तीसरे पार्ट वेलकम टू द जंगल का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। ये फिल्म अक्षय कुमार, अनिल कपूर, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता सहित कई बड़े स्टार्स साथ बनाई जा रही है। इसी बीच फिल्म वेलकम टू द जंगल को लेकर बड़ी खबर आ रही है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि इस फिल्म से संजय दत्त ने किनारा कर लिया है। संजय दत्त के वेलकम टू द जंगल से बाहर होने के फैसले से उनके फैंस को झटका लगा है। आइए जानते हैं कि पूरी खबर क्या है। संजय दत्त की ये 7 फिल्में भरेंगी मेकर्स की तिजोरी, एक-एक मूवी के लिए बेसब्र हो रहे हैं फैंस !

संजय दत्त ने इसलिए छोड़ी फिल्म

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म वेलकम टू द जंगल में अब संजय दत्त नजर नहीं आएंगे। संजय दत्त ने फिल्म से बाहर होने का फैसला किया। उन्होंने फिल्म वेलकम टू द जंगल में 15 दिन की शूटिंग भी कर ली थी। संजय दत्त को लग रहा है कि फिल्म का शूट बिना प्लानिंग के हो रहा है और स्क्रिप्ट में काफी बदलाव हुए हैं। इस वजह से उनके बाकी प्रोजेक्ट पर भी असर पड़ा रहा है। संजय दत्त ने फिल्म को छोड़ने को लेकर सभी बातें अक्षय कुमार को बताई है।

संजय दत्त के पार्ट को लेकर मेकर्स को दुविधा

संजय दत्त ने फिल्म वेलकम टू द जंगल की 15 दिन की शूटिंग के बाद बाहर होने का फैसल किया है। इस पर मेकर्स दुविधा में हैं कि वो संजय दत्त के पार्ट को फिल्म में रखें या हटा दें।